@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
वीरवार, 29 मई 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 198 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सावरकर पर राहुल की टिप्पणी पर बिफरे यूबीटी नेता

नासिक, 28 मई। महाराष्ट्र के नासिक जिले में शिवसेना (यूबीटी) के एक स्थानीय पदाधिकारी ने बुधवार को कहा कि वह स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर के बारे में अपमानजनक टिप्पणी के लिए राहुल गांधी के चेहरे पर कालिख पोत देंगे, जिस पर महाराष्ट्र में कांग्रेस नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। बता दें कि, नासिक में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी की शहर इकाई के उप प्रमुख बाला दराडे के इस बयान से राज्य में विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी (एमवीए) में दरार पड़ सकती है। एक मराठी न्यूज चैनल पर बात करते हुए बाला दराडे ने हिंदुत्व विचारक सावरकर की जयंती के अवसर पर कहा, हमें गर्व है कि हम स्वातंत्र्यवीर सावरकर की जन्मभूमि में रहते हैं। सावरकर के बारे में राहुल गांधी का बयान, जिसमें उन्होंने उन्हें माफीवीर कहा, अपमानजनक था। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। अगर राहुल गांधी नासिक आते हैं तो हम उनके चेहरे पर कालिख पोत देंगे। अगर हम ऐसा नहीं कर पाए तो हम उनके काफिले पर पथराव करेंगे। महाराष्ट्र में शिवसेना यूबीटी और कांग्रेस पार्टी एनसीपी-एसपी को मिलाकर बने गठबंधन महा विकास अघाड़ी और केंद्रीय स्तर पर बने विपक्षी गठबंधन इंडिया में सहयोगी दल है। इधर, नासिक के रहने वाले देवेंद्र भूटाडा ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है, जिसमें दावा किया गया है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता की तरफ से सावरकर के खिलाफ की गई कुछ टिप्पणियों से उनकी भावनाओं को ठेस पहुंची है। बाला दराडे ने आगे कहा कि उन्हें एमवीए के लिए अपनी धमकी के परिणामों की परवाह नहीं है। उन्होंने कहा, हम सावरकर के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने वाले किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं करेंगे...महा विकास अघाड़ी का भविष्य चाहे जो भी हो, हम सावरकर का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (यूबीटी) की प्रवक्ता सुषमा अंधारे ने पत्रकारों से कहा कि बाला दराडे के विचार उनके अपने हैं और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी का आधिकारिक रुख नहीं है।

पीएम मोदी की अपील विदेशी सामानों के उपयोग से परहेज

कौमी पत्रिका
सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 28 मई। भाजपा सांसद और कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेशी उत्पादों से परहेज करने की अपील का समर्थन करते हुए कहा, प्रधानमंत्री की यह अपील, केवल अर्थव्यवस्था से जुड़ी नहीं है, बल्कि यह आत्म-सम्मान, आर्थिक स्वतंत्रता और हमारे देश के स्थानीय उत्पादकों व व्यापारियों के सशक्तिकरण का आह्वान है। यह आत्मनिर्भर भारत के प्रति उनके अटूट संकल्प को दर्शाती है। एक ऐसा भारत, जहां देशवासी स्वयं के बनाए उत्पादों का निर्माण, उपभोग और निर्यात करें। खंडेलवाल ने कहा, पीएम मोदी की अपील को कारगर बनाने के लिए जरूरी है कि व्यापारियों एवं निर्माताओं को ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विजन के अंतर्गत सिंगल विंडो व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए, जिससे उनकी विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं, एक ही स्थान पर हल हो जाएं। खंडेलवाल ने कहा, सिंगल विंडो व्यवस्था के अलावा व्यापारियों पर दूसरे कानूनों एवं नियमों के पालन का बोझ भी कम से कम हो। इसके साथ ही आम उपयोग में आने वाली वस्तुएं, जो विदेश से आती हैं,

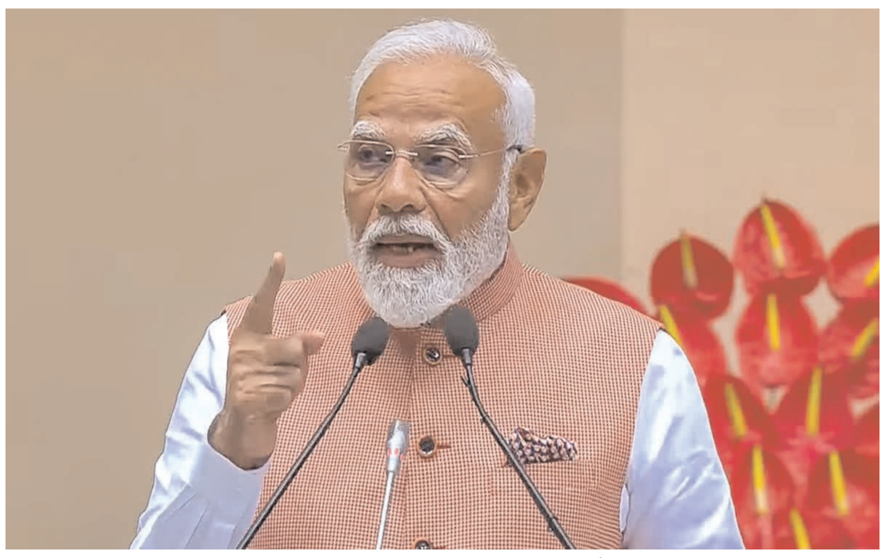

उन पर ड्यूटी का अधिभार ज्यादा हो। इससे उनका आयात कम हो और भारतीय सामान का निर्माण एवं उपयोग अधिक हो। खंडेलवाल ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की अपील का मूल भाव यह है कि भारतीय उत्पादों के ही उपयोग की श्रृंखला को शुरू करने के लिए हम कम से कम रोजमर्रा की जरूरतों के लिए स्वदेशी उत्पादों का ही उपयोग करें। इससे एक सशक्त कदम आगे बढ़ सकेगा। अभी कुछ वस्तुओं के निर्माण के लिए हमें विदेशी निर्यात पर निर्भर रहना पड़ता है, ऐसी वस्तुओं के स्वदेशी निर्माण के लिए आवश्यक कदम उठाये जाएं। उन्होंने यह भी कहा की ई कॉमर्स कंपनियों द्वारा विदेशी सामान बेचा जा रहा है, उन पर भी कड़ाई से लगाम कसी जाए। खंडेलवाल ने कहा कि यह अपील छोटे व्यापारियों, लघु उद्योग और विनिर्माताओं की भावना से पूरी तरह मेल खाती है, जो वास्तव में भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। हर विदेशी उत्पाद, जिसे हम देशी विकल्प से बदलते हैं, वह हमारे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है, रोजगार पैदा करता है और आयात पर हमारी निर्भरता को कम करता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मौजूदा वैश्विक परिप्रेक्ष्य में, जब आपूर्ति श्रृंखलाएं बदल रही हैं और देश विश्वसनीय साझेदारों की तलाश में हैं, भारत को इस अवसर का लाभ उठाते हुए वैश्विक विनिर्माण और सेवा केंद्र बनने की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए। यह कार्य हमारे उद्यमियों के नेतृत्व में होना चाहिए। हमें अब स्वदेशी को केवल भावना नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आर्थिक रणनीति बनाना होगा।

भाजपा के सुपर प्रवक्ता बन गए हैं शशि थरूर: उदित राज

कौमी पत्रिका
कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 28 मई। कांग्रेस पार्टी में सबकुछ सही नहीं चल रहा है। इसका संकेत बुधवार को मिला, जब कांग्रेस पार्टी के नेता और पूर्व सांसद उदित राज ने अपनी ही पार्टी के सांसद शशि थरूर पर तीखा हमला बोला और उन्हें भाजपा का सुपर प्रवक्ता बता दिया। शशि थरूर केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न देशों के दौरों पर भेजे गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं और एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। शशि थरूर के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल फिलहाल पनामा में मौजूद है। पनामा में ही शशि थरूर के एक बयान से नाराज होकर उदित राज ने टिप्पणी की। शशि थरूर ने पनामा में दिए अपने एक भाषण में कहा कि भारत सरकार ने हाल के वर्षों में

अपनी सोच में बदलाव किया है। जिसके बाद आतंकियों को भी ये अहसास हो गया है कि उन्हें भारत में हमले की कीमत चुकानी पड़ेगी। थरूर की इस टिप्पणी ने उनकी ही पार्टी के नेताओं को नाराज कर दिया। उदित राज ने कहा कि कांग्रेस सांसद शशि थरूर भाजपा के सुपर प्रवक्ता बन गए हैं। जो भाजपा नेता नहीं कह रहे हैं, वो शशि थरूर, पीएम मोदी और सरकार के बारे में कह रहे हैं। क्या उन्हें (थरूर) पता भी है कि पिछली सरकारों ने क्या किया? वे (केंद्र सरकार) भारतीय सशस्त्र बलों का श्रेय ले रहे हैं। शशि थरूर भाजपा के प्रचार विभाग के प्रवक्ता बने हुए हैं। पनामा में दिए अपने भाषण में शशि थरूर ने सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट स्ट्राइक का जिक्र किया और कहा कि हाल के वर्षों में भारत की सोच में बदलाव आया है। अब आतंकियों को पता है कि उन्हें कीमत चुकानी होगी। इस पर कोई शक नहीं है। पहली बार भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक के समय एलओसी पार कर आतंकी ठिकानों पर हमले किए। यहां तक की कारगिल की लड़ाई में भी हमने सीमापार नहीं की थी। इस बार न सिर्फ हमने सीमा पार की है बल्कि अंतरराष्ट्रीय सीमा भी पार की है। हमने पाकिस्तान के मध्य में स्थित पंजाब में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इस पर कांग्रेस नेता उदित राज ने सोशल मीडिया पर लिखा कि आप ये कहकर कांग्रेस के स्वर्णिम इतिहास को कैसे कमतर कर सकते हैं कि पीएम मोदी से पहले भारत ने कभी एलओसी पार नहीं की। 1965 की लड़ाई में भारतीय सेना लाहौर तक पहुंच गई थी। साल 1971 में कांग्रेस के समय पाकिस्तान को दो हिस्सों में बांट दिया गाय था। साथ ही यूपीए सरकार के कार्यकाल में कई सर्जिकल स्ट्राइक की गई, लेकिन उनका ढिंढोरा नहीं पीटा गया। आप पार्टी के प्रति इतने बेईमान कैसे हो सकते हैं, जिस पार्टी ने आपको इतना कुछ दिया।

अवैध घुसपैठिए संरक्षित इलाकों में कर रहे अतिक्रमण

इंफाल, 28 मई। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा है कि अवैध अप्रवासियों की बड़े पैमाने पर घुसपैठ स्थानीय लोगों की पहचान और अस्तित्व के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि अनिगमित अवैध घुसपैठ से राज्य में नए गांव और कालोनियों की संख्या में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई है। यह स्थानीय लोगों के अस्तित्व के लिए खतरा है। पूर्व सीएम ने इस पर चिंता जताते हुए राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को चिट्ठी लिखी है। पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा नीत सरकार के दौरान साल 2017 से ही मणिपुर में सैंकड़ों अवैध अप्रवासियों की पहचान कर उन्हें निर्वासित किया गया। उन्होंने मांग की कि कैबिनेट उप-समिति का गठन किया जाए, आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर, सैटेलाइट मैपिंग करके और जमीनी स्तर पर खुफिया तंत्र को मजबूत किया जाए ताकि अवैध घुसपैठ को रोका जा सके। एन बीरेन सिंह ने चिट्ठी में दावा किया कि 2023 में तीन सदस्यों वाली समिति बनाकर 5,457 अवैध अप्रवासियों की पहचान की गई, जिनमें अधिकतर म्यांमार के निवासी थे। पूर्व सीएम ने कहा कि ये घुसपैठिए संरक्षित वन क्षेत्र में अतिक्रमण कर रहे हैं और इससे पहचान संबंधी तनाव और अशांति भी बढ़ रही है। बीरेन सिंह ने दावा किया कि इन अवैध घुसपैठियों को अवैध ड्रग कार्टेल से फंडिंग मिल रही है। जिससे ये हथियारबंद लोग खतरा बन रहे हैं। इससे शिक्षा, आवास और स्वास्थ्य जैसी जनसेवाओं पर भी दबाव बढ़ रहा है। अवैध अप्रवासियों के चलते म्यांमार और बांग्लादेश सीमा पर बड़े पैमाने पर नशे की खेती की जा रही है।

संसद समितियों की बैठकों में नहीं रूचि ले रहे सांसद

कौमी पत्रिका
सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 28 मई। संसद की स्थायी समितियों में शामिल होने वाले संसद सदस्यों को लेकर एक चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया है। समितियों की बैठकों में संसद सदस्यों की भागीदारी पिछले करीब एक साल में औसतन साठ फीसदी ही रही है। लोकसभा की वेबसाइट से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, निचले सदन की 16 स्थायी समितियों की बैठकों में सदस्यों की उपस्थिति औसतन करीब 60 प्रतिशत रही। इस प्रकार 40 फीसदी सांसद बैठकों में शामिल नहीं हुए। संसद की स्थायी समिति में लोकसभा और राज्यसभा से 31 सदस्य होते हैं, जिनमें से 21 निचले सदन से और 10 उच्च सदन से होते हैं। पिछले वर्ष सितंबर में संसद की सभी समितियों का पुनर्गठन किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कई अवसरों पर संसदीय समिति एवं संसद की कार्यवाही में सदस्यों की सहभागिता के महत्व को रेखांकित कर चुके हैं। इसके बाद की संसद इन समितियों की बैठकों में शामिल नहीं हो रहे हैं। इस वर्ष 20 मई को शशि थरूर की अध्यक्षता वाली विदेश मंत्रालय से संबद्ध स्थायी समिति की बैठक में केवल 13 सदस्य उपस्थित थे जबकि 11 मई की बैठक में जब समिति ने 2025-26 के लिए अनुदान की मांगों की रिपोर्ट का अनुमोदन किया तो केवल 18 सदस्य उपस्थित थे। वहीं 19 मई को भारत-पाकिस्तान के संबंध में वर्तमान विदेश नीति

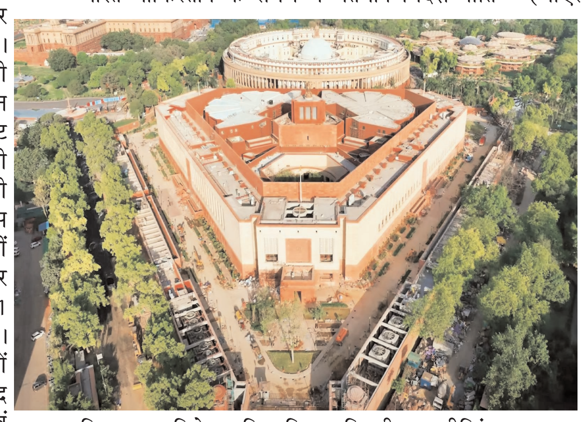

विकास पर विदेश सचिव विक्रम मिसरी द्वारा ब्रीफिंग के लिए आयोजित बैठक में 31 में से केवल 24 सदस्य उपस्थित थे। आंकड़ों के अनुसार, देशी गौवंश की नस्ल के संरक्षण एवं विकास विषय पर 25 अप्रैल 2025 को चरणजीत सिंह चन्नी की अध्यक्षता वाली कृषि तथा पशुपालन एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय से जुड़ी स्थायी समिति की बैठक में केवल 16 सदस्य उपस्थित हुए तथा मत्स्य पालन क्षेत्र पर 18 मार्च को हुई इसी समिति की बैठक में 22 सदस्य उपस्थित रहे। इसी तरह उर्वरक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) के विनिवेश से संबंधित विषय पर 9 मई को रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय से जुड़ी और कीर्ति आजाद की अध्यक्षता वाली समिति की बैठक में केवल 15 सदस्य शामिल हुए थे। वहीं औषधि क्षेत्र में दवाओं की कीमतों में वृद्धि जैसे महत्वपूर्ण विषय पर 7 जनवरी की संसदीय समिति की बैठक में मात्र 16 सदस्य शामिल हुए। दूसरी ओर 8 मई को कोयला, खान एवं इस्पात मंत्रालय से संबद्ध स्टील स्क्रैप नीति विषय पर हुई संसदीय समिति की बैठक में केवल 15 सदस्यों ने भाग लिया। अनुराग सिंह ठाकुर इस समिति के अध्यक्ष हैं। आंकड़ों के अनुसार, 28 मई को राधा मोहन सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा मंत्रालय से सम्बद्ध स्थायी समिति की बैठक में केवल 15 सदस्य ही उपस्थित हुए, जिसका विषय पूर्व सैनिकों के लिए पुनर्वास नीतियों, स्वास्थ्य देखभाल की समीक्षा थी। 7 मई को संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से संबंधित एवं निशीकांत दुबे की अध्यक्षता वाली समिति की फर्जी खबरों पर अंकुश लगाने के लिए तंत्र की समीक्षा विषय पर हुई बैठक में केवल 15 सदस्य उपस्थित थे।

अपने ही नेता पर मिसाइल दाग रही कांग्रेस, पाकिस्तान पर नहीं बोलेगी

कौमी पत्रिका
तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 28 मई। इस समय कांग्रेस के किसी नेता का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है तो वह शशि थरूर हैं। आलम यह है कि उनकी ही पार्टी के नेता शशि थरूर की आलोचना कर रहे हैं और उन्हें भाजपा का सुपर प्रवक्ता बता रहे हैं। वहीं, भाजपा शशि थरूर का बचाव करती नजर आ रही है। दरअसल, आज कांग्रेस पार्टी के नेता और पूर्व सांसद उदित राज ने अपनी ही पार्टी के सांसद शशि थरूर पर तीखा हमला बोला और उन्हें भाजपा का सुपर प्रवक्ता बता दिया। वहीं अब उनके इस बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर पलटवार किया है। भाजपा ने कहा कि उदित राज राहुल गांधी के कहने पर शशि थरूर पर तंज कस रहे हैं। क्योंकि केरल से सांसद थरूर ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान को बेनकाब करने के मामले में पार्टी और गांधी परिवार से ऊपर राष्ट्रहित को रखा। शशि थरूर केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न देशों के दौरों पर भेजे गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं और एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। शशि थरूर के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल फिलहाल पनामा में मौजूद है। उदित राज के शशि थरूर पर दिए गए बयान को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने गांधी के इशारे पर थरूर पर हमला करने के लिए उदित राज को तैनात

किया है। वह भी ऐसे समय में जब कांग्रेस सांसद के नेतृत्व में एक बहुदलीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए विदेश में है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जो अपने ही नेता पर मिसाइल दाग रही है, पाकिस्तान के खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोलेगी। पूनावाला ने कहा कि थरूर पर इसलिए हमला किया जा रहा है, क्योंकि उन्होंने राष्ट्रीय नीति को वोट बैंक (राजनीति) से ऊपर रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस, जो कि सर्वदलीय बैठक में कह रही थी कि वह इस मुद्दे पर देश और भारतीय सशस्त्र बलों के साथ है, अब अपने दोहरा रवैया दिखा रही है। भाजपा प्रवक्ता ने इस दौरान राहुल गांधी और कांग्रेस के अन्य नेताओं के हालिया बयानों का भी हवाला दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर पाकिस्तान को 'क्लीन चिट' देने में लगी हुई है। शशि थरूर ने पनामा में दिए अपने एक भाषण में कहा कि भारत सरकार ने हाल के वर्षों में अपनी सोच में बदलाव किया है। जिसके बाद आतंकियों को भी ये अहसास हो गया है कि उन्हें भारत में हमले की कीमत चुकानी पड़ेगी। थरूर की इस टिप्पणी ने उनकी ही पार्टी के नेताओं को नाराज कर दिया। उदित राज ने कहा कि कांग्रेस सांसद शशि थरूर भाजपा के सुपर प्रवक्ता बन गए हैं। जो भाजपा नेता नहीं कह रहे हैं, वो शशि थरूर, पीएम मोदी और सरकार के बारे में कह रहे हैं।

हरियाणा में खास रहेगा योग दिवस, सीएम ने की घोषणा

नई दिल्ली, 28 मई। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा की है कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में राज्य में 25 दिन पहले से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन शुरू किया जाएगा। इनमें प्रशिक्षण कार्यक्रम, योग मैराथन, योग जागरण यात्रा और अन्य गतिविधियां शामिल होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के सभी वर्गों को इन आयोजनों से जोड़ा जाएगा, ताकि योग के प्रति जागरूकता बढ़े। सीएम सैनी ने बताया कि ये कार्यक्रम आज से शुरू होकर 21 जून तक चलेगा। इसके साथ ही, योग दिवस के आयोजनों को स्वच्छता कार्यक्रम से भी जोड़ा गया है, जिससे स्वच्छ और स्वस्थ भारत के संदेश को बढ़ावा दिया जा सके। वहीं, सीएम ने कहा कि प्रदेश के सभी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में योग के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के माध्यम से नशा मुक्त हरियाणा का भी संदेश दिया जाएगा। योग गुरु बाबा रामदेव भी इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार का यह संकल्प है कि योग को जन-जन तक पहुंचाया जाए और हरियाणा को योगमय राज्य बनाया जाए।

हिमंता को लोगों को धोखा देने की पुरानी आदत: गौरव गोगोई

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

गुवाहाटी, 28 मई। कांग्रेस नेता और लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई और असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा के बीच सियासी बयानबाजी थमने का नाम नहीं ले रही है। अब एक बार फिर गौरव गोगोई ने हिमंत के पाकिस्तान लिंक वाले आरोपों पर पलटवार किया है। गौरव गोगोई ने कहा कि उनका काम केवल अपमान करने वाला है, और इसलिए वे इसे सी-ग्रेड बॉलीवुड फिल्म की तरह बना रहे हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा लगाए गए आरोपों पर असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा कि करीब 14-15 साल पहले मेरी पत्नी ने जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित दक्षिण एशिया में एक अंतरराष्ट्रीय परियोजना पर काम किया था। 2012-13 के आसपास भारत लौटने से पहले उन्होंने इसी बाबत एक साल पाकिस्तान में भी बिताया था। बाद में उन्होंने भारत में भी अपना काम जारी रखा और 2015 में भारत में नौकरी कर ली। गौरव गोगोई ने कहा कि मुझे भी याद है कि 2013 में एक बार मैं उनके साथ गया था। इसलिए वे इसे मुद्दा बना रहे हैं क्योंकि उनका काम केवल अपमान करने वाला है, और इसलिए वे इसे सी-ग्रेड बॉलीवुड फिल्म की तरह बना रहे हैं। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने आगे कहा कि सीएम हिमंत बिस्वा सरमा को लोगों को धोखा देने की पुरानी आदत है। जब राहुल गांधी असम आए थे, तो सीएम दावा करते थे कि यह उनका (राहुल गांधी का) बॉडी डबल है। अब, जब वे मेरे खिलाफ झूठे आरोप

लगा रहे हैं, तो मुझे लगता है कि वे मेरे बॉडी डबल के बारे में सोचते हैं। गौरव गोगोई ने सरकार पर हमला करते हुए कहा कि अगर हमने कुछ अवैध किया है, तो सरकार इतने सालों तक चुप क्यों रही? इससे पहले, गौरव गोगोई ने बीते शनिवार को भी ऐसे ही आरोप हिमंत सरमा पर लगाए थे। उन्होंने कहा था कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की तरफ से उनके के खिलाफ पाकिस्तान कनेक्शन के आरोपों के समर्थन में कोई सबूत पेश करने में असमर्थता उनकी कमजोरी है। पड़ोसी देश की अपनी कथित यात्राओं पर कोई स्पष्टीकरण जारी करने से बचते हुए, गौरव गोगोई ने कहा था कि लोगों को धैर्य रखना चाहिए क्योंकि मुक्केबाजी मैच के अंत में नॉकआउट पंच मारा जाता है। वहीं, कांग्रेस सांसद और असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई के खिलाफ मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने बुधवार को गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि गोगोई और उनकी पत्नी दोनों भारत विरोधी गतिविधियों में गहराई से शामिल हैं। सरमा ने कहा कि गोगोई ने अब तक जो भी स्वीकार किया है, वह सिर्फ दस प्रतिशत है और शेष तथ्यों का खुलासा दस सितंबर को एक विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट के बाद किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि गौरव गोगोई ने बुधवार को पाकिस्तान जाने की बात स्वीकार की है। मुख्यमंत्री ने कहा, वह भारत विरोधी गतिविधियों में केवल शामिल नहीं हैं, बल्कि गहराई से शामिल हैं। गोगोई के बेटे, जो भारत में पैदा हुए थे, को बाद में ब्रिटिश नागरिकता मिल गई। गोगोई ने उनके भारतीय पासपोर्ट को भी सरेंडर कर दिया।

हमें आतंकवाद के खिलाफ अपनी रक्षा का अधिकार: जयशंकर

नई दिल्ली, 28 मई। , 28 मई। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने मजबूत, ठोस और संतुलित जवाब देते हुए आतंक के अड्डों और लॉन्चपैड्स को तबाह किया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को अपने लोगों की

सुरक्षा के लिए आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार दुनिया के कई देशों ने मान्यता दी है। जयशंकर ने यह बात नई दिल्ली स्थित इटली के दूतावास में आयोजित एक कार्यक्रम में कही। यह कार्यक्रम इटली के राष्ट्रीय दिवस के मौके पर आयोजित किया गया था। विदेश मंत्री ने कहा, हम इटली के समर्थन और सहानुभूति के लिए आभारी हैं, जो उन्होंने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले के बाद दिखाई। उस हमले में 26 लोगों की जान गई थी। जयशंकर ने बताया कि भारत ने उस हमले के जवाब में 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों को सटीक हमलों के जरिए तबाह कर दिया। उन्होंने कहा, भारत को अपने नागरिकों की रक्षा करने का अधिकार है, और यह अधिकार दुनिया के कई देशों द्वारा भी स्वीकार किया गया है। हमें विश्वास है कि दुनिया अब आतंकवाद और सीमा पार आतंकवाद के प्रति बिल्कुल भी सहनशील नहीं रहेगी। जयशंकर ने कहा कि भारत और इटली के रिश्ते स्पष्ट रूप से एक सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के बीच जी-20 और जी-7 जैसे मंचों पर हुई मुलाकातों से यह रिश्ता और मजबूत हुआ है। जयशंकर ने बताया कि भारत-इटली के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग भी एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने पिछले साल नवंबर में ज्वाइंट स्ट्रैटेजिक एक्शन प्लान 2025-29 अपनाया है, जिससे रिश्ते और मजबूत होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इटली में रहने वाला भारतीय प्रवासी समुदाय यूरोप में सबसे बड़ा है और उन्हें वहां विभिन्न क्षेत्रों में उनके योगदान के लिए सराहा जाता है। भारतीय विदेश मंत्री ने कहा, भारत और इटली दोनों प्रायद्वीपीय देश हैं और समुद्री क्षेत्रों में दोनों की समान रुचि है।

'आग से खेल रहे हैं पुतिन', रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच ट्रंप ने फिर दी चेतावनी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को चेतावनी दी है कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध में 'आग से खेल रहे' हैं। रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के जल्द खत्म होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पोस्ट में लिखा, 'व्लादिमीर पुतिन को यह एहसास नहीं है कि अगर मैं नहीं होता, तो रूस के साथ बहुत बुरी चीजें पहले ही हो चुकी होती और सचमुच मेरा मतलब यह है कि बहुत बुरी चीजें। वह आग से खेल रहे हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने रविवार को पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की दोनों पर तीखी टिप्पणियां की थीं। ट्रंप ने न्यू जर्सी के मॉरिसटाउन से वाशिंगटन लौटने के लिए एयर फोर्स वन में चढ़ने से पहले पत्रकारों से कहा, मैं पुतिन के कामों से खुश नहीं हूं। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि पुतिन को आखिर क्या हो गया है। हालांकि, रविवार शाम को ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया कि पुतिन पूरी तरह पागल हो गए हैं। इसके बाद उन्होंने जेलेंस्की पर भी टिप्पणी की और कहा कि वह अपने देश का कोई भला नहीं कर रहे क्योंकि वह जिस तरह बात कर रहे हैं, वह ठीक नहीं है। यह टिप्पणी जेलेंस्की के रविवार को रूस के हालिया हमलों पर अमेरिका की चुप्पी की आलोचना करने वाले बयानों के जवाब में थी।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री अमेरिका में, रणनीतिक तकनीकी सहयोग और व्यापार वार्ता पर की चर्चा

वाशिंगटन । विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने (भारतीय समयानुसार) को अमेरिकी अवर सचिव जेफरी केसलर से मुलाकात की और इंडिया-यूएस स्ट्रैटेजिक ट्रेड डायलॉग (भारत-अमेरिका रणनीतिक व्यापार वार्ता) के शीघ्र आयोजन पर चर्चा की। इसके साथ ही महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों को लेकर गंभीर मंत्रणा की। यह मुलाकात रणनीतिक महत्व के क्षेत्रों में नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच उच्च स्तरीय सहयोग को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वाशिंगटन में आयोजित बैठक में मौजूदा ढांचे को मजबूत करने और दोनों देशों के बीच प्रमुख तकनीकी और व्यापार पहलों पर गति बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। वाशिंगटन में भारतीय दूतावास ने एक्स को बताया, विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में भारत-अमेरिका सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए अवर सचिव जेफरी केसलर से मुलाकात की। उन्होंने तकनीकी और व्यापार सहयोग को गहरा करने के लिए भारत-अमेरिका रणनीतिक व्यापार वार्ता के शीघ्र आयोजन पर भी चर्चा की। मिस्री वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं, इस दौरान उनका ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से मिलने का कार्यक्रम है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, उनकी यह यात्रा फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के बाद हो रही है, जहां दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका समझौता - सैन्य साझेदारी, त्वरित वाणिज्य और प्रौद्योगिकी के लिए अवसरों को बढ़ावा देना - 21वीं सदी के लिए रणनीतिक सहयोग को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया एक ढांचा लॉन्च किया था।

वेनेजुएला ने अपने नागरिकों से अमेरिका जाने बचने का आग्रह किया

कराकस। वेनेजुएला ने अपने नागरिकों से अमेरिका जाने से बचने का आग्रह किया गया। विदेश मंत्री यवन गिल ने टेलीग्राम पर एक यात्रा चेतावनी जारी की। उन्होंने कथित मानवाधिकार उल्लंघन का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिका में वेनेजुएला के लोगों को निर्वासन, परिवार से अलग होने और मनमाने ढंग से हिरासत में लिए जाने का खतरा है। उन्होंने अमेरिका पर 'प्रवासन ब्लैकमेल' का उपयोग करने और ज़ेनोफ़ोबिया को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। यह चेतावनी अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा अमेरिकियों और कानूनी निवासियों को वेनेजुएला की यात्रा न करने की सलाह दिए जाने के कुछ घंटों बाद आई।

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में आग लगने से एक की मौत, एक लापता

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में सिडनी के भीतरी-पश्चिमी उपनगरों में एक घर में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य लापता है। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) राज्य की पुलिस ने बुधवार को एक बयान में कहा कि आपातकालीन सेवाओं ने बुधवार को स्थानीय समयानुसार तड़के चार बजे के बाद मध्य सिडनी से आठ किलोमीटर पश्चिम में क्रॉयडन में आग लगने की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दी। बयान में कहा गया है कि आग बुझाने के बाद घर के अंदर एक व्यक्ति का शव मिला और आग के कारण काफी नुकसान हुआ है। अग्निशमन और बचाव अधीक्षक एडम डेवबेरी ने घटनास्थल पर संवाददाताओं को बताया कि घर में रहने वाले दूसरे व्यक्ति का पता नहीं चल पाया है और छत के ढहने से संपत्ति की तलाशी करने में मुश्किलें हो रही है। उन्होंने कहा, अग्निशमन दल घर में घुसे और तलाशी ली, हालांकि आग की तीव्रता और छत के गिरने की वजह से उन्हें वापस लौटना पड़ा।

नॉर्वे में नाविक की गलती से विशाल मालवाहक जहाज घर के पास पहुंच गया

एजेंसी

ओस्लो (नॉर्वे)। विशाल मालवाहक जहाज (443 फीट लंबा एनसीएल साल्टेन) यूक्रेनी नाविक की नींद लग जाने से एक घर के पास पहुंच गया। बचावकर्मियों ने सूचना मिलते ही कड़ी मशक्कत के बाद उसे वापस पानी में खींचा। नॉर्वे पुलिस ने 30 वर्षीय नाविक पर लापरवाह नेविगेशन का आरोप लगाया है। सीबीएस न्यूज के अनुसार, यह मालवाहक जहाज दुनिया भर में सुर्खियों में रहा। यह जहाज नाविक की नींद लग जाने की वजह से नॉर्वे में एक घर से कुछ मीटर की दूरी पर फंस गया। इस घर पर रहने वाले जोहान हेलबर्ग ने इसकी पुष्टि की। इस जहाज पर कंटेनर लोड थे। राहत और बचाव कंपनी बीओए ऑफशोर के प्रबंध निदेशक ओले टी. ब्योर्नविक ने कहा कि इसे 30 मिनट में पानी पर पहुंचा दिया गया। अभियोजक केजेटिल ब्रुलैंड सोरेंसन ने आरोपित यूक्रेनी नाविक से पूछताछ की है। नाविक ने कहा है कि

मालवाहक जहाज के किसी भी अलार्म ने काम नहीं किया। इस वजह से ऐसा हुआ। नॉर्वे पुलिस का कहना है कि जांच इस बात की भी की जा रही है कि नाविक ने जहाज पर काम के घंटों और आराम की अवधि के नियमों का पालन किया या नहीं। मकान मालिक जोहान हेलबर्ग ने कहा कि वह सो रहे थे। अचानक घबराए हुए पड़ोसी ने उनके दरवाजे की घंटी बजाई और उन्हें फोन किया। हेलबर्ग ने टेलीविजन चैनल टीवी 2 को बताया कि दरवाजे की घंटी उस समय बजी जब वह दरवाजा खोलना पसंद नहीं करते। जहाज ने उनके घर के केबिन में हीटिंग पाइप को नुकसान पहुंचाया है। वह जानी नुकसान न होने पर खुद को भाग्यशाली मानते हैं। उन्होंने कहा कि अगर जहाज उनके घर के ठीक बगल में चट्टान से टकराता, तो कुछ भी हो सकता था। नॉर्वे पुलिस का कहना है कि चालक दल के सभी 16 सदस्य सुरक्षित हैं।

इस जहाज के मालिक और शिपिंग कंपनी के सीईओ बेंटे हेटलैंड ने कहा कि यह जहाज पहले भी दो बार फंस चुका है। पहली बार 2023 में हैडसेल और दूसरी बार 2024 में एलेसंड में ऐसा हो चुका है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, यह वाकया नॉर्वे के ट्रॉनहेम शहर के बायनेसेट में हुआ। मकान मालिक हेलबर्ग सेवानिवृत्त संग्रहालय निदेशक हैं। उन्होंने कहा कि बड़े जहाज कभी-कभी हमारे घर के पास से गुजरते हैं।

भारतीय सेना की 22 सदस्यीय टोली माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने में सफल

एजेंसी

काठमांडू। भारतीय सेना की 22 सदस्यीय टीम ने आज दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट (8,848 मीटर) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की है। इस अभियान का नेतृत्व

लेफ्टिनेंट कर्नल भानू पाठक ने किया था। भारत के रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और भारतीय सेना के जन सूचना महानिदेशालय (एडीजीपीआई) सहित भारतीय अधिकारियों ने माउंट एवरेस्ट चोटी पर सफलतापूर्वक चढ़ाई के लिए बधाई दी है। सेना की तरफ से बयान जारी कर इसकी जानकारी देते हुए पर्वतारोहण मिशन को उच्च ऊंचाई वाले प्रशिक्षण और साहसिक गतिविधियों में शामिल होने के भारतीय सेना के व्यापक प्रयासों का हिस्सा बताया गया है। बयान में सेना की इस उपलब्धि को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर सैन्य नेतृत्व वाले अभियानों के रिकॉर्ड को बढ़ाने की बात कही गई है। भारतीय सेना के माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई के दौरान नेपाली अधिकारियों ने मानक पर्वतारोहण प्रोटोकॉल के अनुसार टीम के साथ समन्वय किया था।

श्रीलंका के पूर्व मंत्री सिल्वा के खिलाफ हाई कोर्ट में अभियोग दायर, पुराने केस में नहीं मिली जमानत

एजेंसी

कोलंबो। भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किए गए पूर्वमंत्री मर्विन सिल्वा पर आज शिकंजा और कस गया। भ्रष्टाचार जांच आयोग ने पूर्व मंत्री सिल्वा के खिलाफ हाई कोर्ट में अभियोग दायर किया है। उन पर भ्रष्टाचार विरोधी नियमों का उल्लंघन करते हुए वैध आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। श्रीलंका के उपाली मीडिया समूह के सिंहली भाषा के समाचार पत्र 'दिवैना' की खबर के अनुसार किरीबाथगोडा शहर में निर्माण के लिए अधिग्रहित सरकारी भूमि के जाली दस्तावेज तैयार करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए छह संदिग्धों में पूर्व राज्य मंत्री प्रसन्ना राणावीरा और पूर्व संसदीय मामलों के मंत्री मर्विन सिल्वा शामिल हैं। महारा न्यायालय की प्रथम मजिस्ट्रेट कंचना डी सिल्वा ने इस जालसाजी में गिरफ्तार सरथ कुमारा एदिरिसिंघे उर्फ ??सिंगापुर सरथ की जमानत याचिका खारिज करते हुए छह संदिग्धों को 9 जून तक न्यायिक हिरासत में रखने का आदेश

दिया। पूर्व मंत्री मर्विन सिल्वा के वकील मैत्री गुणरत्ने ने कल दाखिल जमानत अर्जी पर सेहत का हवाला दिया था। मजिस्ट्रेट ने कहा था कि 9 जून को आदेश सुनाया जाएगा। आपराधिक जांच विभाग के वित्तीय अपराध जांच प्रभाग की पुलिस सार्जेंट प्रियंता डेंजिल ने अदालत को सूचित किया कि वांछित छठे संदिग्ध केलानिया प्रदेशीय सभा के पूर्व सदस्य मिलरॉय परेरा को आत्मसमर्पण करने के बाद हिरासत में लिया गया है।

यूक्रेन और रूस ने पूरी रात एक-दूसरे के क्षेत्रों में दागे ड्रोन

एजेंसी

कीव/मॉस्को। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष विराम की बनती-बिगड़ती स्थिति के बीच दोनों देशों के निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं।साथ ही सार्वजनिक और निजी चल-अचल संपत्ति को नुकसान हो रहा है। यूक्रेन ने दावा किया उसने रात को रूस के 43 ड्रोन मार गिराए। इसी के समानांतर रूस ने कहा कि उसने यूक्रेन के 99 ड्रोन को नष्ट कर दिया। कीव इंडिपेंडेंट अखबार के अनुसार यूक्रेन के क्षेत्रीय अधिकारियों ने बताया कि पिछले दिन यूक्रेन के खिलाफ रूसी हमलों में कम से कम दो नागरिक मारे गए और कम से कम 19 अन्य घायल हो गए। यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार रूसी सेना ने कुर्स्क, ओरेल, मिलरोवो, प्रिमोर्स्क-अख्तरस्क और क्रीमिया से रात भर में 60 ड्रोन दागे। यूक्रेन की वायुरक्षा प्रणाली ने इनमें से 43 ड्रोन को मार गिराया। अन्य आठ ड्रोन बिना किसी नुकसान के रडार से गायब हो गए। डोनेट्स्क ओब्लास्ट के रोजकिशने गांव में एक पुरुष सुमी ओब्लास्ट में एक महिला की मौत हो गई। गवर्नर ओलेक्सांद्र प्रोकुडिन ने बताया कि

हमलों में दो बच्चों सहित आठ लोग घायल भी हुए हैं। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास के अनुसार रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि 26 मई को मास्को समयानुसार रात 8ः00 बजे से 27 मई को सुबह 7ः00 बजे तक यूक्रेन के 99 मानव रहित ड्रोन को नष्ट कर दिया गया। मध्य रूस के व्लादिमीर क्षेत्र के गवर्नर अलेक्जेंडर अवदेयेव ने टेलीग्राम पोस्ट में बताया कि ड्रोन हमले में मुरोम के एक औद्योगिक क्षेत्र में तीन इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। इस दौरान इवानोवो युजनी हवाई अड्डे, कलुगा ग्रैबत्सेवो हवाई अड्डे, निजनी नोवगोरोड स्ट्रिगिनो हवाई अड्डे, तांबोव डोंस्कॉय हवाई अड्डे, यारोस्लाव टुनोशना हवाई अड्डे और सारातोव गगारिन हवाई अड्डे पर उड़ानों के आगमन और प्रस्थान पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे विपक्षी दलों ने संसद अवरुद्ध किया

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रहे इमिग्रेशन विभाग द्वारा बड़े पैमाने पर मानव तस्करी का धंधा चलाए जाने के खुलासे के बाद से ही गृह मंत्री रमेश लेखक पर इस्तीफे का दबाव बढ़ गया है। विपक्षी दलों ने गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए संसद की कार्रवाई नहीं चलने दी। नेपाल के गृह मंत्रालय के अधीन रहे इमिग्रेशन विभाग के कर्मचारियों और गृह मंत्री के निजी सचिवालय के सदस्यों के बीच मानव तस्करी के लिए सांठगांठ होने की जानकारी सामने आते ही विपक्षी दलों ने गृह मंत्री रमेश लेखक के इस्तीफे की मांग पर अड़े हुए हैं। विपक्षी दलों का कहना है कि जब तक गृह मंत्री का इस्तीफा नहीं आ जाता तब तक संसद की कार्रवाई नहीं चलने दी जाएगी। आज संसद की कार्रवाई शुरू होते ही माओवादी सहित सभी विपक्षी दलों ने गृह मंत्री के इस्तीफा

देने और मानव तस्करी से जुड़े मामले में न्यायिक जांच समिति का गठन नहीं होने तक संसद नहीं चलने दी जाएगी। माओवादी के उप-महासचिव वर्षमान पुन ने कहा कि मानव तस्करी का मामला सीधे-सीधे गृह मंत्री रमेश लेखक से जुड़ा है, इसलिए उनका इस्तीफा नहीं देने तक संसद नहीं चलने दिया जाएगा। माओवादी की तरह राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सांसद शिशिर खनाल ने कहा कि सरकार द्वारा गृह मंत्री की तरफ से सफाई देने की पेशकश को ठुकरा दिया गया है। खनाल का कहना है कि आरोपित मंत्री को सफाई नहीं, इस्तीफा देना चाहिए। उनका कहना है कि रमेश लेखक जब विपक्ष में थे तो उन्होंने इसी संसद में तत्कालीन गृह मंत्री रवि लामिछाने से एक मुद्दे में सिर्फ आरोप लगने पर इस्तीफे की मांग की थी, इसलिए नैतिकता के आधार पर आज लेखक को भी अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग का माओवादी और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के साथ ही राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, एकीकृत समाजवादी पार्टी सहित कई अन्य दलों ने समर्थन किया है। सिर्फ विपक्षी दल ही नहीं बल्कि गृह मंत्री के अपनी पार्टी नेपाली कांग्रेस के भी कई नेताओं ने उन्हें इस्तीफा देने की सलाह दी है।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू पहुंचे तेल अवीव कोर्ट, भ्रष्टाचार के मुकदमे में दी सफाई

एजेंसी

तेल अवीव। फिलिस्तीनी आतंकी समूह हमास के साथ गाजा में छिड़ी जंग में उलझे इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को भ्रष्टाचार के मुकदमे का सामना करना पड़ रहा है। इस माह आज वह दूसरी बार तेल अवीव जिला न्यायालय पहुंचे और सफाई दी। यह मुकदमा अमेरिकी व्यवसायी शेल्डन एडेलसन और नेतान्याहू के बीच हुई समझौता वार्ता से जुड़ा है। इससे पहले उन्होंने 12 मई को अदालत के समक्ष अपना पक्ष रखा था। द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार की खबर के अनुसार नेतन्याहू ने कहा कि वह

चाहते थे कि शेल्डन एडेलसन इजराइल के मीडिया परिदृश्य में विविधता लाने के लिए निवेश करें। उन्होंने कहा, मुझे सामान्य रूप से याद है कि मैंने इजरायल में मीडिया के विविधीकरण को गति देने के लिए जो कर सकता था, प्रयास किया। आरोप है कि एडेलसन ने इजराइल में एक समाचार वेबसाइट में निवेश किया। एक समय तो इस वेबसाइट को नेतन्याहू का आधिकारिक समाचार मंच माना गया। नेतन्याहू ने कहा कि उनका मानना था कि अखबार अब अतीत की बात हो चुके हैं। नेतन्याहू से आज अदालत में येदिओथ अहरोनोथ समाचार पत्र के प्रकाशक अर्नोन मोजेस के वकील ने जिरह की। न्यायाधीशों ने सुनवाई को जल्द समाप्त करने के नेतन्याहू के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया।

बांग्लादेश में सरकारी सेवा अध्यादेश का विरोध, ढाका में सचिवालय की सुरक्षा बढ़ाई गई

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के हालिया सरकारी सेवा (संशोधन) अध्यादेश-2025 का विरोध तेज हो गया है। सरकारी कर्मचारी गुस्से में हैं। उन्होंने अध्यादेश वापस न लेने पर देशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी है। सरकार ने राजधानी ढाका स्थित सचिवालय पर प्रवेश पर पाबंदी लगा दी है। साथ ही सचिवालय की सुरक्षा बढ़ाते हुए उसे छावनी में बदल दिया गया है। बांग्ला ट्रिब्यून के अनुसार, सरकारी कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन शुरू होने से पहले सचिवालय की सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। हालांकि, सुरक्षा की जिम्मेदारी आमतौर पर पुलिस और एपीबीएन के जवानों की होती है, लेकिन बीजीबी और एसडब्ल्यूएटी के सदस्यों को भी तैनात किया गया है। सरकारी सेवा (संशोधन) अध्यादेश-2025 को वापस लेने की मांग को लेकर

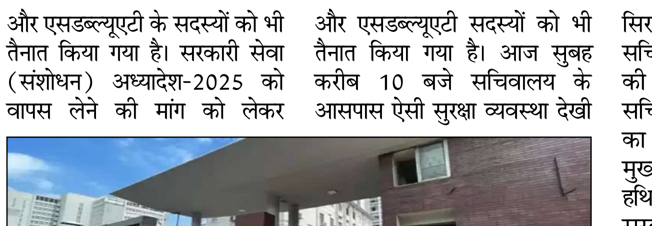

कर्मचारियों के विरोध प्रदर्शन को लेकर सचिवालय में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। यद्यपि सचिवालय की सुरक्षा सामान्यतः पुलिस और एपीबीएन के जवान ही जिम्मेदार होते हैं, लेकिन बीजीबी और एसडब्ल्यूएटी सदस्यों को भी तैनात किया गया है। आज सुबह करीब 10 बजे सचिवालय के आसपास ऐसी सुरक्षा व्यवस्था देखी गई। सचिवालय में सुबह 8 बजे से ही पुलिस, एपीबीएनएन, बीजीबी और स्वाट के जवानों का पहरा है। सुबह करीब 10:20 बजे आरएबी के जवान भी पहुंच गए। आरएबी के उप सहायक निदेशक मोहम्मद सिराजुल इस्लाम ने कहा कि सचिवालय की सुरक्षा में आरएबी की दो टीमों को लगाया गया है। सचिवालय के सभी द्वारों पर सुरक्षा का सख्त इंतजाम किया गया है। मुख्य द्वार के सामने स्वाट का हथियारबंद वाहन खड़ा किया गया। सरकारी सेवा (संशोधन) अध्यादेश-2025 को वापस लेने और अन्य मांगों को लेकर भेदभाव विरोधी कर्मचारी एकता मंच ने आज लगातार दूसरे दिन विरोध प्रदर्शन किया है। इस बीच ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) ने बैठकों और सभाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। सोमवार को गृह मंत्रालय ने घोषणा की कि सचिवालय में सभी प्रकार के आगंतुकों के प्रवेश पर रोक रहेगी।

भारत में नक्सली समस्या का समाधान दमन से नहीं, बल्कि वार्ता के माध्यम से हो : माओवादी पार्टी

एजेंसी

काठमांडू। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में भारतीय सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए नक्सली केशव राव उर्फ बसवराज की मौत को दुखद घटना बताया है। माओवादी पार्टी के अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' की अध्यक्षता में हुई बैठक में बसवराज की मौत पर एक मिनट का मौन रखा गया। माओवादी के उपाध्यक्ष तथा प्रवक्ता अग्नि सापकोटा की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि बसवराज सहित अन्य नक्सली नेताओं का मारे जाने की घटना बहुत ही संवेदनशील है और इसका दीर्घकालिक असर पड़ने वाला है। बयान में कहा गया है कि नक्सली समस्या का समाधान दमन से नहीं, बल्कि वार्ता के माध्यम से किया जाना चाहिए। इस बयान में यह भी कहा गया है कि नए विकल्प की तलाश कर राजनीतिक तरीके से इसका समाधान किया जाना चाहिए। हाल ही में, 21 मई 2025 को छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में हुए एक बड़े एनकाउंटर में नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) के महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराज को मार गिराया गया था, जिस पर कुल मिलाकर 10 करोड़ रुपये का इनाम था।

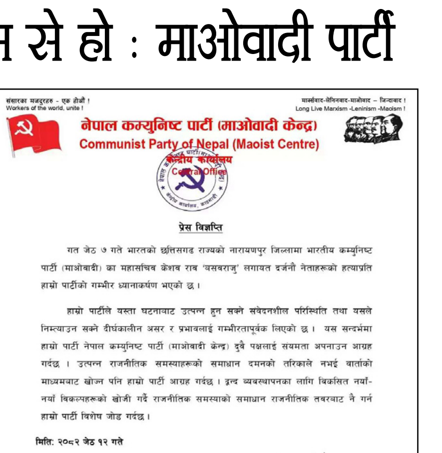

संसारका मजदुरहरु - एक होऔं !
Workers of the world, unite !

मार्क्सवाद-लेनिनवाद-माओवाद – जिन्दावाद !
Long Live Marxism -Leninism -Maoism !

नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी (माओवादी केन्द्र)
Communist Party of Nepal (Maoist Centre)

केन्द्रीय कार्यालय
Central Office

प्रेस विज्ञप्ति

गत जेठ ७ गते भारतको छत्तिसगढ राज्यको नारायणपुर जिल्लामा भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी (माओवादी) का महासचिव केशव राव 'बसवराजु' लगायत दर्जनौ नेताहरूको हत्याप्रति हाम्रो पार्टीको गम्भीर ध्यानाकर्षण भएको छ ।

हाम्रो पार्टीले यस्ता घटनावाट उत्पन्न हुन सक्ने संवेदनशील परिस्थिति तथा यसले निम्त्याउन सक्ने दीर्घकालीन असर र प्रभावलाई गम्भीरतापूर्वक लिएको छ । यस सन्दर्भमा हाम्रो पार्टी नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी (माओवादी केन्द्र) दुवै पक्षलाई संयमता अपनाउन आग्रह गर्दछ । उत्पन्न राजनीतिक समस्याहरूको समाधान दमनको तरिकाले नभई वार्ताको माध्यमबाट खोज्न पनि हाम्रो पार्टी आग्रह गर्दछ । द्वन्द्व व्यवस्थापनका लागि विकसित नयाँ-नयाँ विकल्पहरूको खोजी गर्दै राजनीतिक समस्याको समाधान राजनीतिक तवरबाट नै गर्न हाम्रो पार्टी विशेष जोड गर्दछ ।

मिति: २०८२ जेठ १२ गते

(अग्नि प्रसाद सापकोटा)
उपाध्यक्ष/प्रवक्ता
ने.क.पा. (माओवादी केन्द्र)

द कोरिया में कथित विद्रोह के कारण पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व उप प्रधानमंत्री के देश छोड़ने पर प्रतिबंध

सोल। दक्षिण कोरिया की पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री हान डक-सू और पूर्व उप प्रधानमंत्री चोई सांग-मोक को कथित विद्रोह के आरोपों में प्रतिबंधित कर दिया है।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

दुनिया के हर बड़े आतंकी हमले के पीछे पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका में भारत ने किया बेनकाब

एजेंसी

जोहानिसबर्ग। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहे पाकिस्तान के कुटिल चेहरे से आतंकवाद की किरचें धीरे-धीरे उधड़नी लगी हैं। भारतीय संसदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य दुनिया के प्रमुख देशों को आतंकवाद की फैक्टरी चला रहे पाकिस्तान के झूठ और फरेब के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित करने के कारणों से अवगत करा रहे हैं। भारतीय प्रतिनिधिमंडल को चारों तरफ से आतंकवाद के खिलाफ शुरू की गई इस लड़ाई में अटूट समर्थन मिल रहा है। दक्षिण अफ्रीका की राजधानी जोहानिसबर्ग में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि जो पहलगाम में हुआ वो दुखद था। जब पाकिस्तान ने इसपर 15 दिन तक कोई कार्रवाई नहीं की तब भारतीय सेना ने पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया। भारत ने लगातार शांति और दोस्ती का संदेश देने का प्रयास किया है। भारत ने एक ही बात कही है कि हम किसी को छेड़ते नहीं और अगर हमें कोई छेड़ता है तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने कहा कि हम भारत के लोगों की पीड़ा और आक्रोश बताने के लिए दक्षिण अफ्रीका आए हैं। आज के विश्व में आतंकवाद का कोई स्थान नहीं है। यह (पहलगाम आंतकी हमला) पहली बार नहीं हुआ है। लंबे समय से भारत पर हमले हुए हैं। दुनिया ने देखा है कि जब भी कहीं पर बड़े आतंकी हमले हुए हैं, तो

पाकिस्तान का नाम सामने आया है। सुप्रिया सुले ने कहा कि सभी को एक स्वर में दुनिया को आतंकवाद की निंदा करनी चाहिए। भारत अब किसी भी भारतीय के खिलाफ किसी भी तरह की आतंकी हिंसा को बर्दाश्त नहीं करेगा । भारत ने कभी भी युद्ध की पहल नहीं की। पनामा सिटी में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने नरेन्द्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ऑपरेशन सिंदूर आवश्यक था क्योंकि आतंकवादी आए और उन्होंने 26 महिलाओं को उनके पति और उनके विवाहित जीवन से वंचित करके उनके माथे से सिंदूर मिटा दिया। उन्होंने पनामा विधानसभा अध्यक्ष डाना कास्टानेडा के साथ बैठक में कहा कि हम सभी अलग-अलग राजनीतिक पृष्ठभूमि और भारत के अलग-अलग हिस्सों से आते हैं लेकिन हम राष्ट्रीय उद्देश्य में एकजुट हैं। जब पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद कोई कार्रवाई नहीं की तब ऑपरेशन सिंदूर को अजाम दिया गया। भारत ने पाकिस्तान के अंदर आतंकवादी ठिकानों के ज्ञात मुख्यालयों पर हमला किया। हमें युद्ध शुरू करने में कोई दिलचस्पी नहीं थी लेकिन हमें लगा कि आतंकवादी कृत्य को दंडित किए बिना नहीं छोड़ा जाना चाहिए। इस अवसर पर भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि पाकिस्तान के पास खोने के लिए कुछ नहीं है लेकिन भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। प्रधानमंत्री मोदी का दुनिया को संदेश है कि अगर आप हमला करेंगे तो हम चुप नहीं रहेंगे। शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा ने कहा कि भारत शांति प्रिय देश है। मगर अधर्म के खिलाफ लड़ाई लड़ना केवल उचित नहीं, बल्कि अनिवार्य है। भाजपा सांसद शशांक मणि ने कहा कि नया भारत समझ गया है कि आतंकवाद का एक ही मुकाबला है कि आतंकवादियों के ठिकानों का पता लगाया जाए और उन्हें ध्वस्त किया जाए और यही ऑपरेशन सिंदूर ने किया।

सीईईडब्ल्यू ने लॉन्च की इंडियाज हीटवेव हीरोज सीरीज, बताएगी भीषण गर्मी से निपटने के स्थानीय समाधान

नई दिल्ली। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) ने इंडियाज हीटवेव हीरोजः लोकल सॉल्यूशंस इन ए हॉटर वर्ल्ड नामक वीडियो सीरीज लॉन्च की। पांच भागों में बनी यह यूट्यूब सीरीज देश के विभिन्न हिस्सों में गर्मी से निपटने के स्थानीय प्रयासों और नवाचारों को उजागर करती है। इस सीरीज को लोकप्रिय राष्ट्रीय और क्षेत्रीय डिजिटल इन्फ्लुएंसर्स ने होस्ट किया है, जिनमें अभिनेता आशीष विद्यार्थी, अशरफ एक्सेल, अलीवा मिश्रा (लुईस गुड लाइफ), शक्ति सिंह (ट्रैवलिंग मंडेला) और श्वेता राठौर (विट्रीस्पेस) शामिल हैं। गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, ओडिशा और केरल जैसे राज्यों में यह सीरीज ऐसे ग्रासरूट चैंपियंस और स्थानीय संस्थाओं को रेखांकित करती है जो गर्मी से निपटने की सामर्थ्य और कूलिंग इनोवेशन को बढ़ावा दे रहे हैं। यह सीरीज ऐसे समय में आई है जब भारत जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ती मौसमी अनिश्चितताओं का सामना कर रहा है–देश के भीतरी हिस्से भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं, उत्तर भारत में मई में रिकॉर्ड वर्षा हुई है और दक्षिण व पूर्वोत्तर में समय से पहले मानसून ने दस्तक दी है। सीईईडब्ल्यू के एक हालिया अध्ययन में सामने आया है कि भारत के 57 प्रतिशत जिले अत्यधिक हीट रिस्क का सामना कर रहे हैं।

इंटरनेशनल फिल्म सिटी की राह हुई आसान, बोनी कपूर ने जमा किया लेआउट प्लान

ग्रेटर नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट 'इंटरनेशनल फिल्म सिटी' के निर्माण की राह अब आसान हो गई है। निर्माता बोनी कपूर की कंपनी बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी ने फिल्म सिटी का लेआउट प्लान यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) को सौंप दिया। अब यीडा इस प्लान की समीक्षा करेगा और जरूरी अनुमोदन के बाद निर्माण कार्य को औपचारिक रूप से शुरू कर दिया जाएगा। यह फिल्म सिटी यमुना एक्सप्रेसवे के सेक्टर-21 में 1000 एकड़ में विकसित की जा रही है। पहले चरण में 230 एकड़ भूमि पर काम शुरू होगा, जिसकी अनुमानित लागत 1510 करोड़ रुपये है। यमुना प्राधिकरण (यीडा) के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि फिल्म निर्माता और फिल्म सिटी के निर्माण की जिम्मेदारी हासिल करने वाले बोनी कपूर ने अपनी कंपनी की ओर से लेआउट प्लान को सबमिट किया है। अब प्राधिकरण इसका अवलोकन और परीक्षण करेगा, जिसके बाद उन्हें कार्य शुरू करने के लिए आवश्यक अनुमोदन प्रदान किया जाएगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अरुणवीर सिंह ने स्पष्ट किया है कि निर्माण कार्य पूरी तरह समझौते के अनुसार ही होगा।

राहुल के 'नॉट फाउंड सूटेबल' पर शिक्षा मंत्री ने गिनाए आंकड़े, कहा मोदी सरकार ने दूर की पिछड़ों की बाधायें

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर 'झूठ और फरेब' की राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को अपना अधिकार मिल रहा है। वहीं कांग्रेस काल में उन्हें इससे वंचित रखा गया था। धर्मेन्द्र प्रधान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक आरोप का जवाब दे रहे थे। इसमें राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि योग्य उम्मीदवार न मिलने का बहाना कर सरकार जानबूझकर एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवारों को शिक्षा और नेतृत्व से दूर रख रही है। इसके जवाब में आंकड़ों के साथ शिक्षा मंत्री ने कहा, कांग्रेस पार्टी को पीलिया हुआ है इसीलिए उनको सबकुछ पीले रंग का ही दिखाई पड़ता है। या यूं कहें कि हर अच्छे में भी उन्हें बुरा ही दिखाई पड़ता है। शिक्षा मंत्री ने राहुल गांधी के इन आरोपों का एक्स पर जवाब दिया। प्रधान ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि 'नॉट फाउंड सूटेबल' (योग्य उम्मीदवार नहीं मिला) जैसी व्यवस्था कांग्रेस की दलित-विरोधी नीति की देन थी। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने 2019 में ऐतिहासिक कानून लाकर इस अन्याय का अंत किया। उन्होंने कहा कि देश का युवा अब कांग्रेस की इस राजनीति की सच्चाई समझ चुका है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्वातंर्त्यवीर सावरकर प्रतिष्ठान को पुरस्कृत किया

मुंबई। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र सरकार की ओर से स्वातंर्त्यवीर सावरकर प्रतिष्ठान को छत्रपति संभाजी महाराज के नाम पर 'राज्य प्रेरणा गीत पुरस्कार' देकर सम्मानित किया। मुंबई में हो रही बारिश की वजह से आज यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री के शासकीय आवास वर्षा बंगले पर आयोजित किया गया। छत्रपति संभाजी महाराज राज्य प्रेरणादायक गीत पुरस्कार इस वर्ष से दिए जाने की घोषणा की गई थी। कार्यक्रम में स्वातंर्त्यवीर विनायक दामोदर सावरकर द्वारा लिखित गीत अनाड़ी मी.. अनंत मी... के लिए 2025 का छत्रपति संभाजी महाराज राज्य प्रेरणादायक गीत पुरस्कार के रुप में अमित शाह ने दो लाख रुपये का धनादेश स्वातंर्त्यवीर सावरकर प्रतिष्ठान के पदाधिकारियों को सौंपी। महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज का जीवन जीने और मरने दोनों के लिए प्रेरणा देता है।

मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए नेहरू की आलोचना में सक्रिय मास्टर डिस्टोरियन

नई दिल्ली, 28 मई। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि मास्टर डिस्टोरियन (तथ्यों को तोड़ने मरोड़ने के महारथी) करार दिया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा– आज पंडित नेहरू की पुण्यतिथि है, और आज के दिन भी देश का स्वयंभू सर्वोच्च नेता और इतिहास को तोड़ने–मरोड़ने वाला मास्टर डिस्टोरियन नेहरू–विरोध में सक्रिय है। यह बेहद दुखद और निंदनीय प्रयास है–उन गंभीर सवालों से ध्यान भटकाने का, जिनका जवाब उन्हें देना चाहिए। आज पंडित नेहरू की पुण्यतिथि है, और आज के दिन भी देश का स्वयंभू सर्वोच्च नेता और इतिहास को तोड़ने–मरोड़ने वाला मास्टर डिस्टोरियन नेहरू–विरोध में सक्रिय है। यह बेहद दुखद और निंदनीय प्रयास है–उन गंभीर सवालों से ध्यान भटकाने का, जिनका जवाब उन्हें देना चाहिए। इस दौरान जयराम रमेश ने पूछा कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उन बयानों पर चुप क्यों हैं, जो उन्होंने पिछले 11 दिनों में 8 बार भारत–पाकिस्तान के बीच सीजफायर को लेकर दिए हैं। उनका कहना है कि इन बयानों की वजह से भारत की सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर को रोका गया, लेकिन पीएम मोदी इस पर कुछ नहीं बोल रहे। रमेश ने हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले को लेकर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि इस हमले में शामिल आतंकी पहले भी पूंछ (दिसंबर 2023), गगनगीर (अक्तूबर 2024) और गुलमर्ग (अक्तूबर 2024) में हमले कर चुके हैं। फिर भी वे अब तक खुले घूम रहे हैं। कांग्रेस नेता ने मोदी सरकार पर चीन और पाकिस्तान के बढ़ते सैन्य संबंधों को नजरअंदाज करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने याद दिलाया कि 2020 में प्रधानमंत्री ने चीन को क्लीन चिट दी थी, और अब उसी चीन से भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रधानमंत्री उस चीन पर चुप क्यों हैं, जिसके साथ पाकिस्तान की सैन्य साझेदारी अब खुलकर सामने आ चुकी है? प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के गांधीनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए परोक्ष रूप से नेहरू की नीतियों की आलोचना की।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर बोले उपराष्ट्रपति, शांति तब सुनिश्चित होती है जब आप युद्ध के लिए सदा तैयार हों

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम चरण 7 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हमें स्वदेशी शक्ति की आवश्यकता है। युद्ध से सबसे अच्छा बचाव तब होता है जब हम शक्ति की स्थिति में हों। शांति तब सुनिश्चित होती है जब आप युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहें। शक्ति केवल तकनीकी क्षमता या पारंपरिक हथियारों से नहीं आती, बल्कि यह जनता से भी आती है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, 'संतुलन बनाए रखना जरूरी है। हम केवल अपने मौलिक अधिकारों की बात करते हैं, उन्हें 24×7 मांगते हैं, और मौलिक कर्तव्यों के प्रति पूरी तरह उदासीन रहते हैं। अगर हम केवल अपने अधिकारों पर ध्यान दें और कर्तव्यों की अनदेखी करें, तो हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में एक नागरिक के रूप में अपने दायित्व को पूरा नहीं करते। संविधान में शुरू में ये कर्तव्य नहीं थे। हमारे संविधान निर्माताओं ने अपेक्षा की थी कि हम इन कर्तव्यों के प्रति स्वाभाविक रूप से समर्पित रहेंगे। लेकिन बाद में जब इसकी आवश्यकता महसूस हुई, तो इन्हें 42वें और 86वें संविधान संशोधन के माध्यम से शामिल किया गया। यदि मैं मौलिक कर्तव्यों का सार बताऊं, तो यह है कि राष्ट्रीय कल्याण को प्राथमिकता देना, लोक व्यवहार, अनुशासन, सार्वजनिक संवाद, पर्यावरण और जीवन में भलाई की सभी बातों में अपना योगदान देना।' उन्होंने कहा, 'लोग सोचते हैं कि हम योगदान कैसे करें? स्वदेशी का विचार आर्थिक राष्ट्रवाद से जुड़ा हुआ है। आर्थिक राष्ट्रवाद का मतलब है कि हम स्वदेशी वस्तुओं का उपभोग करें। 'वोकल फॉर लोकल' को अपनाएं। यह हमारे कारीगरों को प्रेरित करेगा कि वे हमारी आवश्यकताओं को पूरा करें। लेकिन अगर हम उन वस्तुओं का आयात करते हैं जिन्हें देश में बनाया जा सकता है, तो तीन समस्याएं उत्पन्न होती हैं- एक, विदेशी मुद्रा भंडार पर अनावश्यक दबाव; दूसरा, अपने देश के लोगों से रोजगार छीनना; और तीसरा, उद्यमशीलता को कुंद करना। हर व्यक्ति योगदान दे सकता है - वह क्या पहनता है, क्या खाता है, कौन से जूते पहनता है।

राष्ट्रपति ने 68 हस्तियों को प्रदान किए पद्म पुरस्कार

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने दूसरे चरण में राष्ट्रपति भवन में 68 विभूतियों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया। देश के शीर्ष नेतृत्व की उपस्थिति में आज चार को पद्म विभूषण, 8 को पद्म भूषण और 56 को पद्मश्री प्रदान किए गए।जस्टिस (सेवानिवृत्त) जगदीश सिंह खेहर, कुमुदिनी लाखिया (मरणोपरांत), डॉ. शारदा सिन्हा (मरणोपरांत), डॉ. शोभना चंद्रकुमार को देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। वहीं, नल्ली कुप्पुस्वामी चेट्टी, डॉ. बिबेक देबरॉय (मरणोपरांत), कैलाश नाथ दीक्षित, जतिन गोस्वामी, डॉ. मनोहर जोशी (मरणोपरांत), अनंत नाग, साध्वी ऋतंभरा, वेलु आसन को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। इसके अलावा 56 हस्तियों को पद्मश्री प्रदान किए गए।

दिल्ली और महाराष्ट्र को पीछे छोड़ ई-व्हीकल में यूपी बना नंबर वन

लखनऊ, 28 मई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व में, उत्तर प्रदेश देश में इलेक्ट्रिक वाहन क्रांति का नेतृत्व कर रहा है। प्रदेश ने 4.14 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ दिल्ली (1.83 लाख) और महाराष्ट्र (1.79 लाख) जैसे राज्यों को पीछे छोड़ते हुए देश में सबसे अधिक ईवी की संख्या दर्ज की है। बता दें कि पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर वैश्विक चर्चा के बीच इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) आज के पर्यावरणीय चुनौतियों का एक आशाजनक समाधान बनकर उभरकर सामने आया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में उत्तर प्रदेश सरकार ने 2022 में नई इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण एवं गतिशीलता नीति लेकर आई, जिसका उद्देश्य ईवी को तेजी से अपनाने को बढ़ावा देना, चार्जिंग बुनियादी ढांचे का मजबूत नेटवर्क स्थापित करना और राज्य को ईवी और बैटरी विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाना है। इस नीति के तहत, राज्य सरकार 30 हजार करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने और 10 लाख नौकरियां सृजित करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। उत्तर प्रदेश की पर्यटन नगरियों, अयोध्या, काशी, मथुरा, प्रयागराज सहित गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, कानपुर और लखनऊ में ई-रिक्शा (तीन-पहिया वाहन) की व्यापक लोकप्रियता ने ईवी बिक्री में 85 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की है, जो विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में यात्री और माल ढुलाई के लिए उपयोगी साबित हुए हैं। इसके अलावा भारत सरकार की स्वस्थ्य वन और टू (फास्टर एडॉप्टेशन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ हाईब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल इन इंडिया) योजनाओं का सबसे बड़ा लाभार्थी बनकर उत्तर प्रदेश ने ई-मोबिलिटी को और बढ़ावा दिया है। वहीं चार्जिंग जैसे बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान देते हुए योगी सरकार ने इस क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। हाल ही में योगी सरकार ने प्रदेश के 16 नगर निकायों में तीन सौ से अधिक नये चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने का निर्णय लिया है। इनमें सर्वाधिक चार्जिंग स्टेशन अयोध्या में स्थापित होने हैं, जहां पर्यटकों की संख्या में निरंतर इजाफा देखा जा रहा है। देश में वर्तमान में 33,000 ईवी चार्जर हैं, जिनमें से 35 प्रतिशत फास्ट चार्जर हैं। लेकिन, इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिक फास्ट चार्जिंग स्टेशनों के निर्माण और मौजूदा स्टेशनों को बेहतर बनाने पर जोर दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि 2030 तक भारत में 102 मिलियन ईवी होंगे। अल्वारेज़ एंड मार्सल के एक अध्ययन के अनुसार, वैश्विक स्तर पर आदर्श अनुपात 6 से 20 ईवी प्रति पब्लिक चार्जर है, जबकि भारत में यह अभी 135 है। हालांकि भारत में दोपहिया और तिपहिया वाहन, जो ज्यादातर घर पर चार्ज होते हैं, पब्लिक चार्जिंग स्टेशनों की मांग को कुछ कम करते हैं। फिर भी उत्तर प्रदेश सरकार इस कमी को पूरा करने के लिए तेजी से काम कर रही है। सरकार की रणनीति में तीन मुख्य बिंदु हैं। जिनमें, ईवी निर्माण, चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार और लोगों में ईवी के प्रति रुचि बढ़ाना शामिल हैं। आने वाले वक्त में ये कदम उत्तर प्रदेश को ईवी क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में और महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे।

भारत सरकार

भारत सरकार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
5 वी मंजिल, पं. दीनदयाल अंत्योदय भवन, सीजीओ काम्पलेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003

वर्ष 2025 के लिए दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन आमंत्रित करना

वर्ष 2025 के लिए दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए आवेदन/नामांकन जमा करने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल 15 मई 2025 से 15 जुलाई 2025 तक खुला है। इसका विवरण निम्नानुसार है।

(i) आवेदन/नामांकन राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल www.awards.gov.in पर किये जायेगे।

(ii) वर्ष 2025 के राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए 15 जुलाई 2025 तक प्राप्त आवेदनों/नामांकनों पर ही विचार किया जाएगा।

(iii) वर्ष 2025 के लिए आवेदन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (www.awards.gov.in) पर ऑनलाइन जमा किया जाना है। नामांकन मे उपरोक्त पोर्टल पर उपलब्ध प्रारूप में निर्दिष्ट सभी प्रासंगिक विवरण शामिल होने चाहिए, जिसमें उलेखनीय और प्रेरक उपलब्धियों को स्पष्ट रूप से शामिल किया जाना चाहिए तथा उपलब्धियों से सम्बंधित सहायक दस्तावेज भी अपलोड करना चाहिए।

(iv) **भौतिक रूप से या किसी अन्य रूप से प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।**

(v) पात्रता मानदंड और अन्य विवरणों के लिए विभाग की वेबसाईट (www.depwd.gov.in) तथा राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (www.awards.gov.in) पर उपलब्ध दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के लिए दिशा-निर्देश देखे जा सकते है।

cbc 38117/11/0001/2526

PUBLIC NOTICE

This is to inform public at large that my client Smt. Munni Devi Sharma W/o Late Sh. Ram Babu Sharma resident of RZC-52, Rail Factory Road, Dhansa Marg, Gopal Nagar, Najafgarh, New Delhi 110043 has Disclaimed, Debarred, Disinherited and Disowned her son namely Mr. Mukesh Bhardwaj S/o Late Sh. Ram Babu Sharma, his wife namely Mrs. Reena Bhardwaj @ Alka W/o Mukesh Bhardwaj, his elder son Mukul Bhardwaj @ Kittu S/o Mukesh Bhardwaj, his middle son namely Mudit Bhardwaj @ Bony S/o Mukesh Bhardwaj, and his younger son Namely Tripund Bhardwaj @ Annu S/o Mukesh" Bhardwaj with immediate effect from all her movable and immovable properties due to their disrespectful behavior, continuously torturing her physically and mentally and being out of control and has severed all her relations with them. If anybody deals with them in any manner he/she shall do at his/her own risks and consequences. My client will not be held liable or responsible for the same in any manner.

Manoj Bhardwaj Advocate
101, Vardhman Crown Mall, Sector-19, Dwarka, New Delhi 110075.

NAME CHANGE

It is for general information that I ABHINAW PANDEY S/O R. A. PANDEY R/O J-89, 3rd FLOOR, DILSHAD COLONY EAST DELHI, DELHI-110095, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as ABHINAW KUMAR and PAYAL in my minor son namely ARADHEYA PANDEY aged 15 years is his school record. The actual name of mine and my wife are ABHINAW PANDEY and PAYAL PANDEY which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, MOUMITA PATRA Wife of DURGAPADA ROY R/o VILL-BAURISOL, PO-KELIAPAHAR, PS-INDPUR, DIST-BANKURA, WEST BENGAL-722136, have changed my name from MOUMITA PATRA to MOUMITA ROY for all future purposes vide Affidavit dated 13/05/2025 before Judicial Magistrate, Bankura, West Bengal.

NAME CHANGE

I, SAVITA W/O SUNDEEP KUMAR CHHIKARA R/O A-105, CLASSIC APARTMENT, PLOT NO-24, SECTOR-12, DWARKA-110078, DELHI, HAVE CHANGED MY NAME TO SAVITA CHHIKARA FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I,hitherto known as NAVEEN alias Vikas Kalyan S/O,Salekh chand R/O A-136 A-block, Ranjit Nagar, Patel Nagar, Patel Nagar, Central Delhi, Delhi 110008 have changed my name and shall hereafter be known as Vikas Kalyan.

NAME CHANGE

I, UMESH KUMAR S/o RAMARIKH R/o 121, Puranpur Navada Bhagot, Baghpat, Uttar Pradesh-250101, have changed the name of my minor son MADHAV BHATI aged 01 year and he shall be hereafter known as ARJUN BHATI.

NAME CHANGE

I, Megha W/O Prashant Sharma /O RZ B-33, Gali No-1, Near Bses Office, Kailash Puri Palam Colony, Indira Park, South Delhi-110045 have changed my name to Megha Sharma for all future purposes

NAME CHANGE

I, MD SADRUL alias MOHD SADRUL S/o SHEKH SHAHADAT, R/o House No. 1829, Gali No.-29 B, Swatantra Nagar, Narela, North West Delhi, Delhi-110040, have changed my name to SADRUL HAQ, for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that Smt. Kritika Arora and Sh. Alok Kumar are the owner of Entire Ground Floor, without roof rights, area measuring 150.00 sq. Mtrs built on property bearing no.37. in block-E, pocket-3, sector-7, situated in the layout plan of Rohini Residential Scheme, Rohini, Delhi-110085 through Sale Deed dated 17.03.2012 as doc. No. 3437 executed by Smt. Pooja Mittal and Smt. Shilpa Garg in favour of Smt. Kritika Arora and Sh. Alok Kumar in respect of said Floor.
The above-said owner has misplaced the (1) Original Sale Deed dated 06.05.2004 as doc. No. 13179 executed by Sh. Bhushan Kumar Garg and Smt. Meenu Mittal in favour of Smt. Sudesh Rani Bhatia in respect of said Floor. Application No.-2843977/2025, registered at P.S. Crime Branch, Delhi on 17.05.2025. Anyone who finds the above-mentioned documents, Kindly handover the same to the Manager of ICICI Bank Ltd./ SD tower, Sector 8 Rohini Delhi North 110085.
Smt. Kritika Arora and Sh. Alok Kumar intends to transfer the ownership of above-mentioned floor by way of Sale Deed to Smt. Neeru Jindal. Subsequently, Smt. Neeru Jindal is in the process of mortgaging the said floor with ICICI Bank Ltd./ ICICI Home Finance Co. Ltd. Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 14 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 14-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.
If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 14-days period by contacting

Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

NAME CHANGE

I, DA DIKI SHERPA Wife of No-5457700P Rank-L/NK Name-GOM BAHADUR GURUNG R/o VILL-LAMATEN, PO-RONGALI, EAST SIKKIM, DIST-GANGTOK, SIKKIM-737131, have changed my name from DA DIKI SHERPA to DA DIKE SHERPA for all future purposes vide Affidavit dated 28/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, GULSHAN KHATUN W/o SADRUL HAQ, R/o House No. 1829, Gali No.-29 B, Swatantra Nagar, Narela, North West Delhi, Delhi-110040, have changed my name from GULSHAN KHATUN to GULSHAN, for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलो श्री मोहन लाल, पुत्र कन्हैया लाल शर्मा आधार संख्या 4424 4271 0030 व उसकी पत्नी श्रीमती हेम लता, निवासीगण, 5-160, MOHAN GARDEN, WEST DELHI-110059, ने अपने बेटे श्याम सुन्दर गोस्वामी और उनकी पत्नी राधा रानी के गलत आचरण, दुर्व्यवहार के कारण अपनी सम्पूर्ण चल व अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है और उनसे अपने सारे सम्बध विच्छेद कर लिए हैं यदि कोई व्यक्ति उनसे किसी भी प्रकार का लेन-देन व व्यवहार करेगा वह व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होगा मेरे उपरोक्त मुवक्किलो की किसी भी तरह की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

AKASH KUMAR ADVOCATE
484, BHARAT APPARTMENT, DWARKA SECTOR-168, NEW Delhi-110078

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल भारतीय निर्मात्ता पार्टी के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। पार्टी कार्यालय पता = खसरा 30, भट्टा कॉलोनी, भंगेल नोएडा, जिला गौत्तमबुद्ध नगर में स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29 क के अधीन राजनीतिक दल के रुप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है। पार्टी के पदाधिकारियों के नाम / पता नीचे दिए गए हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश चौरसिया पुत्र स्व. रामजी प्रसाद, पता = मकान नम्बर = 108 ग्राम दोस्तपुर मंगरौली, सेक्टर 167 नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश -201304, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सतीश पुत्र श्री हर बबल, मकान न0- 70, सर्फाबाद नोएडा, यूपी, महासचिव सुधीर चौहान पिता श्री खुशी राम निवासी 462 ए, शक्तिखण्ड 3, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, उ .प्र, कोषाध्यक्ष हरी कुमार, पुत्र महेंद्र, निवासी 96डी, बरौला, सेक्टर 49, नोएडा उ.प्र . यदि किसी को राष्ट्रीय निर्मात्ता पार्टी के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोका रोड, नई दिल्ली-110001 को इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेजें।

NAME CHANGE

I hitherto known as Vinita alias Brijesh Kumari W/O Jagannath Singh, R/O Bharatpur, Gopalpur, PO: Gopalpur, DIST: Firozabad, Uttar Pradesh - 283152, have changed my name and shall hereafter be known as Brijesh Kumari.

NAME CHANGE

I Deepak Kumar S/o Sh. Gyan Parkash, R/o 7/23 Moti Nagar, New Delhi - 110015 have changed my name Deepak Singh to Deepak Kumar for all future and both are same person.

NAME CHANGE

I, Chauhan Satrupaben B (Mother of No.4581670A, Rank-LNK Name Chauhan Indrajitsinh BhojpalSing R/o.Flat no. G/102, Vill. Pramukh Elysium, PO-Sargasa, Teh - GandhiNagar,Gujarat-382421 have changed my name from Chauhan Satrupaben B to Chauhan Satyrupaben Bhojpalsing vide affidavit dated 26.05.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Chauhan BhojpalSing (Father of No.4581670A, Rank-LNK Name Chauhan Indrajitsinh BhojpalSing R/o.Flat no. G/102, Vill. Pramukh Elysium, PO-Sargasa, Teh - GandhiNagar,Gujarat-382421 have changed my name from Chauhan Bhojpal Sing to Bhojpalsingh Gubersingh Chauhan vide affidavit dated 26.05.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SAYED MURTUZA ALI SAYED ZAMINALI S/O SAYED ZAMIN ALI Residing at H No E-3, NEW SEELAMPUR, North East Delhi - 110053 have changed my name to SAYED MURTUZA ALI for all future purpose.

NAME CHANGE

I hitherto known as Ajay Kumar alias Ajay Yadav S/O Gulshan Rai R/O 292-293, 3rd Floor,Pocket-4, Near Mother Diary, Sector-25, Rohini Sector-24, PO: Rithala, North West Delhi: Delhi, 110085,Have my name and shall hereafter be known as Ajay Kumar.

NAME CHANGE

I,hitherto known as NAVEEN alias Vikas Kalyan S/O,Salekh chand R/O A-136 A-block, Ranjit Nagar, Patel Nagar, Patel Nagar, Central Delhi, Delhi 110008 have changed my name and shall hereafter be known as Vikas Kalyan.

NAME CHANGE

It is for general information that I, RITU ARORA ANAND D/o BHOJ RAJ ARORA, and Ex. wife of UMESH ANAND, R/o G-1/T09/Zen Spire, Ramprastha Greens, Sector-7, Vaishali, I.E. Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010, declare that I got divorce from my Ex. Husband UMESH ANAND vide Court Decree CNR No. UPGZ0-2003280-2024 dated 25-02-2025, further I have changed my name and shall hereafter be known as RITU ARORA. I also have changed the name of my minor daughter namely MYRA ANAND aged 16 years and my minor daughter namely MAYAS ANAND aged 12 years and they shall hereafter be known as MYRA ARORA and MAYAS ARORA respectively, for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that Shri Ganesh Bhagwan Shiksha Samiti through Signatory Sacheev Ghanshyam is the owner of Property bearing area measuring 0.2926 hec, out of Khata no. 28, khasra no. 35 situated at Mehrauli Chhata Distt. Mathura through Sale deed dated 02.12.2020 as doc. No. 15432 executed by Maa Chandrawati Vidyapeeth through Signatory Mrs. Kishanwati in favour of Shri Ganesh Bhagwan Shiksha Samiti through Signatory Sacheev Ghanshyam in respect of said property.
The above-said owner has misplaced the (1) Original sale deed 11.05.2012 as doc. No. 5659 executed by Mr. Saleem & Safi in favour of Kalptaru Uchhtar Madhyamik Vidhyalaya in respect of land area 0.203 hec. of said property. (2) Original Sale Deed dated 11.05.2012 as doc. No. 5660 executed by Mr. Saleem & Safi in favour of Kamdhenu industrial training institute in respect of land area 0.0896 hec. of said property. (3) Original sale deed dated 20.05.2014 as Doc no. 6717 executed by Kalptaru Uchhtar Madhyamik Vidhyalaya in favour of by Maa Chandrawati Vidyapeeth through Signatory Mrs. Kishanwati in respect of land area 0.203 hec. (4) Original Sale Deed dated 20.05.2014 as doc. No. 6716 executed by Kamdhenu industrial training institute in favour of in favour of by Maa Chandrawati Vidyapeeth through Signatory Mrs. Kishanwati in respect of land area 0.0896 hec. vide registered at P.S. Kosikala, Janpad Mathura on 21.05.2025. Anyone who finds the above-mentioned documents, Kindly handover the same to the Manager of Unity Small Finance Bank Limited, Ansal Bhawan, 12th Floor 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi - 110001
Shri Ganesh Bhagwan Shiksha Samiti through Signatory Sacheev Ghanshyam is in the process of mortgaging the said property with Unity Small Finance Bank Limited. Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.
If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting

Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **इरशाद उर्फ कट्टा, पुत्रः मोहम्मद सोकत, पताः गली नं. जामिया पुरा, रशीद गेट के पास लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 20190/2016, U/s 379/411 IPC, पुलिस थाना कृष्णा नगर, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **इरशाद उर्फ कट्टा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **इरशाद उर्फ कट्टा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 20190/2016, U/s 379/411 IPC, पुलिस थाना कृष्णा नगर, दिल्ली** के अभियुक्त **इरशाद उर्फ कट्टा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **01.07.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री पी. भार्गव राव
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–05
पूर्वी जिला, कमरा नं. 03
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली
DP/6704/SHD/2025

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82(2)(ii) Cr.P.C.** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **सूरज सिंह पुत्रः हरपाल सिंह, पताः** मकान नं. 2, वार्ड नं. 1, गली नं. गाँव सलाह नगर, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, **FIR No. 405/2021, U/s 379/356/411/341 IPC,** थानाः शाहदरा, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सूरज सिंह** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सूरज सिंह** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 405/2021, U/s 379/356/411/341 IPC,** थानाः शाहदरा, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **सूरज सिंह** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.08.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री स्वाती शर्मा, एलडी.
मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
शाहदरा, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली
DP/6425/SHD/2025
(Court Matter)

Date of Birth Changed

I, TIMBAL SAMATBHAI SUNDARBHAI father of No.15439991P Rank-NK/NA Name- TIMBAL KALPESH BHAI SAMATBHAI R/o LIMBODA, PO: BHADLA NANA, DIST: BHAVNAGAR, STATE -GUJRAT, PIN-364720, have changed my date of birth from /07/1960 to 11/04/1968 for all future purposes. Vide affidavit dated 27.05.2025 before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I, SATENDRA SHARMA S/O RAM NIWAS SHARMA residing at H NO-A-12/23 DAYAL PUR, NORTH WEST DELHI -110094 have changed my name to SATENDER SHARMA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Km. Aysha Iram w/o Mohd Anas R/o 11/413, Lalita Park, Laxmi Nagar, Delhi-110092 have changed my name to Aysha Anas for all future purposes.

NAME CHANGE

I, No-21023310H Rank-GNR Name-ROHIT KUMAR Presently residing at VILL-PALI KHERA AKAPUR TIYANA, PO-AKAPUR TIYANA, TEH-SIYANA, DIST-BULANDSHAHR, UTTAR PRADESH-203411, in my service records my mother's (SHASHI BALA) date of birth wrongly mentioned as 05/04/1972 instead of her correct date of birth as 05/07/1972 vide Affidavit dated 28/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-21023310H Rank-GNR Name-ROHIT KUMAR Presently residing at VILL-PALI KHERA AKAPUR TIYANA, PO-AKAPUR TIYANA, TEH-SIYANA, DIST-BULANDSHAHR, UTTAR PRADESH-203411, have changed my mother's name from SHASHI DEVI to SHASHI BALA for all future purposes vide Affidavit dated 28/05/2025 before Notary Public, Delhi.

हारट्रोन के माध्यम से 87 एडवांस स्किल सेंटर होंगे स्थापित: राव नरबीर

चंडीगढ़। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने युवाओं से आह्वान किया है कि वे राज्य सरकार के हारट्रोन के माध्यम से चलाई जा रही सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) परियोजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि यह डिजिटल युग युवाओं के लिए अनेक नए अवसर लेकर आया है और हरियाणा सरकार उन्हें इस दिशा में सक्षम और स्वावलंबी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री राव नरबीर सिंह हारट्रोन की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में हारट्रोन के प्रबंध निदेशक डॉ. जे. गणेशन ने उन्हें आईटी क्षेत्र में चल रही पहलों की जानकारी दी। बैठक में प्रबंध निदेशक ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार की 'स्टार्टअप-2022' नीति के अंतर्गत मोबाइल ऐप्लिकेशन डेवलपमेंट सेंटर्स की स्थापना के लिए एक करोड़ रुपये प्रति वर्ष की सब्सिडी प्रदान की जाती है, जिससे राज्य में नवाचार और तकनीकी उद्यमिता को बल मिलेगा। प्रदेश में भविष्य की आईटी मैनपावर तैयार करने के लिए 87 हारट्रोन एडवांस स्किल्स सेंटर्स खोले जाएंगे। वर्तमान में 10 सेंटर्स पहले ही कार्यशील हैं, जिनमें हर वर्ष लगभग 25 हजार से अधिक युवाओं को आईटी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के एक हजार विद्यार्थियों को अनुदान सहायता दी जाती है। इस योजना के तहत विद्यार्थियों की 75 प्रतिशत फीस माफ की जाती है। इस योजना को ष्ट्रस्क्र और अन्य स्रोतों से लगभग 2.5 करोड़ रुपये की फंडिंग प्राप्त होती है।

वर्ष 2047 के लक्ष्य को देखते हुए बिजली निगमों का इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाया जाये : विज

चंडीगढ। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत को ध्यान में रखते हुए बिजली निगम के अधिकारियों को बिजली के सब स्टेशन एवं पोल इत्यादि की स्थापना करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये।मंत्री विज ऊर्जा व परिवहन विभागों की उच्च स्तरीय खरीद समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस मौके पर शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। ऊर्जा मंत्री ने पिछले दिनों राज्य में आई आंधी व बेमौसम बरसात पर संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि भविष्य में जितने भी बिजली के सब स्टेशन स्थापित किए जाएं तो जगह इत्यादि के संबंध में संबंधित अधिकारियों व विभागों से अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया जाए, ताकि बाढ़ इत्यादि आपदा होने पर सब स्टेशन व उपकरणों को किसी भी प्रकार का नुकसान न हो। बैठक में ऊर्जा विभाग के अधिकारियों ने ऊर्जा मंत्री को अवगत कराया कि पिछले दिनों आई आंधी व बेमौसम बरसात से हुए नुकसान के आकलन के लिए एक कमेटी का गठन किया गया है और संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों व इंजीनियरों को मौके पर भी भेजा गया है। उन्होंने कहा कि हमें 2047 की मांग को देखते हुए हमें सब स्टेशन व बिजली के पोल की स्थापना करनी होगी।

नगरपालिका सेवाओं में नई तकनीक साझा करने को दिया प्रशिक्षण

नारनौल। नारनौल में नगरपालिका सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए नई तकनीक और खोज को साझा करने के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का कोऑर्डिनेटर, सीयूएस/आईआईपीए प्रोफेसर केके पांडेय ने शुभारंभ किया। केके पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि बदलते परिवेश में जलवायु और पर्यावरण के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए हमें नगरपालिका तथा नगर परिषद की सेवाओं को आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी में उन्नत तकनीकों जैसे सेंसर और डेटा एनालिटिक्स की सहायता से शहरों को अधिक कुशल और प्रतिक्रियाशील बनाने में मदद कर सकती हैं। इसके अलावा हरित बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देना, ऊर्जा दक्षता में सुधार, बेहतर जल प्रबंधन, कुशल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों को अपनाकर अपशिष्ट को कम किया जा सकता है और संसाधनों का संरक्षण किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान शहरी अध्ययन केंद्र भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के रिसोर्स पर्सन ने पावर पॉइंट के माध्यम से देशभर के कुछ स्मार्ट सिटी की केस स्टडी और कार्यप्रणाली पर चर्चा की। इसमें योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन तथा स्वच्छता पर फोकस किया।

चोर गिरोह के दो सदस्य दबोचे, 22 चोरियों को दिया था अंजाम

पानीपत। पानीपत पुलिस ने एक चोर गिरोह का भंडाफोड़ कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में इन दोनों ने 22 चोरी की वारदात का खुलासा किया है। यह युवक नशे के आदी हैं और इसी के लिए चोरी करते थे। उप पुलिस अधीक्षक सतीश वत्स ने में पत्रकार वार्ता में बताया कि इंस्पेक्टर विजय को सोमवार देर शाम गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि संदिग्ध किस्म के दो युवक एक स्पलेंडर बाइक लेकर सेक्टर 25 में हनुमान चौक के पास खड़े हैं। इस पर पुलिस ने मौके पर दबिश देकर दो युवकों को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान दोनों की युवकों की पहचान रवि उर्फ दानेदार निवासी पूरेवाल कॉलोनी और शिवा उर्फ रसगुल्ला निवासी चुलकाना के रूप हुई। पुलिस ने उनके पास से चोरी की बाइक बरामद की। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया। उप अधीक्षक वत्स ने बताया कि पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर कई चोरी की वारदात करना कबूल किया।

मुख्यमंत्री ने मानसून से पहले ड्रेनों की सफाई के लिए उपायुक्तों को दिए निर्देश

- **मुख्य मंत्री ने बैठक में ली स्टेट्स रिपोर्ट**
- **मुख्य सचिव 10 जून को करेंगे समीक्षा**

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिलों में बाढ़ सुरक्षा प्रयासों की निगरानी कर रहे सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने जिलों में मानसून सीजन से पहले ड्रेनों की सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देना सुनिश्चित करें। उन्होंने इस कार्य के लिए उन्हें तुरंत एक शेड्यूल बनाने और कार्य की निगरानी के लिए अपने अधीनस्थ अधिकारियों को नियुक्त करने के निर्देश दिए ताकि ड्रेन की सफाई का कार्य हर हाल में 15 जून, 2025 से पहले पूरा हो सके। मुख्यमंत्री सैनी सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ अल्पकालिक बाढ़ सुरक्षा कार्यों तथा ड्रेनों की आंतरिक सफाई की प्रगति की समीक्षा बैठक की

अध्यक्षता कर रहे थे। ड्रेनों की आंतरिक सफाई की वर्तमान गति पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसून आने में बहुत कम समय बचा है और अभी यह काम शेष है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित करते हुए इस सम्बन्ध में सभी लंबित कार्यों को बिना देरी के पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी अन्य प्रशासनिक सचिवों के साथ 10 जून को फिर से इस कार्य प्रगति की समीक्षा करेंगे। यदि किसी अधिकारी की ओर से कोई लापरवाही पाई जाती है तो उसके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में ली जाएगी। सैनी ने कहा कि अधिकारी अल्पकालिक उपायों पर फोकस करते हुए बाढ़ नियंत्रण से संबंधित चल रही योजनाओं को पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को जल निकासी के लिए आवश्यक पंपों की स्थिति और उपलब्धता का आकलन करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों और पंचायतों द्वारा अनुशंसित बाढ़ सुरक्षा कार्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए तथा उन्हें जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए।

बैठक के दौरान बताया गया कि सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग मानसून के दौरान जल भंडारण के लिए एसवाईएल और हांसी-बुटाना लिंक नहरों के मौजूदा चैनलों का उपयोग करने के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम कर रहा है। इस योजना में ड्रेनों सहित घग्गर नदी के पानी को इन दोनों नहरों में भेजना और पानी को रोकने के लिए अस्थायी अवरोधों का निर्माण करना शामिल है।

विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने टूटी सड़कों व मुख्य मार्गों का उठाया मुद्दा

एजेंसी

यमुनानगर। यमुनानगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने लोक निर्माण विभाग के मंत्री रणबीर गंगवा से चंडीगढ़ सचिवालय में मुलाक़ात कर शहर में टूटी सड़कों व मुख्य मार्गो का मुद्दा उठाया।यमुनानगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने बताया कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र यमुनानगर में लगातार हरियाणा भाजपा सरकार के सहयोग से विकास कार्य करवा रहे हैं।इसी कड़ी के अंतर्गत आज उन्होंने चंडीगढ़ में लोक निर्माण विभाग मंत्री रणवीर गंगवा से मुलाकात कर अपने यमुनानगर विधानसभा क्षेत्र की प्रमुख मांगे उनके समक्ष रखी।उन्होंने बताया कि हरियाणा भाजपा सरकार के सहयोग से वह लगातार अपने निर्वाचन क्षेत्र को अग्रणीय बनाने में लगे हुए हैं। वह विकास कार्य चाहे वह नगर निगम का हो जाए , लोक निर्माण विभाग का हो ,जन स्वास्थ्य विभाग का हो या अन्य किसी भी विभाग का हो। अपने निर्वाचन क्षेत्र में वह विकास कार्य करवा रहे हैं और इसका पूरा श्रेय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भाजपा सरकार को जाता है।

हरियाणा में पंजीकृत होंगे योग व प्राकृतिक चिकित्सक, शुरुआत इसी वर्ष

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने योग को जन-जन तक पहुंचाने और प्राकृतिक चिकित्सा को प्रमाणिकता के बारे में कहा है कि अब योग और प्राकृतिक चिकित्सकों का पंजीकरण किया जाएगा। इस पंजीकरण की शुरूआत इसी वर्ष से की जाएगी। मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि अगर आयुष योग सहायकों की सेवा के दौरान दुर्घटना में मृत्यु होने पर उनके परिजनों को अपने ऐच्छिक कोष से तीन-तीन लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने ये घोषणाएं पंचकूला में आयोजित योग महोत्सव के दौरान की। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से 'सूर्य नमस्कार अभियान 2025' के 264 उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया। इस मौके पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और आयुष मंत्री कुमारी आरती सिंह राव भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने आयुष विभाग में और अधिक पारदर्शिता लाने के लिए तीन

पोर्टल,ई-मार्केट प्लेस पोर्टल, आयुष औषधि इन्वेंटरी पोर्टल और ई औषधि लाइसेंसिंग पोर्टल भी लांच किये। इनमें ई-मार्केट प्लेस पोर्टल के माध्यम से औषधीय पौधे तैयार करने वाले किसान, स्टाकिट्स आदि अपना पंजीकरण कर सकेंगे। उनसे कोई भी व्यक्ति औषधीय पौधों की खरीद कर सकेगा। आयुष औषधियों की प्रबंधन प्रणाली पर आयुष विभाग के अधिकारी औषधियों की मांग कर सकते हैं और स्टॉक अपडेट देख सकते हैं। इसके अलावा, लाइसेंसिंग पोर्टल पर नये अथवा लोन लाइसेंस प्राप्त करने, पुराने लाइसेंस के नवीनीकरण आदि के लिए आवेदन किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों का परिणाम है कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। उस दिन प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने की पहली व सच्ची पहल की गई थी।

राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप में हरियाणा का जलवा

एजेंसी

पलवल। पलवल स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय अंडर-17 राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप में हरियाणा ने ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब हासिल किया है। प्रतियोगिता में लड़कियों की फ्री स्टाइल कुश्ती में हरियाणा की बेटियों ने 10 में से 7 स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्रदेश के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम विशेष रूप से पलवल पहुंचे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि यहां के विजेता पहलवान आगामी वियतनाम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी देश का नाम रोशन करेंगे। पलवल में आयोजित इस प्रतियोगिता में हरियाणा के पहलवानों ने लड़के व लड़कियों दोनों वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप अपने नाम की। लड़कियों ने जहां 10 में से 7 स्वर्ण पदक जीते, वहीं लड़कों ने भी 10 में से 5 स्वर्ण पदकों के साथ अपनी धाक जमाई।खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि हरियाणा सिर्फ दूध-दही, खेती और संस्कृति के लिए ही नहीं, बल्कि अब पूरे देश में खेलों की

राजधानी के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा, हर मैट पर हरियाणा के खिलाड़ी हौसले, मेहनत और जीत की नई कहानियां लिख रहे हैं। यह गर्व की बात है कि राष्ट्रीय स्तर की कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन पलवल में हुआ है।अंडर-17 महिला वर्ग फ्री स्टाइल में चेष्टा, रचना व रूतुजा ने जीता स्वर्ण अंडर-17 नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप के दूसरे दिन विभिन्न वर्गों की लड़कियों की फ्री स्टाइल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। 40 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा प्रदेश की चेष्टा ने स्वर्ण, उत्तर प्रदेश की प्रीति यादव ने रजत, दिल्ली की दिशा और महाराष्ट्र की स्नेहल ने संयुक्त रूप से कांस्य पदक, 43 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की रचना ने स्वर्ण, छत्तीसगढ की सुभद्रा यादव ने रजत, दिल्ली की खुशी व महाराष्ट्र की अनुष्का ने संयुक्त रूप से कांस्य पदक, 46 किलोग्राम भार वर्ग में महाराष्ट्र की रूतुजा ने स्वर्ण, दिल्ली की अदिती कुमारी ने रजत, राजस्थान की कशिश गुरजार और हरियाणा की पूजा ने संयुक्त रूप से कांस्य पदक जीता।

जलभराव रोकने को 15 जून तक पूरी हो ड्रेन सफाई:डा. मनोज कुमार

एजेंसी

सोनीपत। मानसून से पूर्व जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। जलभराव की समस्या को रोकने के लिए उपायुक्त स्तर पर कार्रवाई तेज हो गई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों के बाद संबंधित विभागों को समयबद्ध लक्ष्य दिया गया है, ताकि आमजन को राहत मिल सके। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने निर्देश दिए हैं कि जिले की सभी ड्रेनों की सफाई का कार्य 15 जून तक हर हाल में पूरा कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या को रोकना सर्वोच्च प्राथमिकता है, विशेषकर कुंडली क्षेत्र में जहां समस्या अधिक गंभीर होती है। डॉ. मनोज कुमार ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि ड्रेनों की सफाई में किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं

की जाएगी। वे स्वयं भी कार्यों का औचक निरीक्षण करेंगे और यदि कोई खामी पाई गई तो संबंधित अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बाढ़ नियंत्रण को लेकर सभी उपायुक्तों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। उसके पश्चात उपायुक्त ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों संगसमीक्षा बैठक कर कार्यों की गुणवत्ता व समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुंडली क्षेत्र में जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान खोजा जाए, जिससे स्थानीय लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने ड्रेनों की विस्तृत सूची, उनकी लंबाई, जल प्रवाह व अन्य तकनीकी विवरण जल्द उपायुक्त कार्यालय में भेजने को कहा है। इस बैठक में एसीयूटी योगेश दिल्हौर, एसई तरुण अग्रवाल, आर.के. बड़वाल, एक्सईएन मंजीत हुड्डा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सिरसा के गांव बेगू में बिजली निगम के विरोध में उतरे ग्रामीण

सिरसा। सिरसा जिला के गांव बेगू में बिजलीघर में 33 केवी लाइन पहुंचाने हेतु टॉवरों को कॉलोनी की गली में खड़ा करने के विरोध में ग्रामीणों ने निगम प्रशासन के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया। निगम की टीम कुछ दिन पहले टॉवर लगाने पहुंची, तब क्षेत्र के लोग लामबद हो गए। फिर से टीम ने दस्तक दी तो क्षेत्र के लोगों ने एकजुटता के साथ निगम की इस कार्रवाई का कड़ा विरोध जताया। ग्रामीणों ने एकस्वर में कहा कि वे अपनी गली के भीतर बिजली टॉवर नहीं लगने देंगे। ग्रामीणों ने कहा कि पहले बिजली टॉवर को पीछे खेत में लगाने की योजना थी वहां विरोध हो गया जिसके बाद टॉवर को हमारी रिहायशी कॉलोनी में लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिसे हम किसी भी सूरत में सिरे नहीं चढने देंगे। उन्होंने कहा कि अगर निगम की टीम ने हमारे साथ किसी प्रकार की ज्यादती की और जबरन टॉवर खड़ा करने की कोशिश की तो वे निगम प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल देंगे। चाहे धरना देना पड़े या जाम लगाना पड़े वे गली में टॉवर नहीं लगने देंगे। क्षेत्र के लोगों ने कहा कि कॉलोनी के आगे व पीछे काफी गैरआबादी वाला एरिया पड़ा है, निगम वहां टॉवर लगा ले, हमें कोई एतराज नहीं।

फ्लू कॉर्नर या फ्लू ओपीडी स्थापित करें निजी अस्पताल: डा. अलका सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। सभी निजी अस्पताल अपने संस्थानों में अनिवार्य रूप से फ्लू कॉर्नर या फ्लू ओपीडी स्थापित करें, ताकि फ्लू जैसे लक्षणों वाले मरीजों की शीघ्र पहचान की जा सके। उन्हें सामान्य मरीजों से अलग रख कर संभावित संक्रमण के प्रसार को रोका जा सके। यह बात उन्होंने कोविड प्रबंधन को लेकर सिविल सर्जन ने निजी अस्पतालों, लैब्स व आईएमए प्रतिनिधियों के साथ की बैठक में कही। जिले में कोविड संक्रमण की रोकथाम एवं समुचित प्रबंधन के उद्देश्य से बैठक में सिविल सर्जन डॉ. अलका सिंह ने निजी अस्पतालों, डायग्नोस्टिक लैब्स तथा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के प्रतिनिधियों के बात की। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोविड संक्रमण को लेकर सावधानी, सतर्कता एवं आवश्यक तैयारी संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए गए।उन्होंने कहा कि आईएलआई और एसएआरआई मामलों की स्क्रीनिंग और रिपोर्टिंग को प्राथमिकता दी जाए। इसके लिए अस्पतालों के मेडिकल एवं पैरामेडिकल स्टाफ को नियमित प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, ताकि वे कोविड जैसे लक्षणों की पहचान,

संक्रमण नियंत्रण उपायों तथा तत्काल उपचार प्रक्रिया से भली-भांति अवगत हो सकें। बैठक के दौरान सिविल सर्जन ने यह भी कहा कि सभी अस्पताल यह सुनिश्चित करें कि कोविड जांच एवं उपचार संबंधी प्रक्रिया निर्धारित सरकारी दिशानिर्देशों के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि जिले में कोविड की वर्तमान स्थिति पर स्वास्थ्य विभाग की सतर्क निगरानी बनी हुई है और सभी संस्थानों को एक्टिव सर्विलांस बनाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि निजी अस्पतालों तथा लैब्स की किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। सिविल सर्जन ने आमजन से भी अपील की कि वे फ्लू जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करें। किसी भी प्रकार के लक्षण सामने आने पर शीघ्र नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें, कोविड टेस्ट कराएं और चिकित्सकीय परामर्श लें। उन्होंने कहा कि संभावित संक्रमण को लेकर जिला स्वास्थ्य विभाग पूर्ण रूप से सतर्क है और नागरिकों के सहयोग से हम संक्रमण की रोकथाम में सफल होंगे।

कोरोना को लेकर सरकार पूरी तरह से अलर्ट, चिंता करने की कोई जरूरत नहीं : डॉ. अरविंद शर्मा

एजेंसी

रोहतक। कैबिनेट मंत्री डॉ.अरविंद शर्मा ने कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलो को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार कोरोना को लेकर पूरी तरह से अलर्ट है और चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश कोरोना संक्रमण की स्तिथि पर नजर बनाए हुए है। साथ ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग सतर्क है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वेरिएंट उतना खतरनाक नहीं है, फिर भी स्वास्थ्य विभाग स्तर पर न केवल तैयारियां है, अपितु उनके द्वारा आमजन के लिए दिशा-निर्देश भी स्पष्ट हैं।

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा मैना टूरिस्ट काम्प्लेक्स में संगठन पदाधिकारियों, नगर पार्षदों व पार्षद प्रतिनिधियों की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि परशुराम जयंती को लेकर सर्वसमाज में गजब का उत्साह है। इस समारोह में केन्द्र के बड़े नेताओं सहित मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी शिरक्त करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सबका साथ-सबका विकास के मूल मंत्र पर प्रदेश को विकास की राह पर आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 1904 से गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के तहत शैक्षणिक संस्थाओं से 36 बिरादरी के युवाओं को शिक्षा लेकर आगे बढने का अवसर मिला है। रोहतक, सोनीपत, झज्जर, भिवानी,

पानीपत, जींद जिलों में आमजन का बड़ा झुकाव संस्था की ओर रहा है।

साथ ही उन्होंने कहा कि यह समारोह सैनिको व शहीदों को समर्पित रहेगा। बाद में कैबिनेट मंत्री ने गांव पहरावर पहुंच कर प्रदेश स्तरीय समारोह की तैयारियों का भी जायजा लिया और अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रणबीर ढाका, नगर निगम महापौर राम अवतार वाल्मीकि, हरियाणा कुश्ती संघ के प्रधान रमेश बोहर, रोहतक कॉपरेटिव बैंक चेयरमैन हरीश कौशिक, दीपक नागपाल, मनीष शर्मा, अमित मग्गू, लौकी सहगल, कपिल खत्री, अशोक खुराना, प्रवीण कौशिक, अनिता मिगलानी, कपिल नागपाल, कृष्णा देवी, सुशील नांदल, दीपक जैन, मनीषा, बेबी रोहिल्ला, रिम्पी देवी, राजेश बलियाना, धर्मबीर फौजी, कर्मबीर, सुखबीर चंदेलिया प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

NAME CHANGE
I hitherto known as SATYA NARAYAN alias SATYANARAIN YADAV S/o ROOPCHAND, R/o Berli Kalan(310), Rewari, Haryana-123401, have changed my name and shall hereafter be known as SATYANARAIN YADAV.

NAME CHANGE
I hitherto known as SURAJ BHAN YADAV alias SURAJBHAN YADAV alias SURAJ BHAN son of SHANKAR LAL, R/o Akbarpur Ramu (170), Mahendragarh, Haryana-123001, have changed my name and shall hereafter be known as SURAJ BHAN.

NAME CHANGE
I, DEEPAK DAS S/O DINESH DAS R/O E-605, Block E, Shiv Durga Vihar, Lakkarpur, Surajkund Faridabad, PO: Surajkund Faridabad, DIST: Faridabad, Haryana - 121009 have changed the name of my minor daughter DEEKSHI aged 12 years and she shall hereafter be known as DEEKSHITA DAS

NAME CHANGE
I hitherto known as PINKI D/O DEEPAK DAS R/O E-605, Block E, Shiv Durga Vihar, Lakkarpur, Surajkund Faridabad, PO: Surajkund Faridabad, DIST: Faridabad, Haryana -121009 have changed my name and shall hereafter be known as PINKI DAS

NAME CHANGE
It is for general information that I, BALWAN SINGH S/o RAMCHANDER, R/o Post Off. Ahulana, Village-Ahulana, Ahulana(10), PO: Ahulana (Gohana), Dist. Sonipat, Haryana-131301, declare that name of my wife and my son have been wrongly written as RAJWALA DEWI and PARBESH KUMAR in my Service Record. The actual name of my wife and my son are BALA DEVI and AKHIL MEHRA respectively, which may be amended accordingly.

बीजेपी राज में कच्ची ही नहीं, बल्कि पक्की नौकरियों पर भी लटक रही तलवार : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि एक बार फिर भर्तियों में बीजेपी के गड़बड़झालों की पोल खुल गई है। खुद हाई कोर्ट ने इस सरकार द्वारा की गई भर्तियों पर बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है। कोर्ट ने कहा है कि 2019 के बाद हुई सभी भर्तियों के परिणाम अब दोबारा से जारी करने होंगे। क्योंकि सरकार ने गलत नियमों के तहत ये भर्तियां की हैं। हुड्डा ने कहा कि सामाजिक आर्थिक आधार पर अंक देने की नीति को भाजपा सरकार कोर्ट में डिफेंड नहीं कर पाई। आखिर सरकार में बैठे वो कौन लोग हैं, जो ऐसी नीतियां बनाते हैं, जो कोर्ट में नहीं ठहर पातीं? इसका खामियाजा उन युवाओं को भुगतना पड़ेगा, जो कई साल से नौकरी कर रहे हैं। इससे पहले भी बीजेपी कार्यकाल के भर्ती घपलों, घोटालों और अनियमितताओं को लेकर हाई कोर्ट बार-बार कड़ी टिप्पणियां कर चुकी है। कई बार सरकार पर जुर्माना भी थोपा गया है। बावजूद इसके सरकार अपने रवैया से बाज नहीं आई।भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भर्तियों को जानबूझकर लटकाना, भटकाना और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करना बीजेपी की तय नीति बन चुकी है। जानबूझकर भर्ती नियमों में ऐसे लूप होल छोड़े जाते हैं, जिसके चलते भर्ती बाद में जाकर कोर्ट में फंस जाती है और फिर भाजपा को नौकरियां ना देने का बहाना मिल जाता है। इस सरकार की शायद ही ऐसी कोई भर्ती होगी, जो कोर्ट में ना गई हो।यही वजह है कि आज हरियाणा के सरकारी विभागों में 2 लाख से पद ज्यादा पद खाली पड़े हुए हैं। हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान दो लाख से ज्यादा पक्की नौकरियां दी गई थीं। साथ ही कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की ऐतिहासिक नीति बनाई गई थी। उस नीति के तहत लगे हजारों कर्मचारी आज भी सरकारी विभागों में नौकरी कर रहे हैं। बीजेपी सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद, कांग्रेस सरकार में हुई एक भी भर्ती में वो कोई खामी या गड़बड़ी साबित कर पाई। कांग्रेस कार्यकाल में रोजगार पाने वालों की नौकरी छीनने के सारे भाजपाई हथकंडे औंधे मुंह गिर गए। पक्की भर्तियां ही नहीं, बल्कि कांग्रेस द्वारा बनाई गई कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की नीति पर भी कोर्ट ने खुद अपनी मुहर लगाई।

नीलसॉफ्ट लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी फिर से दाखिल किया

मुंबई। टोक्यो स्थित फुजिता कॉरपोरेशन समर्थित नीलसॉफ्ट लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फिर से दाखिल किया है। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के लिए 90 करोड़ रुपये जुटाने की है। इसके शेयर एनएसई और बीएसई दोनों स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होंगे। पूंजी बाजार नियामक के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक फुजिता कॉरपोरेशन समर्थित नीलसॉफ्ट लिमिटेड का 5 रुपये अंकित मूल्य वाले इस आईपीओ में 90 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों का निर्गम तथा प्रमोटरों और अन्य विक्रय शेयरधारकों द्वारा 80 लाख शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल है। इस आईपीओ में 90 करोड़ रुपये तक के नए शेयर को जारी करना और प्रमोटरों तथा अन्य विक्रय शेयरधारकों द्वारा 8 मिलियन शेयरों की बिक्री के लिए ऑफर-फॉर-सेल (ओएफएस) भी इसमें शामिल है। कंपनी के मुताबिक यह ऑफर बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें इस ऑफर का कम से कम 75 फीसदी आवंटन योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए, 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए और 10 फीसदी क्रमशः गैर-संस्थागत निवेशकों और खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों को आवंटित किया जाएगा। आईपीओ के लिए इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड और आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड बुक-रनिंग लीड मैनेजर के तौर पर काम करेंगे।

भारत की फिनटेक फर्म व्यापारियों और एमएसएमई को सशक्त बना रही हैं : सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत की फिनटेक कंपनियां देश के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (डीपीआई) को मजबूत करने और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सशक्त बनाने में मदद कर रही हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नोएडा में स्थित डिजिटल फिनटेक कंपनी पाइन लैब्स के कार्यालय का दौरा करने के बाद यह बात कही। वित्त मंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि वित्त मंत्री ने पाइन लैब्स के कर्मचारियों और स्टाफ सदस्यों से बातचीत की। इस अवसर पर सीतारमण ने देश के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के विस्तार और व्यापारियों तथा एमएसएमई के लिए निर्बाध, सुरक्षित और समावेशी वित्तीय सेवाओं को सक्षम करने में भारत की फिनटेक फर्मों के योगदान की सराहना की। वित्त मंत्री ने मोबाइल रिटेलर और पाइन लैब्स के ग्राहक कुलदीप चौहान से भी बातचीत की हैं, जिन्हें भारत के बढ़ते फिनटेक इकोसिस्टम और मजबूत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) से बहुत लाभ हुआ है। कुलदीप मोबाइल हाउस के मालिक चौहान नोएडा में मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक्स बेचने वाले तीन रिटेल स्टोर संचालित करते हैं। देशभर में डिजिटल भुगतान को व्यापक रूप से अपनाने से उनके व्यवसाय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

सरकार ने निर्यात से जुड़े नए दिशा-निर्देश किए जारी, एक जून से होंगे लागू

नई दिल्ली। भारत सरकार ने अग्रिम प्राधिकरण (एए) धारकों, निर्यातोन्मुख इकाइयों (ईओयू) और विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में काम करने वाली इकाइयों के लिए निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट (आरओडीटीईपी) योजना के लाभों को बहाल कर दिया है। ये लाभ एक जून, 2025 से किए जाने वाले सभी पात्र निर्यातों पर लागू होंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि केंद्र सरकार ने अग्रिम प्राधिकरण (एए) धारकों, निर्यात-उन्मुख इकाइयों (ईओयू) और विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) में काम करने वाली इकाइयों की ओर से किए गए निर्यात के लिए निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट (आरओडीटीईपी) योजना के तहत लाभ बहाल करने की घोषणा कर दी है। ये लाभ एक जून 2025 से किए गए सभी पात्र निर्यातों पर लागू होंगे। मंत्रालय के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 के लिए घरेलू टैरिफ क्षेत्र के लिए 10,780 एचएस लाइनों और एए/ईओयू/एसईजेड खंडों के लिए 10,795 एचएस लाइनों के तहत निर्यात का समर्थन करने के लिए 18,233 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं।

बोरोना वीव्स के शेयरों ने आईपीओ निवेशकों को किया खुश, मजबूत लिस्टिंग के बाद शेयरों पर लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। अनब्लीच्ड सिंथेटिक ग्रे फैब्रिक बनाने वाली कंपनी बोरोना वीव्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। कंपनी के शेयर 216 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी एंट्री 12.50 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 243 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह शेयर उछल कर 255.10 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 18.10 प्रतिशत का मुनाफा हो गया।बोरोना वीव्स का 144.89 करोड़ रुपये का आईपीओ 20 से 22 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 147.85 गुना सब्सक्राइब हो गया था।

भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की चौथी इकोनॉमी, छोटे व्यापारियों के लिए नया सवेरा : खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के चांदनी चौक से भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना देश के छोटे व्यापारियों के लिए सुनहरा अवसर लेकर आया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि भारत की व्यापारिक संरचना में एक शक्तिशाली बदलाव का संकेत है-विशेष रूप से उन छोटे व्यापारियों, व्यापारिक संगठनों, एमएसएमई और स्टार्टअप्स के लिए जो भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। घरेलू खपत में वृद्धि, वैश्विक व्यापारिक रिश्ते और डिजिटल परिवर्तन के साथ छोटे व्यवसाय अब एक स्वर्णिम युग की दहलीज़ पर खड़े हैं। खंडेलवाल ने एक बयान में कहा कि देश और विदेश दोनों स्तर पर बड़े बाजारों तक पहुंच अब पहले से अधिक होगी जिससे घरेलू खपत में तेज़ी आएगी और स्थानीय व्यवसायों के लिए एक बड़ा बाज़ार तैयार होगा। बेहतर होते व्यापारिक रिश्ते और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के लिए निर्यात के नए अवसर खोलेंगे। खंडेलवाल ने आगे कहा कि सरकार की ओर से मिलने वाला सहयोग और सुधार-जैसे कि पीएलआई (उत्पादन आधारित प्रोत्साहन) योजनाएं और एमएसएमई के लिए क्रेडिट योजनाएं-छोटे व्यापारियों को सशक्त बनाएंगे। जीएसटी में सुधार, व्यापार करने में आसानी और अनुपालन प्रक्रिया को सरल बनाना छोटे व्यापारियों के लिए व्यापार को और सहज बनाएगा। उन्होंने कहा कि तेज़ी से हो रहा डिजिटल परिवर्तन और ई-कॉमर्स की पैठ छोटे व्यापारियों को अपने क्षेत्र से बाहर भी ग्राहकों तक पहुंचने में मदद कर रही है, वहीं सशक्त सप्लाई चेन के माध्यम से सड़कों, रेलवे, लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग में हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेडेशन से लागत में कमी और डिलीवरी समय में सुधार होगा। 'मेक इन इंडिया' और 'चाइना +1' रणनीति के माध्यम से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत की भागीदारी बढ़ेगी। खंडेलवाल ने कहा कि बढ़ती आर्थिक ताकत के चलते अब बैंकों, फिनटेक कंपनियों और एनबीएफसी द्वारा छोटे व्यापारियों को अधिक फाइनेंस और क्रेडिट उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही छोटे व्यापारियों का औपचारिकरण उन्हें सरकार की योजनाओं, टेंडर और संरचित ऋणों के लिए पात्र बनाता है। भाजपा सांसद ने कहा कि सरकार और निजी क्षेत्र की साझेदारी से छोटे व्यापारियों और उनके कर्मचारियों को डिजिटल टूल्स, अकाउंटिंग, मार्केटिंग और निर्यात जैसे विषयों में स्किलिंग दी जा रही है, जिससे दीर्घकालिक और टिकाऊ विकास संभव होगा। नवाचार आधारित प्रोत्साहन योजनाएं जमीनी स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देंगी। खंडेलवाल ने विभिन्न क्षेत्रों में मिलने वाले अवसरों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रिटेल और ट्रेड सेक्टर में खपत बढ़ेगी और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से बाज़ार की पहुँच गहराई तक होगी। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में स्थानीय सोर्सिंग और वेंडर डेवलपमेंट को बढ़ावा मिलेगा। सेवाएं जैसे टेक्नोलॉजी, स्वास्थ्य और शिक्षा में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग में वृद्धि होगी। कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निर्यात को बढ़ावा और मूल्य श्रृंखला का आधुनिकीकरण होगा।

अब 15 सितंबर तक दाखिल किया जा सकेगा आईटीआरः सीबीडीटी

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर के करोड़ों इनकम टैक्स दाखिल वाले करदाताओं के लिए अच्छी खबर है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर रिटर्न (आईटीआर) भरने की तारीख बढ़ाने का ऐलान किया है। सीबीडीटी ने वित्त वर्ष 2024-25 और आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि? 31 जुलाई, 2025 से बढ़ाकर अब 15 सितंबर, 2025 कर दिया है। सीबीडीटी ने यह निर्णय आईटीआर फॉर्म की अधिसूचना जारी करने में देरी के बाद लिया है। आयकर विभाग ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में इसकी जानकारी दी है। विभाग ने जारी पोस्ट में लिखा है, सीबीडीटी ने आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ाने का फैसला किया है। सीबीडीटी ने अब 31 जुलाई, 2025 तक दाखिल होने वाली आईटीआर की नियत तारिख को बढ़ाकर 15 सितंबर, 2025 करने का फैसला किया है। ये विस्तार आईटीआर फॉर्म, सिस्टम डेवलपमेंट की जरूरतों और टीडीएस क्रेडिट रिफ्लेक्शन में महत्वपूर्ण संशोधनों के कारण ज्यादा समय प्रदान करेगा। यह सभी के लिए एक सहज और अधिक सटीक फाइलिंग अनुभव सुनिश्चित करता है। औपचारिक अधिसूचना बाद में दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि 31 जुलाई, 2025 आईटीआर फाइल करने की अंतिम तिथि है, जो अधिकांश सामान्य श्रेणियों पर लागू होती है। इसमें अधिकांश वेतनभोगी कर्मचारी और वे सभी करदाता शामिल हैं जिनके खातों का ऑडिट करने की आवश?यकता नहीं है। अब वेतनभोगी कर्मचारी को अपना आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए 46 दिन का अतिरिक्त समय मिलेगा। अगर अंतिम तिथि तक आईटीआर दाखिल नहीं किया जाता है, तो करदाता को 5,000 रुपये तक का जुर्माना देना पड़ सकता है।

देश में एफडीआई प्रवाह वित्त वर्ष 2024-25 में 13 फीसदी बढ़कर 50 अरब डॉलर

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 13 फीसदी बढ़कर 50 अरब डॉलर हो गया। वित्त वर्ष 2023-24 में यह 44.42 अरब डॉलर था। हालांकि, 31 मार्च का समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में सालाना आधार पर एफडीआई का प्रवाह 24.5 फीसदी घटकर 9.34 अरब डॉलर रह गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी आधिकारिक आंकड़ों में बताया कि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान देश में कुल एफडीआई प्रवाह, जिसमें इक्विटी प्रवाह, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी शामिल है, 14 फीसदी बढ़कर 81.04 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले 3 वर्षों में सबसे अधिक है, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 71.3 अरब अमरिकी डॉलर था। वित्त वर्ष 2024-25 की अक?टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान एफडीआई प्रवाह वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के

कारण सालाना आधार पर 5.6 फीसदी घटकर 10.9 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। मंत्रालय के मुताबिक देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में सालाना आधार पर 24.5 फीसदी घटकर 9.34 अरब डॉलर रह गया। पूरे वित्त वर्ष 202425 के दौरान 13 फीसदी बढ़कर 50 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 के जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान यह 12.38 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में यह 44.42 अरब डॉलर था।

देश का कोयला आयात 2024-25 में 7.9 फीसदी घटा, 60,682 करोड़ रुपये की हुई बचत

एजेंसी

नई दिल्ली। देश का कोयला आयात बीते वित्त वर्ष 2024-25 में 7.9 फीसदी घटकर 24.36 करोड़ टन रह गया, जिससे लगभग (60,681.67 करोड़ रुपये) की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में देश का कोयला आयात 26.45 करोड़ टन रहा था।

कोयला मंत्रालय के मुताबिक कोयला आधारित बिजली उत्पादन वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 3.04 फीसदी बढ़ गया, लेकिन ताप-विद्युत बिजली संयंत्र द्वारा मिश्रण के लिए कोयला आयात में 41.4 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। ये आयातित कोयले पर निर्भरता कम करने और कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए जारी भारत के प्रयासों को दर्शाता है। कोयला मंत्रालय ने कहा कि केंद्र सरकार ने घरेलू कोयला उत्पादन बढ़ाने और कोयला आयात

कम करने के लिए वाणिज्यिक कोयला खनन और मिशन कोकिंग कोल सहित कई पहल को लागू किया है। इन प्रयासों से वित्त वर्ष 2023-24 के मुकाबले वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कोयला उत्पादन में पांच फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है। बिजली क्षेत्र से इतर गैर-विनियमित क्षेत्र में अधिक महत्वपूर्ण गिरावट देखी गई है, जिसमें आयात में सालाना आधार पर 8.95 फीसदी की गिरावट आई है।

चौथी तिमाही में बीएसएनएल को 280 करोड़ रुपये का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। बीएसएनएल ने लगातार दूसरी तिमाही में मुनाफा कमाया है। कंपनी को 31 मार्च, 2025 को समाप्त चौथी तिमाही में 280 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है।कंपनी ने जारी बयान में कहा कि बीएसएनएल ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 280 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है। कंपनी को तीसरी तिमाही में 261 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। यह लगातार दूसरी तिमाही है, जब कंपनी लाभ में रही है। बीएसएनएल को इससे पिछले वित?त वर्ष की सामान अवधि में 849 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। कंपनी के अनुसार लगातार दो तिमाहियों में मुनाफे के साथ वित्त वर्ष 2024-25 में उसका घाटा सालाना आधार पर 5,370 करोड़ रुपये से घटकर 2,247 करोड़ रुपये रह गया है। इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 में बीएसएनएल की परिचालन आय सालाना आधार पर 19,330 करोड़ रुपये से 7.8 फीसदी बढ़कर 20,841 करोड़ रुपये हो गई है। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जारी बयान में कहा कि बीएसएनएल ने 17 वर्षों में पहली बार लगातार दो तिमाहियों में मुनाफा कमाया है। सिंधिया ने कहा कि अपने मुनाफे के रास्ते पर आगे बढ़ते हुए बीएसएनएल ने वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 280 करोड़ रुपये का मजबूत शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जो वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में 261 करोड़ रुपये के बाद लगातार दो तिमाहियों में मुनाफा कमाने का रिकॉर्ड है। दूरसंचार मंत्री ने कहा कि बीएसएनएल का लगातार सुधार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के केंद्रित और सुधार-संचालित नेतृत्व को दर्शाता है। वहीं, भारत संचार निगम लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (एमडी) ए. रॉबर्ट जे. रवि ने कहा, ''यह तेज बदलाव पेशेवर प्रबंधन, सरकारी समर्थन और आय तथा मुनाफे दोनों पर लगातार ध्यान देने का प्रमाण है। उन्?होंने कहा कि बीएसएनएल को न केवल पुनर्जीवित किया जा रहा है, बल्कि इसे एक नया रूप दिया जा रहा है।''

जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट को म्यूचुअल फंड कारोबार के लिए सेबी की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से भारत में अपने म्यूचुअल फंड कारोबार के लिए निवेश प्रबंधक के रूप में परिचालन शुरू करने के लिए विनियामक मंजूरी मिल गई है। इस मंजूरी के साथ ही अब कंपनी जल्द ही भारतीय म्यूचुअल फंड बाजार में कदम रख देगी। कंपनी ने जारी बयान में बताया कि जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) और ब्लैकरॉक की संयुक्त उद्यम जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट को म्यूचुअल फंड कारोबार के लिए सेबी की मंजूरी मिल गई है। ये जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट, जियो फाइनेंस सर्विसेज लिमिटेड और ब्लैकरॉक कंपनी का 50-50 का सयुंक्त उद्यम है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेस लिमिटेड की गैर-कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी ने जारी बयान में कहा कि ब्लैकरॉक के पास वैश्विक निवेश विशेषज्ञता है, तो जियो के पास डिजिटल-फर्स्ट इनोवेशन, ब्लैकरॉक के साथ हमारी यह साझेदारी एक सशक्त साझेदारी है। हम मिलकर हर भारतीय के लिए निवेश को सरल, सुलभ और समावेशी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ईशा ने कहा कि मुझे विश्वास है कि जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट भारत में वित्तीय सशक्तीकरण के भविष्य को आकार देने में अहम भूमिका निभाएगा। वहीं, ब्लैकरॉक में इंटरनेशनल हेड रेचल लॉर्ड ने कहा कि जियो ब्लैकरॉक सीधे निवेशकों को कम लागत पर संस्थागत गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करने, भारत में अधिक लोगों को पूंजी बाजारों तक पहुंच बनाने में मदद करेगा।उल्लेखनीय है कि इस खबर के बीच जियो फाइनेंशियल के शेयर में जबरदस्त उछाल देखने को मिला।

केंद्रीय प्रशिक्षुता परिषद ने दो योजनाओं के तहत प्रशिक्षुओं का वजीफा बढ़ाया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी की अध्यक्षता में केंद्रीय प्रशिक्षुता परिषद (सीएसी) ने दो योजनाओं के तहत प्रशिक्षुओं को देय न्यूनतम मासिक वजीफा 30 फीसदी तक बढ़ाने का फैसला किया है।

प्रस्तावित बढ़ोतरी की अधिसूचना जारी होने के बाद वर्तमान में यह राशि 5,000-9,000 रुपये है, जिसे बढ़ाकर 6,800-12,300 रुपये कर दिया जाएगा। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में जयंत चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय प्रशिक्षुता परिषद (सीएसी) की 38वीं बैठक में भारत के युवाओं के लिए प्रशिक्षुता को

अधिक फायदेमंद और आकांक्षापूर्ण बनाने के लिए एक ऐतिहासिक कदम में राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) और राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एनएटीएस) के तहत प्रदान किए जाने वाले वजीफे में 30 फीसदी की वृद्धि की सिफारिश की गई। मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय प्रशिक्षुता परिषद की आयोजित इस बैठक में भारत के उभरते प्रशिक्षुता परिदृश्य की समीक्षा की गई, जिसमें परिणाम को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सुधारों पर चर्चा की गई। इस सिफारिश में मौजूदा 5,000-9,000 रुपये के वजीफे को संशोधित कर 6,800-12,300 रुपये किया जाएगा, जिसका उद्देश्य ड्रॉपआउट दरों को कम करना और विभिन्न क्षेत्रों में अधिक उम्मीदवारों को आकर्षित करना है। इस अवसर पर जयंत चौधरी ने कहा, प्रशिक्षुता केवल कौशल प्रदान करने का तंत्र नहीं है, यह एक ऐसा पुल है जो शिक्षा, उद्योग और रोजगार को जोड़ता है, खासकर हमारे ग्रामीण युवाओं के लिए। एनएपीएस और एनएटीएस को मजबूत कानूनी ढांचे द्वारा समर्थित स्तंभों के रूप में देखते हुए, हम इसे अधिक समावेशी, उत्तरदायी और आकांक्षी बनाने के लिए सक्रिय रूप से सुधार कर रहे हैं।

शेयर बाजार पर निवेशकों का बढ़ा भरोसा, 8 महीने के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा कैश मार्केट टर्नओवर

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कुछ दिनों से आई तेजी के कारण इस माह कैश मार्केट में डेली एवरेज टर्नओवर 1.16 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। ये पिछले 8 महीने का सर्वोच्च स्तर है। कैश मार्केट में डेली एवरेज टर्नओवर के बढ़ने को शेयर बाजार की मजबूती और बाजार के प्रति निवेशकों के बढ़ते भरोसे का संकेत माना जा सकता है।

मई के महीने में टोटल एवरेज डेली टर्नओवर 1.16 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंचना सितंबर, 2024 के बाद टोटल एवरेज डेली टर्नओवर का उच्चतम स्तर है। डेली एवरेज टर्नओवर में मासिक आधार पर 8 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है। फरवरी के बाद मार्च से ये लगातार तीसरा महीना है, जब कैश मार्केट के टर्नओवर में बढ़त दर्ज की गई है।

इससे पहले अक्टूबर, 2024 से घरेलू शेयर बाजार में शुरू हुई बिकवाली के कारण फरवरी 2025 तक कैश मार्केट का डेली एवरेज टर्नओवर 15 महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया था। फरवरी के बाद मार्च के महीने से शुरू हुई खरीदारी के कारण अभी तक के कुल कारोबार में करीब 20 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। ये बढ़ोतरी शेयर बाजार की कारोबारी गतिविधि में मजबूती आने का स्पष्ट संकेत है।

जानकारों का मानना है कि कैश मार्केट के कारोबार में पिछले कुछ दिनों के दौरान आई मजबूती की एक बड़ी वजह बल्क और ब्लॉक डील में आई तेजी भी हो सकती है। पिछले कुछ दिनों के दौरान नाइका, स्विगी, केपीआर मिल, एटरनल, विशाल मेगा मार्ट, इंडस टावर और टीडी पावर के बड़े सौदे हुए हैं, जिनकी वजह से कैश मार्केट के कारोबार में तेजी आई है।

खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना का कहना है कि अमेरिका की नई टैरिफ पॉलिसी का ऐलान होने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ के मोर्चे पर 90 दिनों के लिए मिली राहत के कारण निवेशकों के सेंटीमेंट में सुधार हुआ है। इसके साथ ही पाकिस्तान के साथ सीजफायर के ऐलान के बाद जियो-पॉलिटिकल चिंताएं भी कम हुई हैं। इस वजह से घरेलू और वैश्विक दोनों मोर्चों पर निवेशकों को राहत मिला है, जिससे कैश मार्केट के डेली एवरेज टर्नओवर में भी सुधार हुआ है।

उद्योग जगत ने उत्तर प्रदेश पर जताया भरोसा

मुंबई। उत्तर प्रदेश सरकार की निवेश प्रोत्साहन एवं सुविधा एजेंसी 'इन्वेस्ट यूपी' ने मुंबई के जिओ वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में एक उच्च स्तरीय निवेशक राउंड टेबल का आयोजन किया। इस बैठक की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह तथा संचालन इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय किरन आनंद ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की अग्रणी औद्योगिक इकाइयों के प्रमुखों ने भाग लिया और उत्तर प्रदेश की प्रगतिशील नीतियों और निवेश अनुकूल माहौल की सराहना करते हुए डेटा सेंटर, हरित ऊर्जा, सीमेंट और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में बड़े निवेश की प्रतिबद्धता व्यक्त की।इस अवसर पर श्री सिंह ने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश भारत का सबसे आकर्षक निवेश गंतव्य बनकर उभरा है। राज्य सरकार त्वरित एवं पारदर्शी निवेश-वातावरण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम प्रगतिशील उद्यमों का स्वागत करते हैं और उनकी विकास यात्रा में भागीदार बनने का संकल्प लेते हैं। बैठक में हीरानंदानी समूह के अध्यक्ष डॉ. निरंजन हीरानंदानी ने योट्टा डेटा सर्विसेज द्वारा 30 मेगावाट क्षमता का डेटा सेंटर केवल 18 महीनों में स्थापित करने में मिली सफलता को साझा किया। उन्होंने इसकी क्षमता 30 मेगावाट की वृद्धि करने की घोषणा की तथा 28 हजार 440 करोड़ रुपये की चिप निर्माण परियोजना की जानकारी दी।

पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज पूरे दिन बार-बार जोरदार उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी। दिन के कारोबार में पहले बिकवाली के दबाव की वजह से बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। फिर सुबह 11 बजे के करीब खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार शानदार रिकवरी करके हरे निशान में पहुंचने में सफल रहा। हालांकि दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले ही एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण शेयर बाजार के दोनों सूचकांकों ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.76 प्रतिशत और निफ्टी 0.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान डिफेंस सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसके साथ ही पीएसयू बैंक, फार्मास्यूटिकल, रियल्टी, कैपिटल गुड्स और कंज्यूमर ड्युरेबल्स इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर आईटी, ऑटोमोबाइल और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों की जमकर बिकवाली होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज खरीदारों ने अपना जोर बनाए रखा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 443.66 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 444.79 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.13 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,084 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,958 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,975 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 151 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,574 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,205 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,369 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 5 शेयर बढ़त के साथ और 25 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 11 शेयर हरे निशान में और 39 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 138.25 अंक की कमजोरी के साथ 82,038.20 के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक 872.57 अंक टूट कर 81,303.88 अंक तक गिर गया। इसके बाद सुबह 11 बजे के थोड़ी देर पहले ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण अगले आधे घंटे में ही ये सूचकांक 1,100 अंक से अधिक उछल कर 234.07 अंक की तेजी के साथ 82,410.52 अंक तक पहुंच गया। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले ही बाजार में एक बार फिर चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण ये सूचकांक दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर बाद ऊपरी स्तर से 1,288.82 अंक फिसल कर 1,054.75 अंक की कमजोरी के साथ 81,121.70 अंक तक आ गया। हालांकि आखिरी 1 घंटे के कारोबार में खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया।

कोविड की मार, इम्यूनिटी बढ़ने के लिए पिएं ये काढ़ा

देश में कोविड के मामले ज्यादा बढ़ने लगे हैं. ऐसे में किसी भी तरह के संक्रमण से बचाव करने के लिए इम्यूनिटी को स्ट्रांग होने बहुत जरूरी है. साथ ही अगर इम्यूनिटी सही रहती है तो आप संक्रमण से ठीक होने में कम समय लगता है. आप ये काढ़ा घर बनाकर पी सकते हैं, जिससे इम्यूनिटी को स्ट्रांग बनाने में मदद मिले.

कोविड के मामले देश में फिर से बढ़ने लग गए हैं. देश में दिल्ली, महाराष्ट्र और केरल जैसे राज्यों में वायरस के मामलों में अचानक से बढ़ने लगे हैं. इससे लोगों में फिर से कोविड को लेकर स्ट्रेस बढ़ गया है. कुछ लोगों ने मास्क पहना शुरु कर दिया है. कई ऑफिस और अस्पतालों में कोविड को लेकर एडवाइजरी लेकर जारी की गई है. स्वास्थ्य मंत्रालय और विशेषज्ञों ने भी लोगों को मास्क पहनने की सलाह दी है.कोविड से बचाव करने के लिए इम्यूनिटी को स्ट्रांग होने भी बहुत जरूरी है. इसके लिए आप काढ़ा पी सकते हैं. काढ़ा में मौजूद जड़ी-बूटियां जैसे कि तुलसी, अदरक, हल्दी और गिलोय में एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से शरीर को बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है. इससे इम्यूनिटी सिस्टम को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है.ये बेवकूफ जोकर भारत से मुकाबला करना चाहते हैं... किस फोटो पर ओवैसी ने कुवैत में पाकिस्तानी पीएम और आर्मी चीफ मुनीर पर कसा तंज35 साल की मामी का आया 16 साल के भांजे पर दिल, घर पहुंच कर काटा बवाल; बोली- ये मेरा पति है

गिलोय का काढ़ा

गिलोय को सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है. इससे भी काढ़ा बनाया जा सकता है. इससे इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में मदद मिल सकती है. इसे बनाने के लिए सबसे पहले तो एक बर्तन में 2 कप पानी डालें और धीमी आंच पर रखें. इसके बाद गिलोय और बाकी के इंग्रीडिएंट्स जैसे कि अदरक, हल्दी और तुलसी के कुछ पत्तों को पानी में डालें और धीमी आंच पर पकने दें. इस पानी आधा होने तक गैस बंद कर दें. एक कप में इस छानकर निकाल लें और पिएं.

तुलसी के पत्ते और हल्दी

इस काढ़ा को बनाने के लिए सबसे पहले तो एक पैन में पानी डालकर उसे धीमी आंच पर रखें. इसके बाद उस पानी में अदरक, काली मिर्च, हल्दी और तुलसी की पत्तियां डालें. इसके बाद इसे अब 15 से 20 मिनट तक उबालें. जब पानी आधा हो जाए, तो गैस बंद करें और इस छान लें. इसमें अपने स्वाद के मुताबिक गुड़ मिलाएं और धीरे-धीरे पिएं.

मुलेठी और अदरक का काढ़ा

अदरक और मुलेठी का काढ़ा भी बनाया जा सकता है. मुलेठी में मौजूद गुण आपकी इम्यूनिटी को स्ट्रांग बनाने में मदद करते हैं. इसे बनाने के लिए एक पैन में जरूरत के मुताबिक पानी डालें और धीमी आंच पर रख दें. अब इस पानी में तुलसी के पत्ते और अदरक को डालें. इसके बाद इसमें मुलेठी पाउडर और हल्दी डालकर पानी आधा होने तक उबालें जैसे कि अगर आपको 2 गिलास पानी रखा है तो 1 गिलास होने के बाद गैस बंद कर दें. अब इसे थोड़ा ठंडा होने दें.

दालचीनी और लौंग का काढ़ा

दालचीनी और लौंग का काढ़ा से भी इम्यूनिटी बढ़ाने में भी मदद मिल सकती है. ऐसे में इसे इन दोनों का काढ़ा भी बनाकर पिया जा सकता है. इसे बनाने के लिए काढ़ा बनाने के लिए 1 पक पानी में 3 लौंग और 1 इंच दालचीनी डालकर उबालें. पानी आधा होने पर गैस बंद कर दें. इसे छानकर गुनगुना होने पर पिएं.

हल्दी का काढ़ा

हल्दी का काढ़ा सर्दी-जुखाम, सूजन और दर्द जैसी समस्याओं में और इम्यूनिटी को मजबूत बनाने के लिए फायदेमंद माना जाता है. इसे बनाने के लिए एक बर्तन में पानी लें और उसमें हल्दी का टुकड़ा या हल्दी पाउडर डालकर मिक्स करें. पानी आधा होने पर गैस बंद कर दें. इसे गुनगुना होने पर पिएं.काढ़ा बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले ज्यादातर इंग्रीडिएंट्स की तासीर गर्म होती है. इसलिए इस मौसम में इसे सीमित मात्रा या फिर कम पिया जाए, तो सही रहेगा. इसके अलावा रोजाना पीने से पहले अपने एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें.

नये आर्थिक सूरज बनने के सुखद एवं गौरवपूर्ण पल

नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने रविवार की सुबह नये उगते सूरज के साथ भारत के नये आर्थिक सूरज बनने की सुखद एवं आह्लादकारी खबर दी। उन्होंने बताया कि भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अब अगले ढाई से तीन वर्षों में जर्मनी को हटाकर तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकडों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की जीडीपी बन चुके भारत ने अनेक नवीन संभावनाओं एवं उपलब्धियों को पंख लगाये हैं। निश्चित ही भारत आर्थिक क्षेत्र के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में एक महाशक्ति बन कर उभर रहा है, जो हर भारतीय के लिये गर्व एवं गौरव की बात है।

सुब्रह्मण्यम ने कहा, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जर्मनी ही हमसे बड़े हैं और जो योजना बनाई जा रही है, अगर हम उसी पर टिके रहते हैं, अपनी योजनाओं एवं नीतियों को आगे बढ़ाते है तो भारत शीघ्र ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अप्रैल 2025 में कहा था कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के मुताबिक, 2025 में अमेरिका 30,507.217 अरब डॉलर के आकार के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वहीं, चीन 19,231.705 अरब डॉलर के साथ दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा।भारत का चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से विश्व स्तर पर कई महत्वपूर्ण प्रभावों में बढ़ोतरी होगी। भारत का अंतराष्ट्रीय मंचों जैसे जी 20 और आईएमएफ में प्रभाव बढ़ेगा। भारत में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) में और वृद्धि होगी, क्योंकि ग्लोबल कंपनियां भारत को एक आकर्षक बाजार के रूप में देख रही हैं। इससे भारत और जापान के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी, जैसे चंद्रयान-5 और सैन्य सहयोग, भारत-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। भारत इस उपलब्धि के बाद ग्लोबल इकोनॉमिक लीडरशिप की दिशा में और करीब आ गया है। भारत अगर 2028 तक जर्मनी को पीछे छोड़ देता है तो लीडरशिप और मजबूत होगी। भारत विश्वगुरु बनने एवं विश्व नेतृत्व करने में सक्षम होगा। भारत ने जापान को पछाड़ कर जो छलांग लगायी है, इसके पीछे जापान की अर्थव्यवस्था के सामने कई चुनौतियों रही है। आईएमएफ के अनुमान के अनुसार, 2025 में जापान की जीडीपी ग्रोथ रेट केवल 0.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो भारत की 6.5 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है। जापान की उम्रदराज आबादी और लो बर्थ रेट ने लेबर फोर्स को सीमित कर दिया है। अमेरिका और अन्य देशों द्वारा लगाए गए टैरिफ और व्यापार नीतियों ने जापान की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। जापान की अर्थव्यवस्था कई दशकों से स्थिरता के लिए संघर्ष कर रही है, जिसके कारण वह भारत जैसे तेजी से बढ़ते देशों से पिछड़ गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यह भी कहा कि भारत की विकास दर 2025 में 6.2 प्रतिशत और 2026 में 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो कि बाकी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में ज्यादा है। इससे स्पष्ट है कि भारत अब सिर्फ जनसंख्या में ही नहीं, अर्थव्यवस्था के मामले में भी दुनिया में सबसे आगे निकलने की रेस में है। ग्रामीण इलाकों में खपत बढ़ने से ये विकास दर बनी रहेगी। हालांकि, ग्लोबल अनिश्चितता और ट्रेड टेंशन की वजह से इसमें थोड़ा असर पड़ सकता है।

सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था की सुनहरी तस्वीर निर्मित करने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, उनके अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। मोदी सरकार की नियोजित एवं दूरगामी सोच का ही परिणाम है रिजर्व बैंक के पास सोने के भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है। भारत में आर्थिक गतिविधियां नये शिखरों पर सवार है, क्योंकि भारत में डीमैट खाते 19 करोड़ के पार पहुंच चुके हैं। देश के कुल डीमैट खाते अब अन्य देशों की तुलना में नौवें स्थान पर हैं, जिसका मतलब है डीमैट खाते रूस, जापान, इथियोपिया, मैक्सिको जैसे देशों की आबादी से अधिक और बांग्लादेश की आबादी के करीब है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 1,40,000 से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप और हर 20 दिन में एक यूनिकॉर्न उभरता है। यूनिकॉर्न उन स्टार्टअप को कहा जाता है, जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर हो जाता है।

इन आर्थिक उजले आंकड़ों में जहां मोदी के विजन 'हर हाथ को काम' का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर भारत ने जापान को पीछे छोड़ चौथी अर्थ-व्यवस्था बन गयी है। भारत ने अनेक आर्थिक क्षेत्रों में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। लेकिन भारत के सामने चुनौतियां भी नयी-नयी शक्लों में उभर रही है। नयी आर्थिक उपलब्धियों एवं फिजाओं के बीच धनाढ्य परिवारों का भारत से पलायन कर विदेशों मे बसने का सिलसिला चिन्ताजनक है। पलायनवादी सोच के कगार पर खड़े राष्ट्र को बचाने के लिए राजनीतिज्ञों एवं नीति नियामकों को अपनी संकीर्ण मनोवृत्ति को त्यागना होगा। तभी समृद्ध हो य प्रतिभाशाली व्यक्ति अपने ही देश में सुख, शांति, संतुलन एवं सह-जीवन का अनुभव कर सकेगा और पलायनवादी सोच से बाहर आ सकेगा। करोड़पतियो के देश छोड़कर जाने की 7500 की संख्या भले ही कुछ सुधरी है, लेकिन नये बनते, सशक्त होते एव आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत के लिये यह चिन्तन का विषय होना ही चाहिए कि किस तरह भारत की समृद्धि एवं भारत की प्रतिभाएं भारत में ही रहे।भारत के अति समृद्धशालियों की संख्या समूचे विश्व में सर्वाधिक है। इन समृद्धशालियों से उम्मीद यह की जाती है कि देश में रहकर समृद्धि हासिल करने वाले समय आने पर देश को लौटाएंगे भी। तभी देश आर्थिक दृष्टि से दुनिया की महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्रता से गति कर सकेगा। सवाल यही है कि देश को लौटाने और फायदा देने का वक्त आता है तब धनाढ्यों में एकाएक विदेश में जाकर बसने की ललक कैसे और क्यों पैदा हो रही है? अपने देश के प्रति जिम्मेदारी निभाने के समय इस तरह की पलायनवादी सोच का उभरना व्यक्तिगत स्वार्थ, सुविधा एवं संकीर्णता को दर्शाता है। दुनियाभर में धन और निवेश प्रवासन के रुझान को ट्रैक करने वाली कंपनी की सालाना रिपोर्ट में अति समृद्ध भारतीयों का अपना सब-कुछ समेट कर हमेशा के लिए भारत से जुदा हो जाने का अनुमान अनेक प्रश्न खड़े करता है, सरकार को इन प्रश्नों पर गौर करने की जरूरत है।

सदियों पहले भारत एक विकसित सभ्यता एवं सोने की चिड़िया रहा है। भारत हर दृष्टि से समृद्ध देश रहा है। अंग्रेजों की बेड़ियों में जकड़ने से पहले मध्यकालीन दौर में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी रहा। विदेशी आक्रांताओं ने देश को लूटा। इतिहास में झांकें, तो लग सकता है कि मौर्य साम्राज्य की तरह एक बार फिर भारत समृद्धि के शिखर पर आरोहण करते हुए नए आर्थिक सफर एवं दुनिया की बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के लिये साजो-सामान तैयार कर रहा है। मॉर्गन स्टेनली के विशेषज्ञों ने कुछ ही समय पहले कहा है कि अगले दस साल भारत के लिए कुछ वैसे ही तेज विकास का समय होगा, जैसे चीन ने 2007 से 2012 के बीच देखा। आज के भारत में राजनीतिक एकता और सैन्य सुरक्षा के साथ पूरे इलाके का एक आर्थिक तंत्र भी विकसित हो रहा है। आर्थिक समृद्धि का दौर शुरू हुआ है तो इसके बाधक तत्वों पर विचार करना ज्यादा जरूरी है।

संपादकीय

मोदी की विदेश नीति पर सवालिया निशान

नरेन्द्र मोदी सरकार जिस विदेश नीति पर चल रही है, उसके संभावित नुकसान के बारे में राहुल गांधी काफी पहले से आगाह करते रहे हैं। लेकिन कभी भी नेता प्रतिपक्ष श्री गांधी की सही सलाह को मोदी सरकार ने नहीं सुना, बल्कि भाजपा नेता उन्हें राजनीति का नौसिखिया साबित करने में लगे रहे या फिर उनके बयानों से देशविरोधी ताकतों को बल मिलता है, ये आरोप लगाते रहे। अभी डोनाल्ड ट्रंप के युद्धविराम के दावों को लेकर भी राहुल गांधी ने जो सवाल किए उसके बाद भाजपा नेताओं ने यहां तक कह दिया कि राहुल गांधी पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं और उन्हें निशान-ए-पाकिस्तान से नवाज़ा जाएगा। घरेलू राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप चलते रहते हैं, लेकिन विदेश नीति में सारे दल अब तक एकजुटता दिखाते रहे हैं, मगर अब मोदी सरकार में यह परंपरा भी टूट चुकी है। अब विदेश नीति मोदीनीति के तौर पर प्रस्तुत की जा रही है।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर 33 देशों में भेजा गया सर्वदलीय प्रतिनिधमंडल इसकी मिसाल है। भारत के पहले भी पाकिस्तान और चीन के साथ युद्ध हुए, कभी भी भारत ने पहले हमला नहीं किया, बल्कि परिस्थितियां संभालने के लिए उसे हथियार उठाने पड़े। यह बात पूरी दुनिया में अकाट्य सत्य की तरह बनी हुई है, इसलिए इससे पहले भारत को कभी भी अपना पक्ष रखने के लिए सांसदों, राजनयिकों की टोली देश-देश नहीं भेजनी पड़ी। इस बार भी भारत ऐसा कुछ न करता तब भी दुनिया ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल नहीं करती। क्योंकि जैसा हमेशा हुआ, अब भी वैसा ही हुआ कि सीमापार से आतंकी हमारी धरती पर आए, हमला किया, निर्दोष नागरिकों को मारा और तब जाकर भारतीय सेना ने पाकिस्तान के आतंकी अड्डों पर हमला किया। पाकिस्तान ने पलटवार करने के लिए जो कदम उठाए, भारत ने उनका भी तगड़ा जवाब दिया।

अफसोस है कि पुंछ जैसे सीमाई इलाकों में निर्दोष नागरिकों की मौत हुई, लेकिन यहां सेना की नहीं सरकार की गलती थी, कि उसने पहले से नागरिक सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए। बाकी जिन शहरों या सैन्य अड्डों को पाकिस्तान ने निशाना बनाने की कोशिश की, वो सारी हमारी रक्षा प्रणाली ने नाकाम कर दी थी। लेकिन इस बीच डोनाल्ड ट्रंप ने बीच में आकर सब गड़बड़ कर दिया। ट्रंप की मध्यस्थता से भारत युद्ध विराम के लिए सहमत हुआ यह संदेश तो पूरी दुनिया में गया ही, क्योंकि भारत ने अब तक इसका खंडन नहीं किया है।

दूसरी तरफ पाकिस्तान को भी बढ़कर बोलने और खुद को पीड़ित की तरह पेश करने का मौका मिला। मोदी सरकार की विदेश नीति की यह सबसे बड़ी असफलता थी कि जिन देशों ने पहलगाम हमले के तुरंत बाद भारत के लिए सहानुभूति दिखाई, उनमें से कोई ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद भारत के साथ खड़ा नहीं रहा, अफगानिस्तान को छोड़कर।अब प्रधानमंत्री मोदी देश में तो खुद घूम-घूमकर ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय लेने और उस पर राजनीति करने में लगे हैं, उधर उनका पक्ष रखने के लिए विदेशों में गया प्रतिनिधिमंडल भी भारत के पक्ष में माहौल बनाने में किस हद तक सफल होगा, यह विचारणीय है। क्योंकि इन प्रतिनिधिमंडलों की बैठकें अमूमन सामाजिक संगठनों, विचार मंचों, और वहां के प्रवासी भारतीय समुदाय से हो रही हैं, बहुत कम देशों में सरकार के साथ उच्च स्तरीय बैठक इन दलों की हुई है। जबकि विदेश नीति के मसले, किस देश को किस मुद्दे पर कितना साथ देना है, ऐसे फैसले सरकार में ऊंचे पदों पर बैठे लोग ही तय करते हैं, जो नीति निर्धारक होते हैं असल शक्ति उनके हाथों में होती है,

और इन लोगों के साथ सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडलों की बैठकें हुई हैं, ऐसा देखने नहीं मिला। मेहमाननवाजी के तकाजे के हिसाब से अपने देश आए भारतीय प्रतिनिधिमंडल को हर देश सम्मान दे रहा है, उनकी बात सुन रहा है, आतंकवाद की निंदा भी कर रहा है, लेकिन क्या मोदी सरकार का मकसद केवल यही था। अगर ऐसा ही समर्थन जुटाना था तो फिर इन तमाम देशों में भारतीय दूतावास इस जिम्मेदारी को पूरा कर सकते थे। अच्छी, मनलुभावन बातें करने के लिए क्या जनता के धन पर इन प्रतिनिधिमंडलों को भेजा गया है।

ट्रम्प का व्यापार धर्मयुद्ध : विनिर्माण राष्ट्रवाद की बेपरवाह कोशिश

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जिस आर्थिक राष्ट्रवाद कहते हैं वह अब उनका व्यापार धर्मयुद्ध बन गया है जिसके लिए वह अथक प्रयास कर रहे हैं

व्यापार जिहाद केवल एक आर्थिक अभियान नहीं है - यह एक राजनीतिक प्रदर्शन, चुनावी लाभ के लिए सावधानीपूर्वक बानाया गया अभियान है। फिर भी, इस प्रदर्शन की एक कीमत है। स्मार्टफोन और अन्य तकनीकी उत्पादों पर टैरिफ अनिवार्य रूप से उपभोक्ताओं पर डाला जायेगा, जिनमें से कई उन्हीं लोगों से संबंधित हैं, जिसकी रक्षा करने का दावा ट्रम्प करते हैं।

अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रम्प जिस आर्थिक राष्टवाद कहते हैं वह अब उनका व्यापार धर्मयुद्ध बन गया है जिसके लिए वह अथक प्रयास कर रहे हैं। इसके तहत वह वैश्विक अर्थव्यवस्था के नये और अधिक विविध क्षेत्रों को निशाना साध रहे हैं। इस अभियान का नवीनतम मोर्चा हाई-टेक उद्योग है, जिसमें स्मार्टफोन निर्माण पर विशेष ध्यान दिया गया है।

इस धर्मयुद्ध में सबसे खास घटनाक्रमों में से एक ट्रम्प द्वारा एप्पल के सीईओ टिम कुक को आईफोन निर्माण गतिविधियों को भारत से वापस संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थानांतरित करने के लिए राजी करने की कोशिश, जिसमें वह स्पष्ट रूप से विफल हो गये हैं। यह विफलता एक कठोर वास्तविकता को उजागर करती है- कॉर्पोरेट रणनीति उतनी लचीली नहीं है जितनी ट्रम्प उम्मीद कर सकते हैं, और वैश्विक विनिर्माण को आधार देने वाले आर्थिक तर्क को राजनीतिक दबाव से आसानी से पलटा नहीं जा सकता, भले ही दुनिया के सबसे शक्तिशाली कार्यालय द्वारा उसे लागू किया गया हो। भारत में अपने विनिर्माण कार्यों को जारी रखने और यहां तक कि विस्तार करने का एप्पल का निर्णय कई कारणों से प्रेरित है - लागत दक्षता, एक उभरते बाजार तक पहुंच और चीन पर अत्यधिक निर्भरता के खिलाफ भू-राजनीतिक बचाव। यह केवल ट्रम्प की अवहेलना का मामला नहीं है, बल्कि यह लोकलुभावन बहादुरी पर व्यावसायिक तर्क

की जीत है।इस प्रतिरोध पर ट्रम्प की प्रतिक्रिया विशिष्ट रूप से आक्रामक रही है। अपने दृष्टिकोण को फिर से मापने के बजाय, उन्होंने च्थर्ड डिग्रीज् तरीकों के माध्यम से कदम उठाये हैं जिसे आर्थिक जबरदस्ती ही कहा जा सकता है। इनमें अनुपालन को मजबूर करने के उद्देश्य से टैरिफ और अन्य दंडात्मक उपायों की धमकियां शामिल हैं। उच्च आयात शुल्क की धमकियों के साथ एप्पल को लक्षित करके और सैमसंग को इसी तरह की धमकियाँ देकर, ट्रम्प वैश्विक तकनीकी दिग्गजों को अपने घरेलू विनिर्माण एजंडे के साथ संरेखित करने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, यह रणनीति विरोधाभासों और खतरों से भरी हुई है।

स्मार्टफोन निर्माण एक अत्यधिक जटिल और अधिक पूंजी लगने वाली प्रक्रिया है। यह एक सुव्यवस्थित वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर निर्भर करता है जिसमें कई देशों के घटक, अत्यधिक कुशल श्रम और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा शामिल हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका, अपनी सभी तकनीकी क्षमताओं के बावजूद, वर्तमान में प्रतिस्पर्धी मूल्य पर घरेलू स्तर पर स्मार्टफोन का उत्पादन करने के लिए सक्षम नहीं है क्योंकि वहां बड़े पैमाने पर सुविधाओं और लागत संरचना का अभाव है। इस बदलाव को मजबूर करने के किसी भी प्रयास के परिणामस्वरूप उपभोक्ता कीमतें काफी बढ़ सकती हैं, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान आ सकता है और संभावित रूप से उत्पाद की गुणवत्ता के मुद्दे भी हो सकते हैं। यह उनकी नीति का बाजार की वास्तविकताओं से टकराव का एक पाठ्यपुस्तक वाला मामला है।इसके अलावा, ट्रम्प का अभियान उनकी विदेश नीति की लेन-देन प्रकृति से कमज़ोर है। भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी तथाकथित दोस्ती, जिसका वे अक्सर सार्वजनिक भाषणों और रैलियों में बखान करते हैं, उस समय लुप्त हो जाती है जब अमेरिकी कॉर्पोरेट हित उनके राष्ट्रवादी एजंडे के साथ संरेखित नहीं होते हैं। यह दोहरापन अंतरराष्ट्रीय भागीदारों द्वारा अनदेखा नहीं किया जाता है, जो तेजी से अमेरिकी नीति को अनिश्चित और स्वार्थी के रूप में देखते हैं। यह कूटनीतिक रिश्तों की ईमानदारी और स्थायित्व पर भी सवाल उठाता है, जो साझा मूल्यों या दीर्घकालिक रणनीतिक हितों के बजाय सुविधा पर आधारित होते हैं।यह असंगतता वैश्विक मंच पर संयुक्त राज्य अमेरिका की विश्वसनीयता को कमज़ोर करती है। ट्रम्प के एजेंडे के केंद्र में यह विश्वास है कि विनिर्माण नौकरियों को क्रूर बल द्वारा अमेरिका में वापस लाया जा सकता है। वह टैरिफ और व्यापार बाधाओं के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्र के पुनरुद्धार की कल्पना करते हैं, बावजूद इसके कि दशकों के आर्थिक विकास ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को सेवाओं, स्वचालन और डिजिटलीकरण की ओर बढ़ाया है। आर्थिक महानता का यह उदासीन दृष्टिकोण एक बीते युग की याद दिलाता है जिसे केवल आदेश द्वारा पुनर्जीवित नहीं किया जा सकता है। आज विनिर्माण कमज़ोर, अधिक स्वचालित और मानव श्रम पर कम निर्भर है। ऑफ़शोरिंग के कारण खोयी गयी नौकरियां वही नहीं हैं जो सबसे अनुकूल परिस्थितियों में भी वापस आ सकती हैं।

वास्तव में, व्यापार जिहाद केवल एक आर्थिक अभियान नहीं है - यह एक राजनीतिक प्रदर्शन, चुनवी लाभ के लिए सावधानीपूर्वक बानाया गया अभियान है।फिर भी, इस प्रदर्शन की एक कीमत है। स्मार्टफोन और अन्य तकनीकी उत्पादों पर टैरिफ अनिवार्य रूप से उपभोक्ताओं पर डाला जायेगा, जिनमें से कई उन्हीं लोगों से संबंधित हैं, जिसकी रक्षा करने का दावा ट्रम्प करते हैं। उदाहरण के लिए, सैमसंग स्मार्टफोन पर 25 प्रतिशत टैरिफ अमेरिकी खरीदारों के लिए उन्हें काफी महंगा बना देगा, जिससे उपभोक्ता विकल्प कम हो जायेंगे और संभावित रूप से मांग कम हो जायेगी। एप्पल के लिए, प्रभाव और भी अधिक स्पष्ट हो सकता है, क्योंकि यह पहले से ही प्रीमियम मूल्य बिंदु पर है और लाभ मार्जिन बनाये रखने के लिए मात्रा पर बहुत अधिक निर्भर करता है। उच्च कीमतें बिक्री को नुकसान पहुंचा सकती हैं, कंपनी की बाजार स्थिति को कमजोर कर सकती हैं, और यहां तक कि इसके स्टॉक मूल्य को भी प्रभावित कर सकती हैं। इसके जो परिणाम होंगे वे व्यापक अर्थव्यवस्था में लहर की तरह होंगे।इसके अलावा, टैरिफ लगाने से अमेरिकी धरती पर कारखानों के विदेशों से वांछित स्थानांतरण के लक्ष्य हासिल होने की संभावना नहीं है। इसके बजाय कंपनियां अन्य उभरते बाजारों में विविधता ला सकती हैं जहां श्रम और उत्पादन लागत अभी भी अनुकूल हैं। वियतनाम, इंडोनेशिया और मैक्सिको इसके प्रमुख उदाहरण हैं। यह न केवल अमेरिकी टैरिफ को दरकिनार करेगा बल्कि वैश्विक तकनीकी अर्थव्यवस्था को आकार देने में अमेरिकी प्रभाव को और भी कम करेगा। नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास उत्पादन के विकेंद्रीकरण को तेज कर सकता है, जिससे इसके रणनीतिक लक्ष्य कमज़ोर हो सकते हैं।

ऐसे मुस्कुराएगी गर्मियों में स्किन...

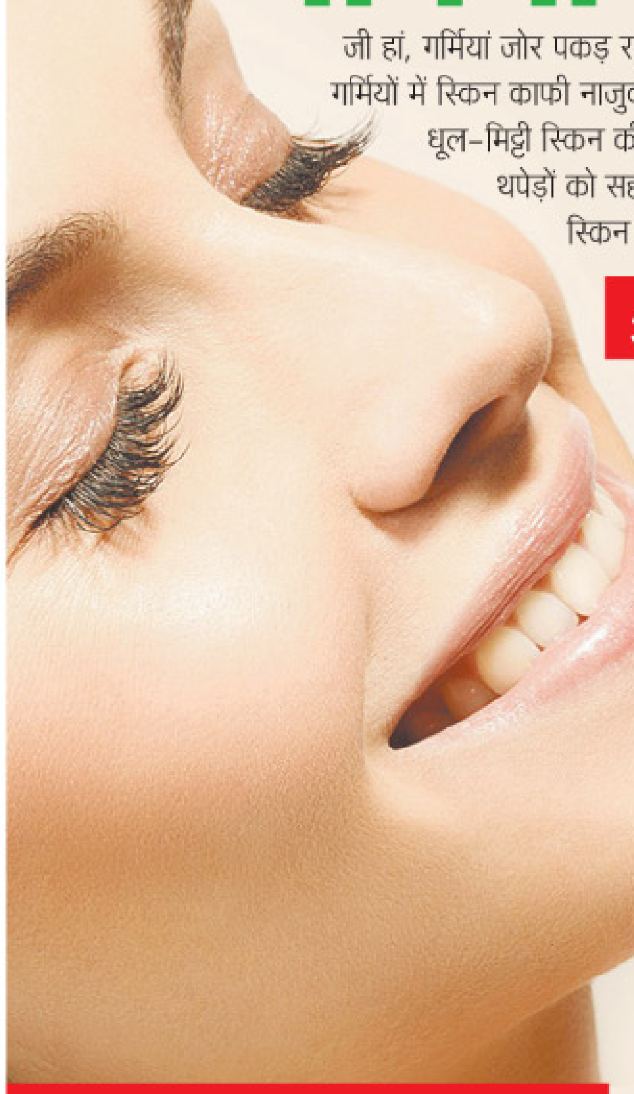

जी हां, गर्मियां जोर पकड़ रही हैं। घर से बाहर निकलना मानों मुसीबत को न्यौता देने हो गया है। गर्मियों में स्किन काफी नाजुक और सेंसिटिव हो जाती है। सूरज की तीखी किरणें, नमी की कमी व धूल-मिट्टी स्किन की रंगत कम कर देते हैं। आपकी खूबसूरत स्किन कैसे मौसम के इन थपेड़ों को सहने के बावजूद मुस्कुरा सकते हैं। जैसी स्किन, वैसी केयर। चेहरे की स्किन भी कई तरह की होती है इसलिए केयर के तरीके भी बदल जाते हैं।

ऑइली स्किन

ऑइली स्किन देखने में ऐसी लगती है जैसे चेहरे पर तेल लगाया हुआ हो। ऐसी स्किन को धोने के थोड़ी देर बाद तेल निकल आता है। इस तरह की स्किन पर लगया गया मेकअप जल्दी खराब हो जाता है। ऐसी स्किन पर तिल, मुहांसे और फुंसियां निकलने की आशंका ज्यादा रहती है। ऐसी स्किन को खास ख्याल की जरूरत होती है। किशोरावस्था में ऐसी स्किन में कुछ ज्यादा ही चिकनाहट नजर आती है, जो उम्र बढ़ने के साथ-साथ कम हो जाती है।

ऑयली स्किन की देखभाल

- फेस को कम से कम दिन में चार-पांच बाद धोएं।
- उसी मेकअप का इस्तेमाल करें जो खासतौर पर ऑइली स्किन के लिए बनाया गया हो।
- ऐसी स्किन पर फेस-मास्क और पैक वही लगाएं, जो ऑइली स्किन के लिए ही बने हैं।
- अधिक मात्रा में चीनी, अधिक मसालेदार और ऑयली खाना न खाएं।
- मेकअप से पहले चेहरे पर ऐस्ट्रिनजेंट लगाएं।

घरेलू नुस्खे

- एक चम्मच शहद में अंडे की सफेदी मिलाकर अपने चेहरे और गर्दन पर मलें। 10-15 मिनट बाद धो लें।
- दो चम्मच पपीते का गूदा, 10 बूंद नीबू के रस को डालकर अच्छी तरह मसलें। इसे चेहरे पर लगाएं। सूखने के बाद चेहरा ठंडे पानी से धो लें।
- मटर के दानों को छाया में सुखा कर पीस लें और शीशी में भरकर रखें। दो च्मच गुलाब जल में एक चम्मच मटर पाउडर मिलाकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं।जब यह सूख जाए तो ठंडे पानी से धो लें। ऐसा हफ्ते में दो बार करने स्किन में ऑयल कुछ कम होता है।
- संतरा, माल्टा, तरबूज या पपीता इन सबका रस चेहरे पर लगाएं। इनमें से किसी का भी रस 10-15 मिनट लगा कर रखें और बाद में चेहरा धो लें। इससे स्किन पोर्स खुल जाएंगे और खून का दौरा बढ़ेगा।

ड्राई स्किन

ऐसी स्किन पर खुश्की की वजह से सफेद-सफेद दाग

निकलने लगते हैं। सही देखभाल की कमी से ऐसी स्किन वाले वक्त से पहले ही बूढ़े नजर आने लगते हैं। ड्राई स्किन पर मौसम का असर फौरन होता है। तेज हवा, धूप और ठंडे पानी से ऐसी स्किन को बचाना चाहिए। इस तरह की स्किन को ठंडे पानी से कम धोना चाहिए और साबुन का इस्तेमाल भी कम करना चाहिए। ड्राई स्किन पर मॉइश्चराइजिंग क्रीम गर्दन और शरीर के उन भागों पर भी लगाएं, जो दिनभर खुले रहते हैं।

ड्राई स्किन की देखभाल

- साबुन का इस्तेमाल न करें, वरना स्किन और सूखी हो जाएगी।
- बहुत देर एयर कंडिशनर और रूम हीटर का इस्तेमाल न करें।
- अधिक देर तक सूरज के सामने बैठना स्किन को सूखा और बेजान बनाता है।
- अल्कोहल वाले स्किन लोशन का इस्तेमाल न करें।

घरेलू उपाय

- हफ्ते में एक बार चेहरे की मालिश जरूर करें।
- हफ्ते में एक बार खरबूजे के रस से चेहरे को धोएं।
- स्किन साफ करने या मेकअप रिमूव करने के बाद स्किन टॉनिक जरूर लगाएं।
- मेकअप से पहले मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें।
- चेहरे को .लीजिंग मिल्क से साफ करें और ऐस्ट्रिनजेंट लोशन का इस्तेमाल न करें।
- ज्यादा ड्राई स्किन के लिए मिल्क सोप का इस्तेमाल करें और कोल्ड क्रीम जरूर लगाएं।

ड्राई स्किन के लिए उबटन

- एक चम्मच बादाम रोगन में 10 चम्मच ठंडा कच्चा दूध और एक चम्मच चीनी मिलाकर रुई के फाहे से पूरे चेहरे और गर्दन पर लगाएं। 15 मिनट बाद चेहरा पानी से धो लें।
- एक अंडे की जर्दी (पीला हिस्सा) में 2 चम्मच संतरे का रस मिलाएं, पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं। 30- 35 मिनट बाद चेहरा धो दें।
- 50 ग्राम सोयाबीन या मसूर की दाल को रात भर भिगोकर रखें। सुबह छिलका उतार कर बारीक पीसिए। उसमें थोड़ा सा कच्चा दूध और 4-5 बूंदें बादाम रोगन की डालें। पेस्ट बनाकर फेस पर लगाएं। सूखने के बाद ताजे पानी से धो लें। यह पेस्ट अगली बार इस्तेमाल करने के लिए फ्रिज में रख सकते हैं।
- एक चम्मच बेसन, 1 चुटकी हल्दी, आधा चम्मच शहद और आधा चम्मच जैतून का तेल मिलाकर चेहरे पर लगाने से ड्राई स्किन में चमक आने लगती है।
- एक छोटा चम्मच बारीक पिसी हुई मुल्तानी मिट्टी में एक छोटा चम्मच गुलाब जल और .लीजिंग मिल्क मिलाकर पेस्ट तैयार करें और चेहरे पर लगाएं। 15-20 मिनट बाद चेहरा गुनगुने पानी से धो लें।
- चेहरे की स्किन अगर लू लगने से खुश्क हो गई है तो एक कप पानी में एक चम्मच मक्खन डालकर गरम करें और चेहरे पर रुई के फाहे से लगाएं। ऐसा 10- 15 मिनट करें। फिर चेहरा सूखी रुई से पोंछ लें।

नॉर्मल स्किन

ऐसी स्किन वालों का चेहरा काफी फ्रेश दिखता है। इस प्रकार की स्किन न तो ऑयली होती है और न ड्राई। ऐसी स्किन पर अगर कम मेकअप करें तो बेहतर होगा। अगर ऐसा न कर सकें तो कम से कम हफ्ते में एक दिन मेकअप फ्री रहें।

नॉर्मल स्किन की देखभाल

- नॉर्मल स्किन को हमेशा माइल्ड सोप (जैसे कि जॉनसन बेबी शॉप, डव, पीयर्स आदि) या फेशवॉश से साफ करें।
- चेहरे को धोते वक्त पानी का ज्यादा इस्तेमाल करें।
- चेहरे की सफाई के लिए उसे धोने से पहले .लींजिंग लोशन या क्रीम लगाकर रुई से पोछें। जब भी बाहर से आएं तो चेहरे को साफ जरूर करें।
- जब मेकअप करें तो उसे सोने से पहले रिमूव जरूर करें।
- सर्दियों में और गर्मियों में नॉर्मल स्किन के लिए माकूल मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें। आमतौर पर नॉर्मल स्किन के लिए ढेर सारे मॉइश्चराइजर आसानी से मिल जाते हैं।

घरेलू नुस्खे

- तरबूज, कद्दू, खीरा और खरबूजे के बीज बराबर मात्रा में लेकर दूध में बारीक पीस लें और इसे मलाई के साथ फेस पर लगाएं। एक घंटे बाद धो दें।
- सरसों को बारीक पीस कर दूध या पानी में लेई-सी बना लें। इसके रोज लगाने से रंगत निखरती है।
- नहाते वक्त पानी में एक चूमच जैतून का तेल मिला देने से स्किन मुलायम होती है।

तरावट लाए तरबूज का शरबत

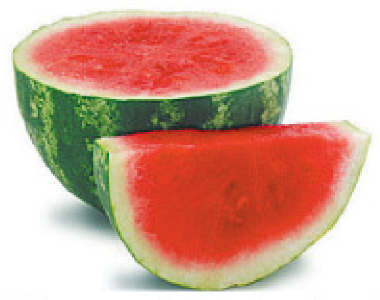

तरबूज का शरबत बहुत ही स्वादिष्ट होता है। यह हमें चिपचिपी गर्मी, धूप, लू, उमस, आदि में ठंडक देने का काम करता है। उत्तर भारत में तो लोग इसके बारे में कम ही जानते हैं, लेकिन मुंबई में यह हर जगह मिलता है और लोग इसे बहुत पसंद भी करते हैं। तो आइये आज हम भी मुंबई का मशहूर तरबूज का शरबत बनाते हैं।

आवश्यक सामग्री-

5 गिलास शरबत बनाने के लिये-

तरबूज - 2- 2.1/2 किग्रा.

नींबू - 1

बर्फ के क्यूब्स - 1 कप

विधि-

तरबूज का शरबत बनाने के लिये सबसे पहले तरबूज को धोकर काटिये और फिर इसके मोटे हरे भाग को काट कर अलग कर दीजिये। अब लाल वाले भाग को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट कर मिक्सी में पीस लीजिये। थोड़ी देर बाद जब तरबूज का गूदा और रस

बिल्कुल घुल जाए तब इस जूस को छलनी में छान लीजिये।

अब इस जूस में नींबू निचोड़ कर अच्छे से मिलाइये और फिर इसे गिलासों में डाल दीजिये। ठंडा करने के लिये इसमें अपने अनुसार बर्फ डाल दीजिये और चाहें तो गिलास में शरबत के ऊपर 1-2 पोदीने की पत्तियाँ भी सजा दीजिये (यदि आप को इसमें मीठा कम लग रहा हो तो आप अपने स्वादानुसार इसमें चीनी मिला कर इसे और अधिक मीठा भी कर सकते हैं, लेकिन चीनी मिलाने के बाद यह जूस अपना वास्तविक स्वाद खो देता है)।

ठंडा-ठंडा तरबूज का शरबत तैयार है। अब इसे जितना मर्जी पीजिये और घर में सभी को पिलाइये।

यकीन मानिये इस शरबत को पीने के बाद आप बाजार में बिकने वाले बनाबटी रंग और स्वाद वाली रंगीन पानी की बोतलों को छुएंगे भी नहीं

जानिये आलू की खासियतें

भारत और विश्व में आलू विख्यात है और अधिक उपजाया जाता है7 आलू को हमेशा छिलके समेत पकाना चाहिए क्योंकि आलू का सबसे अधिक पौष्टिक भाग छिलके के एकदम नीचे होता है, जो प्रोटीन और खनिज से भरपूर होता है। आलू में स्टॉर्च, पोटाश और विटामिन ए व डी होता है।

यह अन्य सब्जियों के मुकाबले सस्ता मिलता है लेकिन है गुणों से भरपूर 7 आलू से मोटापा नहीं बढ़ता7 आलू को तलकर तीखे मसाले, घी आदि लगाकर खाने से

जो चिकनाई पेट में जाती है, वह चिकनाई मोटापा बढ़ाती है7 आलू को उबालकर अथवा गर्म रेत या राख में भूनकर खाना लाभदायक और निरापद है।

- आलू में विटामिन बहुत होता है।
- आलू को छिलके सहित गरम राख में भूनकर खाना सबसे अधिक गुणकारी है।
- भुना हुआ आलू पुरानी कब्ज और अंतड़ियों की सड़ांध दूर करता है7 आलू में पोटेशियम साल्ट होता है जो अम्लपित्त को रोकता है।
- चार आलू सेंक लें और फिर उनका छिलका उतार कर नमक, मिर्च डालकर नित्य खाएं। इससे गठिया ठीक हो जाता है।

हरा भाग खतरनाक

आलू के हरे भाग में सोलेनाइन विषैला पदार्थ होता है, जो शरीर के लिए नुकसानदायक होता है। आलू के अंकुरित हिस्से का भी प्रयोग नहीं करना चाहिए।

आलुओं में प्रोटीन होता है, सूखे आलू में 8 .5 प्रतिशत प्रोटीन होता है।

- आलू का प्रोटीन बूढ़ों के लिए बहुत ही शक्ति देने वाला और बुढ़ापे की कमजोरी दूर करने वाला होता है। आलू में कैल्शियम, लोहा, विटामिन-बी तथा फास्फोरस बहुतायत में होता है।
- आलू खाते रहने से रक्त वाहिनियां बड़ी आयु तक लचकदार बनी रहती हैं तथा कठोर नहीं होने पातीं।
- इसको छिलके सहित पानी में उबालें और गल जाने पर खाएं। यदि दो-तीन आलू उबालकर छिलके सहित थोड़े से दही के साथ खा लिए जाएं तो ये एक संपूर्ण आहार का काम करते हैं।
- आलू के छिलके ज्यादातर फेंक दिए जाते हैं, जबकि अच्छी तरफ साफ़ किये छिलके सहित आलू खाने से ज्यादा शक्ति मिलती है।

ऊर्जा का भंडार

केला

भारत में केला हर जगह पाया जाता है और इसकी सबसे अच्छी किस्में भारत में ही होती हैं 7 भले ही रोज एक सेब खाने से आप डॉक्टर के पास जाने से बच सकते हैं, लेकिन केला खाने से आप अपनी पूरी जिन्दगी स्वस्थ्य रह सकते हैं। रिसर्च के मुताबिक केला आपको कई बीमारियों से बचा सकता है।

तो आइए जानते हैं केला खाने का स्वास्थ्य लाभ -

1 - केला खिलाड़ियों का प्रिय फल है क्योंकि यह तुरंत एनर्जी प्रदान करता है। सुबह नाश्ते में केला खाने से ऊर्जा बढ़ती है और सूकरोज़, फ्रक्टोज़ और ग्लूकोज जैसे पोषक तत्व भी मिलते हैं। यदि आप दिन भर भूखे प्यासे रहते हैं, तो केवल केला ही खा लें देखिये अन्य फल के मुकाबले केले से तुरंत एनर्जी मिलेगी।

2- केले में प्रोटीन पाया जाता है, जो कि दिमाग को आराम देता है इसलिए डिप्रेशन दूर करने में सहायक है 7

3- दूध के साथ केला और शहद मिला कर पीने से अनिद्रा की समस्या दूर हो जाती है।

4- केले में रेशा पाया जाता है, जिससे पाचन क्रिया मजबूत बनती है। गैस्ट्रिक व कब्ज़ की बीमारी वाले लोंगो के लिये केला बहुत प्रभावशाली उपचार है। अक्सर यात्रा के दौरान कब्ज की शिकायत हो जाती है। इसको दूर करने के लिये केला एक अच्छा विकल्प है 7

5- केला शरीर के खून में हीमोग्लोबिन को बढ़ाता है। जिससे एनीमिया की शिकायत दूर हो जाती हैवे लोग जो एनीमिया से प्रभावित हैं, उन्हें अपने भोजन में केला शामिल करना चाहिये।

6 - केले में पोटैशियम पाया जाता है, जो उच्चरक्तचाप के रोगियों के लिए विशेष लाभकारी होता है7 केला खाने से उच्चरक्तचाप

सामान्य बना रहता है 7

7- दो केले लगभग 100 ग्राम दही के साथ सेवन करने से दस्त व पेचिश में लाभ होता है 7

8 - केले पर चीनी और इलायची डालकर खाने से खट्टी डकारें आनी बंद हो जाती हैं।

स्वादिष्ट कसूंदी का उठाएं जायका

कसूंदी सॉस खाने में बेहद स्वादिष्ट व चटपटी लगती है। इसे आप पकौड़ों, पिज़्ज़ा, सैंडविच या किसी भी स्नैक्स के साथ खा सकते हैं। कसूंदी बनाना बेहद आसान है और इसे बनाने में ज्यादा समय भी नहीं लगता। तो आइये आज कसूंदी बना लेते हैं।

आवश्यक सामग्री-

राई (काली सरसों) - 2 टेबल स्पून

पीली सरसों - 2 टेबल स्पून

कच्चे आम - 2 या 300 ग्राम (मीडियम आकार के)

अदरक - 2 इंच लंबा टुकड़ा

हरी मिर्च - 4-5

लाल मिर्च - 1/2 छोटी चम्मच

जीरा - 1 छोटी चम्मच

धनिया पाउडर - 2 छोटी चम्मच

चीनी - 1 छोटी चम्मच

सरसों का तेल - आधा कप

हींग - 1/4 छोटी चम्मच से कम

हल्दी पाउडर - 1 छोटी चम्मच

सिरका - एक चौथाई कप

नमक - 2 छोटी चम्मच (स्वादानुसार)

विधि-

आम को धोकर छीलिये और गूदा निकाल कर काट लीजिये, राई और पीली सरसों को अच्छी तरह से साफ कर लीजिये, हरी मिर्च के डंठल हटा कर मिर्चों को धो लीजिये और अदरक को छील कर धोकर उसके टुकड़े कर लीजिये।

मिक्सर में राई, पीली सरसों, आम का गूदा, हरी मिर्च, अदरक के टुकड़े, जीरा, धनिया पाउडर, हींग, हल्दी पाउडर व चीनी डालकर बारीक पीस लीजिये और यदि ये मसाले पीसते समय पानी की आवश्यकता लग रही हो तो 1-2 टेबल स्पून पानी मिलाकर सभी मसालों को अच्छी तरह पीस लीजिये।

अब कढ़ाई में तेल गर्म कीजिये और उसमें पिसे हुए मसाले डालकर धीमी गैस पर 3-4 मिनट तक अच्छी तरह भूनिये। जब मसालों से भुनने की महक आने लगे तो गैस बंद कर दीजिये और मसालों के इस मिश्रण में सिरका व नमक मिलाकर इसे किसी कांच के कंटेनर में भर कर धूप में रख दीजिये। 3-4 दिन बाद जब आप देखें कि कसूंदी के ऊपर तेल तैरने लगा है तो समझ लीजिये कि कसूंदी खाने के लिये तैयार है। अब इसे आप गरमा गरम पालक या गोभी आलू के पकौड़ों के साथ परोस कर खाइये और बची हुई कसूंदी को फ्रिज में रखकर 6 महिने तक कभी भी खाइये।

सुझाव - कसुंदी को कांच के कंटेनर में भरने से पहले उस कंटेनर को उबलते हुए पानी से अच्छी तरह धोकर सुखालें ताकि कसूंदी जल्दी खराब न हो और ज्यादा दिन तक चल सके।

आक्रामकता, पुरुषों की ताकत औरतों की कमजोरी!

वॉशिगटन। यदि आप जिरह के दौरान आक्रामक रुख अख्तियार करने की आदत रखते हैं और पुरु ष हैं तो यह आपको प्रभावशाली बनाता है लेकिन औरतों के मामले में इसका नकारात्मक असर होता है। मानवीय व्यवहारों से संबंधित पत्रिका ''जर्नल लॉ एंड ह्यूमन बिहेवियर' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार अपने तर्क को आक्रामक तरीके से रखने वाले पुरु ष सामने वालों को प्रभावित करते हैं जबकि औरतें आक्रामक होने के बाद अपेक्षाकृत कम प्रभावी हो जाती हैं। इस अध्ययन की सहायक लेखिका जेसिका सालेर्नो ने कहा कि आक्रामक होकर सामने वालों को प्रभावित करने की क्षमता संभवत- औरतों में नहीं होती है। उन्होंने कहा कि इस अध्ययन में हर उस औरत के लिए गहरे निहितार्थ हैं जो कामकाज में या निजी जिंदगी के अपने फैसलों में प्रभाव लाना चाहती हैं। सालेर्नो ने कहा कि यदि कोई महिला राजनेता बहस के दौरान आक्रामक तरीके से अपना पक्ष रखती है तो वह लोगों को कम प्रभावित कर पाती है वहीं, इसकी संभावना है कि बिना आक्रामकता के अपना पक्ष रखने पर वह अपेक्षाकृत अधिक प्रभावित साबित हो।इस अध्ययन में स्नातक के 210 विद्यार्थियों को शामिल किया गया था और उन्हें एक आदमी द्वारा अपनी पत्नी की हत्या करने के प्रयास से संबंधित एक सच्ची घटना से जुड़ी 17 मिनट की फिल्म दिखाई गई। अध्ययन के प्रतिभागियों को इस केस के सारे वक्तव्य एवं गवाहों के बयान पढ़ाए गए तथा उन्हें घटनास्थल एवं इस्तेमाल किए गए हथियार की तस्वीर दिखाई गई। सभी प्रतिभागियों ने एक समान तकरे को ध्यान से पढ़ा लेकिन कुछ लोगों ने आक्रामक तरीके से अपनी बात रखी जबकि कुछ ने भय के साथ तथा बाकियों ने भावुक होकर सामान्य तरीके से अपना पक्ष रखा। अध्ययन करने वाले शोधार्थियों ने पाया कि आदमियों द्वारा आक्रामकता दिखाने के बाद प्रतिभागियों का अपने मत के प्रति भरोसा कम हुआ जबकि औरतों द्वारा ठीक पुरु षों जैसी भाव-भंगिमा एवं वैसी ही आक्रामकता के साथ एकसमान पक्ष रखने के बावजूद प्रतिभागियों का अपने मत के प्रति भरोसा पुख्ता हुआ।

अत्यधिक नमक लिवर खराब करता है

पेइचिंग। भोजन में अत्यधिक नमक प्रयोग करने से केवल रक्तचाप बढ़ने की ही समस्या पैदा नहीं होती, बल्कि इससे वयस्कों और विकसित भ्रूण का यकृत भी खराब हो सकता है।

■ यदि आप एक स्वस्थ वयस्क हैं तो आपको प्रति दिन सिर्फ एक छोटा चम्मच नमक लेने की जरूरत है

■ कोशिकाओं से होने वाले नुकसान को विटामिन 'सी' के माध्यम से कम किया जा सकता है

एक नए अध्ययन में यह चेतावनी दी गई है।अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि हमारे शरीर को बहुत कम मात्रा में नमक की आवश्यकता होती है। अमेरिकी सरकार सलाह देती है कि यदि आप एक स्वस्थ व्यस्क हैं तो आपको प्रति दिन एक छोटा चम्मच नमक लेने की आवश्यकता है।

कुछ अनुसंधानकर्ताओं ने संकेत दिया है कि सोडियम के आवश्यकता से अधिक प्रयोग से उच्च रक्तचाप की समस्या के अलावा यकृत भी खराब हो सकता है। चीन की ''जिनान यूनीवर्सिटी' के शुएसोंग यांग और उनके सहकर्मी सोडियम के कोशकीय स्तर पर संभावित प्रभाव के बारे में पता करना चाहते थे।अनुसंधानकर्ताओं ने एक वयस्क चूहे को अत्यधिक नमकयुक्त आहार दिया और चूहों के भ्रूणों को एक खारे पर्यावरण में रखा। अत्यधिक सोडियम से अजीब आकार की कोशिकाएं विकसित होने, कोशिका समाप्ति में वृद्धि और कोशिका प्रसार में कमी समेत जीवों के यकृत में कई तरह के बदलाव हुए। अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि खराब कोशिकाओं का विटामिन ''सी' के माध्यम से उपचार करके अत्यधिक नमक के कारण हुए दुष्प्रभाव को आंशिक रूप से कम किया जा सकता है। यह अध्ययन ''जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री' में प्रकाशित किया गया है।

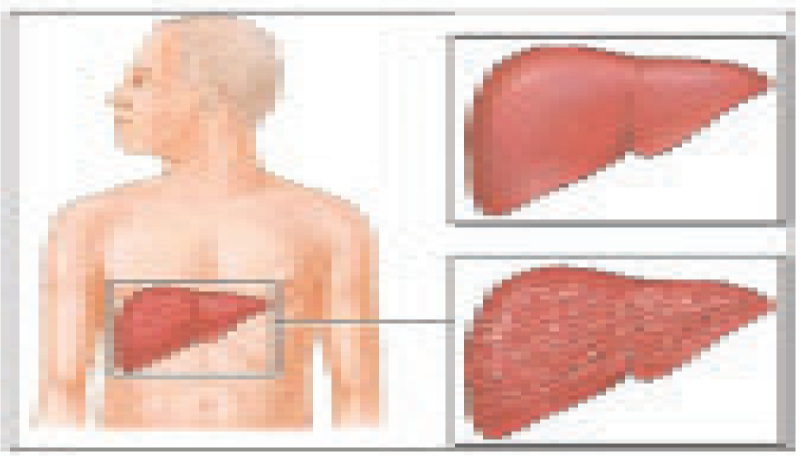

आपके धूम्रपान से बांझ हो सकती है पत्नी!

■ एक्टिव और पैसिव दोनों प्रकार के धूम्रपान से महिलाओं में बांझपन और समय से पहले रजोनिवृति का खतरा बढ़ जाता है

■ जो महिलाएं धूम्रपान नहीं करती हैं उन्हें भी इस मुसीबत का पैसिव स्मोकिंग के जरिए सामना करना पड़ सकता है

नई दिल्ली। किसी का धूम्रपान दूसरों को ज्यादा नुकसान पहुंचाता है। आप के द्वारा छोड़ा गया धुंआ आपको तो बीमार कर ही रहा है साथ ही आपके आसपास के लोगों को भी बीमार व कैंसर जैसी भयानक बीमारी दे रहा है। एक नए शोध के मुताबिक, धूम्रपान की लत से महिलाओं में बांझपन का खतरा बढ़ सकता है। धूम्रपान की बढ़ती लत और तंबाकू सेवन करने वाली महिलाएं बांझपन और रजोनिवृति का शिकार हो सकती है। एक नए शोध के मुताबिक, यह चेतावनी दी गई है कि एक्टिव और पैसिव दोनों प्रकार के धूम्रपान से महिलाओं में बांझपन और समय से पहले रजोनिवृति का खतरा बढ़ जाता है। शोध के मुताबिक, धूम्रपान के जरिए तंबाकू के शरीर में अंदर जाने से मीनपॉज यानी रजोनिवृति एक या दो साल पहले हो सकता है। जो महिलाएं धूम्रपान नहीं करती हैं उन्हें भी इस मुसीबत का पैसिव स्मोकिंग के जरिए सामना करना पड़ सकता है। न्यूयॉर्क के ''रोजवेल पार्क कैंसर इंसीट्यूट' में किए गए शोध के मुताबिक, इस सर्वे के तहत यह बात साफ हो जाती है कि धूम्रपान एक्टिव हो या पैसिव दोनों प्रकार से महिलाओं में बांझपन और रजोनिवृति के लिए खतरा बन सकता है। शोध में यह कहा गया है कि धूम्रपान के जरिए शरीर में जा रहे तंबाकू महिलाओं के प्रजनन तंत्र पर विपरीत प्रभाव डालने के साथ उनके हार्मोनल संतुलन को भी खराब कर देता है। ''वर्ल्ड हेल्थ इनिशिएटिव ऑब्जर्वेशनल स्टडी' के तहत इस शोध में 93,000 महिलाओं को शामिल किया गया। प्रजनन तंत्र पर विपरीत असर पड़ने से गर्भवती होने में महिलाओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है जबकि हार्मोनल संतुलन बिगड़ने से समय पूर्व रजोनिवृति का सामना करना पड़ सकता है, साथ ही कैंसर का एक बड़ा खतरा भी सताता रहता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-1-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनै:-शनै: बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-5-9

मीन (दी दू थ ज्ञ ञ दे दो चा ची): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-8

लॉफिंग ज़ोन

एक घबराया हुआ-सा नाटा आदमी छोटे शहर के एक सब्जी फरोश के पास गया और बोला- 'मुझे आप अपनी सारी सडी-गली सब्जियां तथा बासी अण्डे दे दीजिए।'

दुकानदार की आंखों में चमक आ गई। बोला-'शायद आज आप थियेटर में नए जोकर का तमाशा देखने जा रहे हैं?'

खरीददार बोला-'इतना ऊंचे मत बोलो! दरअसल नया जोकर मैं ही हूं।'

□ □ □

पति द्वारा पत्नी को चांटा मारने पर पत्नी अपने पिता के पास शिकायत लेकर पहुंची।

पिता ने पूछा-'तुम्हारे पति ने चांटा कहां मारा?'

दायीं ओर। बेटी ने कहा। पिता ने उसके बायें गाल पर तड से तमाचा जडते हुए कहा-'जाओ, अपने पति से कहना कि उसने मेरी बेटी को मारा मैंने उसकी पत्नी को मारकर बदला ले लिया।'

□ □ □

दो बच्चो जंगल में पौटी कर रहे थे, अचानक शेर आ गया।

पहला- छोटू तू डर रहा है।

दूसरा - नहीं मैं नही डरता।

पहला - तो साले अपनी धो मेरी क्यों धो रहा है।

काकुरो पहेली - 4068

■	↓4	↓16	■	■	■	■	■	■	■
→3			↓10	■	↓3	↓29	■	↓23	↓16
→9				→6			→17		
■	→11			↓6 →11			↓23 →13		
■	■	↓9 →4			→24				■
■	↓17 →7				↓3 →14			↓10	↓17
→11			↓24 →4			↓4 →18			
→23				↓16 →5			↓3 →11		
■	■	→16			→7				■
■	■	→15			■	→4			■

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

15/24 → 1 2 3 4 5; ↓ 7 8 9

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो -4067 का हल

■	↓14	↓22	■	■	■	■	■	■	■
→11	6	5	↓30	■	↓11	↓29	■	↓18	↓17
→23	8	9	6	→7	2	5	→16	7	9
■	→15	8	7	↓6 →17	9	8	↓7 →10	2	8
■	■	↓7 →11	9	2	→20	7	4	9	■
■	↓11 →13	2	8	3	↓16 →11	9	2	↓10	↓17
→3	2	1	↓13 →8	1	7	↓5 →13	1	4	8
→19	9	4	6	↓4 →11	9	2	↓3 →11	2	9
■	■	→8	5	3	→6	3	2	1	■
■	■	→3	2	1	■	→4	1	3	■

फिल्म वर्ग पहेली- 4068

1		2		■	3		4		5
	■		■	6		■		■	
7		■	8		■	9			
	■	10			■		■	■	
	■	■		■	11			12	■
13		14	■	15			■	16	
	■	17		■	18	19			■
20			■	21	■		■	■	22
	■	■	23		■	24			
25			■	26			■	■	

ऊपर से नीचे:-

१. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरूख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरूख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गाँव काथिया पारे' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
७. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-२
९. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दूल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नजरें मिली' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 4067

म	र्या	दा	■	ब	व	ड	र	■	औ
हा	■	दी	वा	ना	■	र	ख	वा	ला
न	ई	माँ	■	र	क्त	■	वा	■	द
■	श्व	■	द	स	■	पा	ले	खाँ	■
स	र	ग	म	■	खा	की	■	■	ध
ड़	■	द	■	श	■	जा	न	व	र
क	श्मी	र	की	क	ली	■	क्शा	■	ती
■	■	■	म	■	ला	खा	■	ना	■
इ	जा	ज	त	■	■	मो	ह	रा	■
श्क	■	ख्मी	■	त	ला	शी	■	ज	ख्म

सूडोकु -4068

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4067 हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 4068

■	1		2		3	■	4		5	6
7		■		■	8			■	9	
	■	10				■	11	12	■	
13				■	14	15	■	16	17	
	■		■	18			■	■		■
19	20				■	21		22		23
■		■	■	24	25		■		■	
26		27	■	28		■	29			
	■	30	31	■	32				■	
33	34	■	35			■		■	36	
37				■	38					■

बाएँ से दाएँ

1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली 4067 का हल

अ	रा	ज	क	ता	■	■	म	वा	ली	■
स	म	■	ल	■	चा	ला	न	■	ख	त
मा	■	■	प	ना	ह	■	न	■	■	म
न	ज	रा	ना	■	■	म	■	क	या	स
ता	■	व	■	ना	ला	य	क	■	प	■
■	प्रा	ण	■	म	■	खा	■	जा	न	■
■	रु	■	आ	ज	मा	ना	■	हि	■	म
स	प	ना	■	द	■	■	ब	ल	वा	न
र	■	■	स	■	ल	की	र	■	■	भा
ल	व	■	न	सी	ब	■	सा	■	दा	व
■	ध	म	की	■	■	इ	त	मी	ना	न

हरियाणा के पंचकूला आत्महत्या मामले में दून पुलिस भी जांच में जुटी, वजह की भी हो रही पड़ताल

एजेंसी

देहरादून। हरियाणा के पंचकूला में एक ही परिवार के 07 सदस्यों की आत्महत्या के मामले में दून पुलिस भी जांच पड़ताल कर रही है। मृतक जिस वाहन में मिले हैं वह वाहन देहरादून निवासी गंभीर सिंह नेगी के नाम से पंजीकृत था। यह परिवार देहरादून कौलागढ़ में किराए के मकान पर रहता था। आसपास के लोगों का कहना है कि यह एक सज्जन परिवार था और उन्हें कभी नहीं लगा कि परिवार के साथ ऐसा भी होगा। देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने इस मामले में मीडिया से बातचीत की। उन्होंने परिवार के संबंध में जानकारी दी कि मृतक प्रवीण मित्तल पुत्र देशराज मित्तल का परिवार लगभग 8-9 महीने पूर्व तक कोलागढ़, देहरादून में किराए पर निवास करता था, जिनका मूल रूप से निवास चंडीगढ़ क्षेत्र का होना प्रकाश में आया है। वर्तमान में उक्त परिवार देहरादून में निवास नहीं कर रहा था। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से जो वाहन मृतक के पास मिला है, वह मालदेवता, देहरादून के गंभीर सिंह नेगी के नाम पर पंजीकृत है, जिनसे संपर्क किया गया। उन्होंने बताया कि मृतक प्रवीण मित्तल से एनजीओ के काम के सिलसिले में मुलाकात हुई थी। मृतक पूर्व में चाइल्ड लाइफ केअर मिशन नाम से एनजीओ चलाता था। इसी दौरान मित्रता के चलते गंभीर नेगी ने वाहन अपने नाम पर फाइनेंस करवाया था, जिसे वर्तमान में मृतक चलाता था। उन्होंने बताया कि वर्तमान में मृतक परिवार सहित चंडीगढ़ में निवास करता था, यह प्रकाश में आया है।

मिजोरम के तीन लोग मणिपुर के उग्रवादियों को हथियार सप्लाई करने के मामले में चार्जशीटेड

गुवाहाटी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मणिपुर में उग्रवादी संगठनों को अवैध हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री पहुंचाने के मामले में मिजोरम के तीन लोगों के खिलाफ पूरक आरोपपत्र दाखिल किया है। एनआईए के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आरोपितों की पहचान वनलालदैलोवा, लालमुआनपुइया और लालरिनचुंगा उर्फ अल्बर्ट के रूप में हुई है। इन्हें 6 दिसंबर, 2024 को उनके आवासों पर की गई तलाशी कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार किया गया था, जिसमें भारी मात्रा में अवैध हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद हुई थी। एनआईए की जांच में सामने आया है कि ये तीनों आरोपित अवैध हथियार नेटवर्क का सक्रिय हिस्सा थे और मणिपुर में चल रही जातीय हिंसा को बढ़ावा देने में इनकी अहम भूमिका रही। इनकी ओर से सप्लाई किए गए हथियार कथित तौर पर कई उग्रवादी संगठनों को दिए गए, जो हिंसा प्रभावित इलाकों में सक्रिय हैं। जांच एजेंसी ने कहा कि आरोपितों की गतिविधियों ने न केवल क्षेत्र में तनाव बढ़ाया बल्कि, शांति बहाली की कोशिशों को भी नुकसान पहुंचाया।

माधवबाग को धर्म और आरोग्य केंद्र बनना चाहिए : अमित शाह

मुंबई। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मुंबई में कहा कि माधवबाग को धर्म और आरोग्य केंद्र बनना चाहिए। उन्होंने मातृभाषा के उपयोग को बढ़ावा देने, भगवद गीता और उपनिषद जैसे पवित्र ग्रंथों के लिए शिक्षण केंद्र विकसित करने, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए संजीवनी केंद्र की स्थापना करने और सांस्कृतिक जड़ों का जश्न मनाने और पोषण करने के लिए माधव संस्कृति केंद्र बनाने के अपने दृष्टिकोण पर भी जोर दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज मुंबई में लक्ष्मीनारायण मंदिर की 150वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। अमित शाह ने कहा, मैं मुंबई में पैदा हुआ और यहीं पला-बढ़ा हूं और मुझे कई बार मंदिर की आरती में शामिल होने का सौभाग्य मिला है। मेरी तीन बहनों की शादी माधवबाग में हुई थी, इसलिए यह एक ऐसा स्थान है, जो हमारे परिवार के लिए गहरा भावनात्मक महत्व रखता है। लक्ष्मीनारायण की मूर्ति बचपन से ही मेरी यादों में बसी हुई है, जिसे मैं श्रद्धा के साथ देखता हुआ बड़ा हुआ हूं। उन्होंने कहा, यह केवल उन लोगों की दूरदर्शिता और समर्पण के कारण है, जिन्होंने पहले के समय में मंदिर में निवेश किया था कि हम आज भी इन परंपराओं को इतनी खूबसूरती से जारी रख पा रहे हैं।

तेजस्वी यादव को पुत्र प्राप्ति पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और ममता बनर्जी ने दी बधाई

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव दादा बन गए हैं। उनके छोटे बेटे और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अपने दूसरे बच्चे के पिता बने हैं। तेजस्वी यादव के पिता बनने पर उन्हें बधाई देने वालों का तांता लग गया है। राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी उन्हें बधाई दी। मुख्यमंत्री ने बधाई देते हुए लिखा, श्री तेजस्वी यादव जी को पुत्र के जन्म पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।तेजस्वी यादव की पत्नी राजश्री ने कोलकाता में पुत्र को जन्म दिया है। ममता बनर्जी की बधाईपश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी कोलकाता में लालू परिवार से अस्पताल में मुलाकात की और उन्हें बधाई दी। ममता बनर्जी ने कहा, तेजस्वी यादव और राजश्री यादव के घर एक सुंदर बच्चे के आगमन की खुशी में शामिल होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। मेरी ओर से उन्हें, लालू जी को और पूरे परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं और आशीर्वाद। आज उनसे मिलकर बहुत खुशी हुई।

देश निरंतर आगे बढ़ रहा है हम सबको ओर अधिक समन्वित प्रयास करने होंगे : हरिभाऊ बागडे

एजेंसी

डूंगरपुर। राजस्थान प्रदेश के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े अपनी दो दिवसीय दौरे पर मध्याह्न को डूंगरपुर पहुंचे । सर्किट हाउस में जिला कलक्टर डूंगरपुर अंकित कुमार सिंह तथा पुलिस अधीक्षक मोनिका सेन ने पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा महामहिम को गार्ड ऑफ ऑनर देकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी भी मौजूद रहे। राज्यपाल बागडे ने जिला कलेक्ट्रेट परिसर में राजस्थान राजीविका के अन्तर्गत एकीकृत कृषि क्लस्टर (आईएफसी) परियोजना डूंगरपुर ब्लॉक की माँ महिला क्लस्टर स्तरीय फेडरेशन द्वारा क्रियान्वित एकीकृत कृषि क्लस्टर (आईएफसी) परियोजना के तहत सब्जी संग्रहण वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राजीविका प्रबंधक ने बताया कि यह एक समग्र ग्रामीण विकास पहल है जिसका उद्देश्य कृषि और पशुपालन

गतिविधियों को समन्वित तरीके से बढ़ावा देना है। यह परियोजना वर्ष 2022 में राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (आरजीएवीपी) के अंतर्गत डूंगरपुर ब्लॉक में शुरू की गई थी, जिसे माँ महिला क्लस्टर स्तरीय फेडरेशन (सीएलएफ) द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है। इस परियोजना के लिए चुने गए गाँव हैं छेला, खेड़वाड़ा, मनात फला और टाड़ी ओबरी परियोजना के अंतर्गत कुल 600 परिवारों को शामिल किया गया है।जिसमें समूहों द्वारा बड़े पैमाने पर सब्जी उत्पादन को बढ़ावा दिया गया है।वर्तमान में 20 से अधिक महिला उद्यमी डूंगरपुर बाजार में प्रतिदिन सब्जियाँ बेच रही हैं, जिससे उनकी आय और उद्यमिता कौशल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इन समूहों की महिलाओं को बाजार में सब्जी विक्रय के दृष्टि से वाहन का शुभारंभ किया गया है। इसके पश्चात राज्यपाल बागड़े ने राजस्थान सरकार की बजट घोषणा 2024-25 की अनुपालना में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के माध्यम से पांच दिव्यांगजन को मांसपेशीय दुर्विकास (मस्कुलर डिस्ट्रोफी) देकर किया राजस्थान सरकार की बजट घोषणा 2024-25 की अनुपालना में पीड़ितों को चलने की क्षमता प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए इलेक्ट्रिक पावर व्हील चेयर मस्कुलर डिस्ट्रोफी पीडित विशेष योग्यजनों को वितरित की जानी है।

देश के विभाजन के बाद नेहरू और पटेल ने कायम किया था भाईचारा : दिग्विजय सिंह

एजेंसी

भोपाल । मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि भारत विभाजन के बाद हालातों को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, वल्लभभाई पटेल सहित अन्य नेताओं ने संभाला था और भाईचारा कायम किया था। पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर दिग्विजय सिंह सहित कांग्रेस नेताओं ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके योगदान को याद किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1947 में हुए देश विभाजन के बाद देश के जो हालात थे, उनको संभालने के लिए जिस प्रकार का नेतृत्व पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभ पटेल और और उनके साथ सभी वरिष्ठ कांग्रेसजन और अन्य दलों के नेताओं ने दिया वह मिसाल है। ये वैसे नेता थे जिन्होंने देश की आजादी की लड़ाई में योगदान दिया था। सभी लोगों ने मिलकर भाईचारे को स्थापित किया। उन्होंने कहा कि पं. जवाहरलाल नेहरू ने सिंचाई के क्षेत्र में, खेती के क्षेत्र में, शिक्षा के क्षेत्र में, उद्योग के क्षेत्र में और अधोसंरचना के क्षेत्र में जो महत्वपूर्ण फैसले लिए, जो आज स्वतंत्र भारत के मंदिर हैं, उसी के कारण आज देश के करोड़ों लोग विदेश में रोजगार पा रहे हैं और अच्छे से अच्छे पदों पर हैं। इस सबका श्रेय पं. जवाहरलाल नेहरू को जाता है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा, पं. नेहरू एक दूरदर्शी व्यक्ति थे, जिन्होंने अपनी कुशल योजना, आर्थिक नीतियों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों के माध्यम से देश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर अध्ययन और शोध केंद्र को आवश्यक निधि उपलब्ध कराएंगे: फडणवीस

एजेंसी

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई में कहा कि स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर अध्ययन एवं शोध केंद्र को आवश्यक निधि उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वातंर्त्यवीर सावरकर के जीवन के विभिन्न पहलू इतने प्रभावशाली थे कि उनमें से प्रत्येक पर व्यापक शोध किया जा सकता था। फडणवीस ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर के क्रांतिकारी कार्य और ब्रिटिश सरकार के खिलाफ उनके कार्यों के कारण, अंग्रेजों ने उनसे बैरिस्टर की उपाधि छीन ली थी। विश्वविद्यालय को यह डिग्री पुनः प्राप्त करने के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार करना चाहिए। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने यह भी कहा कि राज्य सरकार इस संबंध में इंग्लैंड में संबंधित संस्थाओं से पत्राचार करेगी तथा उन्हें मरणोपरांत बैरिस्टर की उपाधि प्रदान करने का प्रयास करेगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि स्वातंर्त्यवीर सावरकर की जीवन यात्रा प्रेरणादायी है। उन्होंने छोटी उम्र में ही स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया और 'अभिनव भारत' जैसे संगठन की स्थापना की। जिसे अंग्रेज 'गुप्त समाज' कहते थे। इस संगठन के माध्यम से उन्होंने भारतीयता और भारतीय स्वतंत्रता के बारे में जागरूकता पैदा करके और संगठित करके क्रांति को बढ़ावा दिया। विशेष रूप से, उन्होंने जोसेफ मैत्सिनी की आत्मकथा का अनुवाद

किया और क्रांति पर पाठ प्रदान करने का काम किया। 1857 के युद्ध को शुरू में 'सिपाही विद्रोह' कहा गया था। स्वातंर्त्यवीर सावरकर पहले व्यक्ति थे जिन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा कि यह संघर्ष केवल सैनिकों का विद्रोह नहीं था, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम था। अपनी पुस्तक 'भारतीय इतिहास के छह स्वर्णिम पृष्ठ' के माध्यम से उन्होंने ब्रिटिश शासन के तहत दबाए गए इतिहास को समाज के ध्यान में लाया। उनका आत्मविश्वास, साहस और निर्णायक कार्रवाई आज भी प्रेरणा देती है। उन्होंने अपने देश के लिए लड़ना कभी नहीं छोड़ा। बौद्धिक, सामाजिक और क्रांतिकारी योगदान दिया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उनका योगदान आज की पीढ़ी के लिए बहुत प्रेरणादायक है।इस अवसर पर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि कलिना परिसर में स्वातंर्त्यवीर सावरकर की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। चंद्रकांत ने कहा कि रंगभेद के खिलाफ संघर्ष, स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर, उनके विचारों और साहित्य का अध्ययन करने के लिए मुंबई विश्वविद्यालय में एक अध्ययन और शोध केंद्र स्थापित किया जा रहा है। उनकी प्रतिमा भी उसी क्षेत्र में स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सावरकर का क्रांतिकारी चरित्र सभी जानते हैं। हालांकि जब उन्हें दो साल के लिए रत्नागिरी जिले में नजरबंद रखा गया, तो उन पर भड़काऊ भाषण देने और लिखने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। उस दौरान सामाजिक समानता के लिए उनका काम ज्यादा प्रकाश में नहीं आया। रत्नागिरी में पतितपावन मंदिर के निर्माण में उन्होंने मंदिर को सभी जातियों के लिए खोल दिया। उन्होंने सामुदायिक भोज और अंतर्जातीय विवाह का भी आयोजन किया।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में 39 लाख के इनामी एक महिला सहित 18 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा में 39 लाख के इनामी एक महिला सहित 18 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधीक्षक ने इसकी पुष्टि की है। छत्तीसगढ़ शासन की नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति'' और ''नियद नेल्ला नार'' योजना तथा अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार सुरक्षाबलों के कैम्प स्थापित होने दबाव के फलस्वरूप नक्सली संगठन में सक्रिय 39 लाख रूपये के इनामी एक महिला सहित 18 नक्सलियों ने सुकमा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आत्मसमर्पण कर दिया है।

इस मौके पर सुकमा पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण, द्वितीय कमान अधिकारी डीआईजी ऑफिस सुकमा सुरेश सिंह पायल, द्वितीय कमान अधिकारी 80 वाहिनी सीआरपीएफ जगदलपुर पुरूषोत्तम कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी 219 वहिनी सीआरपीएफ अनुराग राज , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुकमा अभिषेक वर्मा, उप कमांडेंट डीआईजी ऑफिस जगदलपुर निरीक्षक अमरजीत गुप्ता आदि उपस्थित रहे। आत्मसमर्पित नक्सलियों में मड़कम आयता (25 वर्ष) निवासी मारोकी उस्कोनपारा थाना गादीरास जिला सुकमा वर्तमान निवास एर्रनपल्ली पेद्दाबूण्डा थाना पामेड़ जिला बीजापुर, पीएलजीए बटालियन नंबर-1 हेड क्वार्टर कम्पनी नंबर-3, प्लाटून नंबर-2 सेक्शन

''बी'' का पीपीसीएम, इनामी 8 लाख। भास्कर उर्फ भोगाम लक्खा (26 वर्ष) निवासी सुरपनगुड़ा इंगीरपारा थाना चिंतलनार जिला सुकमा। पीएलजीए बटालियन नंबर-1, प्लाटून नंबर-3, सेक्शन ''ए'' का पार्टी सदस्य। इनामी 8 लाख, मड़कम/कलमू देवे (25 वर्ष) निवासी दुरगुड़ा थाना केरलापाल जिला सुकमा दक्षिण बस्तर डिवीजन टेलर टीम कमाण्डर(एसीएम) इनामी 5 लाख, लक्ष्मण उर्फ माड़वी छन्नू (28 वर्ष) निवासी मारोकी डेय्यापारा थाना गादीरास जिला सुकमा शामिल हैं। इनके अलावा दक्षिण सब जोनल ब्यूरो सप्लाई टीम सदस्य/एसीएम इनामी 5 लाख, हेमला मंगलू (33 वर्ष) निवासी मण्डीमरका कोर्रेपारा थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा, मण्डीमरका आरपीसी सरकार डीएकेएमएस अध्यक्ष कमेटी जन सम्पर्क शाखा अध्यक्ष इनामी दो लाख, कुंजाम भीमा (36 वर्ष) निवासी मण्डीमरका कर्रेपारा थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा, मण्डीमरका आरपीसी मिलिशिया इनचीफ इनामी दो लाख, मड़कम भीमा (25 वर्ष) निवासी पोट्टेमंगू थाना किस्टाराम जिला सुकमा।

'प्रधानमंत्री बिहार को 50 हजार करोड़ की विकास योजनाओं की देंगे सौगात'

एजेंसी

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बिहार दौरे की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। राज्य सरकार की ओर से तैयारियों की समीक्षा की जा रही है। इसी कड़ी में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना एयरपोर्ट और विक्रमगंज पहुंचे और तैयारियों की समीक्षा की। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि 29 और 30 मई को प्रधानमंत्री पटना और विक्रमगंज से बिहार को 50 हजार करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। जिनमें एयरपोर्ट, सड़क, बिजली और रेलवे से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से बिहार का चौतरफा विकास होगा। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन, बिहटा एयरपोर्ट विस्तार योजना का

शिलान्यास और औरंगाबाद जिले के नबीनगर में 29947.91 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले सुपर थर्मल पावर प्लांट का शिलान्यास करेंगे। नवीनगर पावर प्लांट से बिहार को 1500 मेगावाट बिजली मिलेगी। यह एनटीपीसी का देश में दूसरा सबसे बड़ा विद्युत उत्पादन संयंत्र होगा। सम्राट चौधरी ने बताया कि पटना एयरपोर्ट का नया टर्मिनल 65,150 वर्ग मीटर में फैला होगा, जो मौजूदा टर्मिनल से काफी बड़ा है। इसके चालू होने पर उड़ानों की संख्या 34 से बढ़कर 75 हो जाएगी। पटना हवाई अड्डे के नये टर्मिनल भवन पर 1200 करोड़ रुपये और बिहटा एयरपोर्ट में बनने वाले नये सिविल एन्क्लेव पर 542.79 करोड़ रुपये खर्च होंगे।उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जिन अन्य परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, उनमें पटना-गया-डोभी फोर लेन, लागत 5519 करोड़, एनएच-27 पर गोपालगंज टाउन में ग्रेड सुधार, लागत 249 करोड़ , सासाराम से अनुग्रह नारायण रोड तक रेलवे का स्वचालित सिग्नलिंग (25 किमी), लागत 43 करोड़, सोन नगर-मुहम्मद गंज के बीच तीसरी रेल लाइन (65 किमी) लागत 1338 करोड़, जहानाबाद में छात्रावास और स्टाफ क्वार्टर का निर्माण, लागत 8 करोड़ शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की राष्ट्र निर्माण की नीतियां देवी अहिल्याबाई से प्रेरितः शिवप्रकाश

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राष्ट्र निर्माण की नीतियां देवी अहिल्याबाई होल्कर की शासन व्यवस्था से प्रेरित हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकारें सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ा रही हैं। एक देश एक चुनाव मौजूदा समय में देश की आवश्यकता है। देवी अहिल्याबाई होल्कर ने समाज व राष्ट्र उत्थान के कार्यों में आदर्श स्थापित किया है। देवी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन से देश की प्रत्येक नारी को प्रेरणा लेनी चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश इंदौर भाजपा कार्यालय में देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती और वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर पार्टी के प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने देवी अहिल्या बाई की सेवा, त्याग, तपस्या, सुशासन, लोक कल्याण और धर्म व आध्यात्म को लेकर किए गए कार्यों की विस्तार से चर्चा की। शिवप्रकाश ने कहा कि देवी अहिल्याबाई होल्कर ने हमारी सनातन सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्यों की भाजपा व एनडीए सरकारें जिस उद्देश्य व ध्येय के साथ आगे बढ़ रही हैं।

तेज प्रताप को पार्टी से निकालना गलत फैसलाः मामा सुभाष यादव

एजेंसी

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सुप्रीमो लालू यादव ने अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। अब इसे लेकर पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के भाई सुभाष यादव ने कहा कि लालू यादव ने किसी के दबाव में आकर तेज प्रताप को पार्टी और परिवार से निकाला है।

उन्होंने कहा कि लालू यादव ने जो भी कदम उठाया वह बिना सोचे-समझे लिया। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि एक फोटो पर इतना बड़ा फैसला लीजिएगा? उन्होंने कहा कि जब रघुवंश प्रसाद सिंह और जगदानन्द सिंह को अपमानित किया गया था, तब फैसला क्यों नहीं लिया गया था। फैसला तब लेना चाहिए था, जब गलत हो रहा था। एक फोटो आई और फैसला ले लिया, यह बहुत गलत हुआ है। सुभाष यादव ने कहा कि अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा है। तेज प्रताप यादव को सामने आकर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। तस्वीर के बारे में

जो कुछ भी है, उन्हें साफ-साफ बता देना चाहिए। जब तक तेज प्रताप या जिस लड़की की फोटो सामने आई है, वे मीडिया के सामने आकर कुछ नहीं बताते हैं, तब तक सभी लोग असमंजस में हैं।

इधर, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के एक अन्य भाई साधु यादव ने अपनी प्रतिक्रिया में राजद अध्यक्ष लालू यादव के फैसले का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि लालू यादव ने जो फैसला लिया है वह सही है। तेज प्रताप के मामा साधु यादव ने कहा कि लालू यादव ने गार्जियन के तौर पर जो फैसला लिया है वह सही है। इसके अलावा उन्होंने किसी भी मुद्दे पर बोलने से इंकार कर दिया। उल्लेखनीय है कि रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने एक पोस्ट के जरिए अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। लालू ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। अतएव उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूं। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित किया जाता है। अपने निजी जीवन का भला-बुरा और गुण-दोष देखने में वह स्वयं सक्षम है। उससे जो भी लोग संबंध रखेंगे, वे स्वविवेक से निर्णय लें। लोकजीवन में लोकलाज का सदैव हिमायती रहा हूं। परिवार के आज्ञाकारी सदस्यों ने सार्वजनिक जीवन में इसी विचार को अंगीकार कर अनुसरण किया है। यह फैसला उस वायरल तस्वीर और वीडियो के आधार पर लिया गया, जिसमें तेज प्रताप किसी महिला के साथ दिखे थे और उन्होंने खुद एक पोस्ट लिखकर रिश्ते पर मुहर लगाई थी। हालांकि, जब मामले ने तूल पकड़ा, तो इसे हटा भी लिया।

नक्सली प्रेस नोट अधकचरा और भ्रामक, नक्सली कैडरों के पास आत्मसमर्पण ही एकमात्र विकल्पः सुंदरराज पी.

एजेंसी

जगदलपुर। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने नक्सली संगठन द्वारा 25 मई को दंडकारण्य स्पेशल ज़ोनल कमेटी के प्रवक्ता द्वारा 21 मई को अबूझमाड़ क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के संबंध में जारी प्रेस वक्तव्य के बयान को उन्होंने तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत करने और जनभावनाओं को भटकाने का निराशाजनक प्रयास बताया। उन्होंने इस प्रेस नोट को अधकचरा, भ्रामक और साजिशपूर्ण करार देते हुए कहा कि यह एक नेतृत्वविहीन और बिखरती हुई संगठन की प्रासंगिकता बनाए रखने की नक्सली संगठन की अंतिम कोशिश है। जिसमें भाकपा (माओवादी) के महासचिव बसवराजु उर्फ बीआर दादा उर्फ गंगन्ना सहित कुल 27 नक्सली कैडरों के मारे जाने की पुष्टि की गई है। बस्तर आईजी ने कहा कि अब नक्सली कैडरों के पास एकमात्र

सम्मानजनक विकल्प यह है कि वे आत्मसमर्पण करें, हिंसा का रास्ता छोड़ें और समाज की मुख्यधारा में लौटें। सरकार लगातार पुनर्वास और शांतिपूर्ण जीवन की पेशकश कर रही है। यदि कुछ तत्व अब भी इस अवसर को नजर अंदाज करते हैं, तो उनका अंत निकट और निश्चित है। बसव राजु के बाद उनके उत्तराधिकारी को लेकर चर्चाएं अब बेमानी हैं। बसव राजु की मौत के साथ ही यह आंदोलन अपनी वैचारिक और संचालन क्षमता भी खो चुका है। यह माना जा सकता है कि बसव राजु ही इस अवैध संगठन का अंतिम महासचिव था। आईजीपी सुंदरराज ने स्पष्ट किया कि 21 मई 2025 भारत के वामपंथी उग्रवाद विरोधी इतिहास में एक निर्णायक दिन के रूप में याद किया जाएगा। मारे गए बसवराजु, जो कि नक्सली संगठन के सर्वोच्च नेता की मौत से संगठन को केवल सैन्य स्तर पर ही नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक रूप से भी गहरा आघात पहुंचा है। नक्सली आंदोलन के मुख्य गढ़ में 27 सशस्त्र उग्रवादियों का खात्मा सुरक्षा बलों की दृढ़ता और प्रभावशीलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। माओवादी बयान में बसवराजु की मौत को बलिदान के रूप में प्रस्तुत करने के प्रयास की आलोचना करते हुए बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने कहा कि यह दशकों की हिंसा को महिमा मंडित करने वाला झूठा प्रचार है ।

राजस्थान में कोरोना के नौ केस सामने आए

एजेंसी

जयपुर। प्रदेश में कोरोना के नौ केस सामने आए हैं। निदेशक जन स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि दो केस एम्स जोधपुर में, दो सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर में तथा चार केस बी लाल लैब जयपुर एवं एक केस अनाविक डायग्नोस्टिक सेंटर जयपुर में आया है। इधर देशभर में कोरोना के केस सामने आने के बाद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के अनुसार कोरोना का वर्तमान मे सामने आया वैरियंट घातक नहीं है, लेकिन आमजन खांसी-जुकाम या बुखार जैसे लक्षण नजर आने पर सामान्य एहतियात बरतते हुए चिकित्सा संस्थान जाकर आवश्यक परामर्श, जांच एवं उपचार लें। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. शर्मा ने बताया कि इस वर्ष अब तक 32 केस सामने आ चुके हैं। इनमें अजमेर में 2, बीकानेर में एक, डीडवाना में 3, जयपुर में 13, जोधपुर में 6, फलौदी में 1, सवाई माधोपुर में एक, उदयपुर में 4 एवं एक अन्य केस सामने आया है। उधर, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री खींवसर ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक में कहा कि संवेदनशील वर्ग जैसे बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं, गंभीर बीमारियों से ग्रसित रोगी एवं बच्चे कोरोना के केसेज को देखते हुए स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। आईएलआई के लक्षण नजर आने पर चिकित्सक से परामर्श लें एवं भीड़-भाड़ से बचें। उन्होंने चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से कहा कि चिकित्सा विशेषज्ञों ने वर्तमान स्थितियों के दृष्टिगत कोरोना से ज्यादा खतरा नहीं बताया है।

संजय राउत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को विफल बताया; पहलगाम हमले को लेकर अमित शाह का इस्तीफा मांगा

एजेंसी

मुंबई। राज्यसभा सांसद और शिवसेना नेता संजय राउत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को 'विफल' बताते हुए पहलगाम आतंकवादी हमले को रोकने में नाकाम रहने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का इस्तीफा मांगा है। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। राउत ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा,' 'ऑपरेशन सिंदूर' विफल रहा है। हालांकि, हम विपक्ष में हैं और राष्ट्रहित को ध्यान में रखते हुए इस पर बात करने से बचते हैं।' उन्होंने कहा,

'ऑपरेशन सिंदूर' चलाने की जरूरत क्यों पड़ी? क्योंकि पहलगाम में 26 लोग मारे गए और इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जिम्मेदार हैं।' उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री को अमित शाह की लापरवाही के लिए उनसे इस्तीफा मांगना चाहिए था। इसके विपरीत, अमित शाह हमें उपदेश दे रहे हैं।' उन्होंने गृह मंत्री की सोमवार की एक टिप्पणी का हवाला दिया। नांदेड़ में एक रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा था कि अगर बाला साहेब ठाकरे जीवित होते तो वे 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गले लगाते। इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए राउत ने कहा, बाला साहेब ठाकरे अतीत में विवादों के दौरान भाजपा नेताओं का समर्थन करने के लिए पश्चाताप से भर गए होते। राउत ने एनडीए नेताओं पर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर असंवेदनशील बयान जारी करने का आरोप लगाया। इससे पहले, राउत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' और पहलगाम आतंकी हमले पर संसद के दो दिवसीय विशेष सत्र की 'इंडिया' ब्लॉक की मांग को दोहराया। उन्होंने कहा, 'हमारी मांग को स्वीकार करने की बजाय, भाजपा ने विदेश में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजा। उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह सवालों का सामना करने से डरते हैं और यही कारण है कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित विपक्षी नेताओं द्वारा संसद के विशेष सत्र की मांग को नजरअंदाज कर दिया गया।

सारकॉइडोसिस को टी.बी न समझें

ट्यूबरकुलोसिस (टी.बी.) से मिलती-जुलती एक अन्य बीमारी है,जिसे सारकॉइडोसिस कहते हैं। टी.बी. की बीमारी की तरह यह भी शरीर के किसी भी भाग को प्रभावित कर सकती है, हालांकि 90 प्रतिशत रोगियों में यह रोग टी.बी. की तरह फेफड़ों को प्रभावित करता है।

पहले ऐसा समझा जाता है था कि सारकॉइडोसिस नाम की बीमारी देश में नहीं पायी जाती है, लेकिन पिछले कुछ सालों में इस रोग से काफी लोग ग्रस्त हो चुके हैं, जिसका सिलसिला जारी है। चूंकि इस रोग के लक्षण टी.बी. की बीमारी से मिलते-जुलते हैं। इसलिए दोनों में अंतर करना डॉक्टर और रोगी दोनों के लिए कठिन कार्य है। अक्सर ऐसा देखा गया है कि सारकॉइडोसिस के रोगी का इलाज टी.बी. की दवाओं से होता है। अंततः डॉक्टर को यह पता चलता है कि पीड़ित व्यक्ति को टी.बी. की बीमारी थी ही नहीं और वह सारकॉइडोसिस की बीमारी से प्रभावित था।

लक्षण

- प्रारंभिक स्थिति में अधिकतर रोगियों में सूखी खांसी, हल्का बुखार, हाथ पैरों में दर्द और कभी-कभी सांस फूलना आदि लक्षण प्रकट होते हैं।
- जब बीमारी कुछ बढ़ने लगती है, तब फेफड़े के अंदर बड़ी-बड़ी गांठें बन जाती हैं और फेफड़े का आकार छोटा होता जाता है।
- रोगी की लगातर सांस फूलने लगती है और खांसी में आराम नहीं मिलता।
- जब शरीर के दूसरे अंग प्रभावित होते हैं, तब रोगी की तकलीफें बढ़ने लगती हैं। जैसे आंख के प्रभावित होने पर आंखों की रोशनी कम हो जाती है। त्वचा में कभी-कभी लाल रंग के चकत्ते बन जाते हैं। लिवर और तिल्ली का आकार बड़ा हो जाता है।
- कभी-कभी सारकॉइडोसिस से मस्तिष्क और गुर्दे पर भी असर होने लगता है। रोग की चरम अवस्था में हृदय व गुर्दे भी काम करना बंद कर देते हैं और पूरे शरीर में सूजन आ जाती है।
- शरीर में पानी की मात्रा अधिक होने से शरीर का वजन बढ़ जाता है और रोगी चल-फिर भी नहीं पाता। यह बीमारी की अंतिम अवस्था है। वैसे तो यह बीमारी गंभीर नहीं होती है, लेकिन जब गुर्दो और मस्तिष्क पर यह प्रभाव डालती है, तब यह लाइलाज बन जाती है।

उपचार

प्रारंभिक अवस्था में अधिकतर रोगियों में बीमारी स्वयं ही समाप्त हो जाती है, लेकिन रोग की अवस्था बढ़ने पर अधिकतर मामलों में दवाओं के नाम पर स्टेरॉयड का प्रयोग लगभग एक वर्ष तक किया जाता है। थोड़ी-सी सावधानी और जानकारी से इस बीमारी को प्रारंभिक अवस्था में ही पहचाना जा सकता है।

जब दम घुटता है पैरों का...

वैसे तो सी.वी.आई. नामक रोग पुरुषों और स्त्रियों दोनों को हो सकता है, लेकिन, महिलाओं में यह बीमारी सामान्य तौर पर गर्भावस्था या बच्चों को जन्म देने के बाद शुरू होती है। पहले यह रोग ज्यादातर ग्रामीण व शहरी अंचलों में रहने वाली महिला गृहणियों तक ही सीमित था, पर मौजूदा दौर में यह रोग युवकों वयुवतयों में तेजी से फैल रहा है। इसका कारण आज की आधुनिक जीवन-शैली व नये उभरते रोजगारों से संबंधित अपेक्षाएं हैं। शारीरिक व्यायाम व पैदल चलना आज के युग में नगण्य हो गया है। काल सेन्टर या रिसेप्शन काउन्टर पर काम करने वाले युवक व युवतियां इस रोग की शिकार हो रही हैं। स्टाक एक्सचेंज व बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दफ्तरों में कंप्यूटर के सामने घंटों पैर लटकाकर बैठने वालों में यह रोग तेजी से पनप रहा है। ट्रैफिक पुलिसमैन, व होटलों के रसोईघर में काम करने वाले लोग भी सी.वी.आई. से ग्रस्त हो रहे हैं।

क्यों बनते हैं ये निशान

शरीर के अन्य अंगों की तरह टांगों को भी ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती है। यह ऑक्सीजन धमनियों (आर्टरीज) में प्रवाहित शुद्ध खून के जरिये पहुंचायी जाती है। टांगों को ऑक्सीजन देने के बाद यह ऑक्सीजनरहित अशुद्ध रक्त शिराओं (वेन्स) के जरिये वापस टांगों से ऊपर फेफड़े की तरफ शुद्धीकरण के लिये ले जाया जाता है। इसका मतलब यह हुआ कि ये शिराएं टांगों के ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण करती हैं। शिराओं की कार्यप्रणाली अगर किसी कारण से शिथिल हो जाती है, तो टांग व पैर का ड्रेनेज सिस्टम चरमरा जाता है। इसका परिणाम यह होता है कि अशुद्ध खून ऊपर चढ़कर फेफड़े की ओर जाने की बजाय टांगों के निचले हिस्से में इकझ होने लगता है। फिर शुरू होता है पैरों में सूजन और काले निशानों का उभरना। अगर समय रहते इनका समुचित इलाज किसी वैस्क्युलर सर्जन से नहीं कराया गया, तो टांगों में उभरे काले निशान धीरे-धीरे और गहरे व आकार में बढ़ते जाते हैं, जो अंततः लाइलाज घावों में परिवर्तित हो सकते हैं।

कारण

सी. वी. आई. के पनपने के कई कारण हैं। इनमें सबसे ज्यादा प्रमुख हैं डीप वेन थ्रॉम्बोसिस यानी डी.वी.टी.। इस रोग में टांगों की (शिराओं) में रक्त के कतरे जमा हो जाते हैं। ये कतरे बीमारी के बाद अक्सर पूरी तरह गायब नहीं हो पाते और अगर कुछ हद तक गायब हो भी जाते हैं, तो भी वेन के अंदर स्थित कपाटों को नष्ट कर देते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि शिराओं के जरिये अशुद्ध खून के ऊपर चढ़ने की प्रक्रिया बुरी तरह से बाधित हो जाती है। डी. वी. टी. के कुछ रोगियों में खून के कतरे शिराओं के अंदर स्थायी रूप से मौजूदरहते हैं।

व्यायाम न करना

सी. वी. आई. का दूसरा प्रमुख कारण व्यायाम न करने और पैदल कम चलने से संबंधित है। रोजाना पैदल कम चलने से या टांगों की कसरत न करने से टांगों की मांसपेशियों द्वारा निर्मित पम्प (जो अशुद्ध खून को ऊपर चढ़ाने में मदद करता है) कमजोर पड़ जाता है। कुछ लोगों की शिराओं में स्थित कपाट (वाल्व) जन्म से ही ठीक से विकसित नहीं हो पाते, ऐसे रोगियों में सी.वी.आई. के लक्षण कम उम्र में ही प्रकट होने लगते हैं।

जांचे

काले निशानों का कारण जानने के लिए वेन्स डॉप्लर स्टडी, एम. आर. वेनोग्राम, व कभी-कभी एंजियोग्राफी का सहारा लिया जाता है। रक्त की जांचें भी करायी जाती हैं।

इलाज

इन विशेष जांचों के आधार पर ही सी. वी. आई. के इलाज का निर्धारण किया जाता है। ज्यादातर रोगियों में दवा देने से और विशेष व्यायाम करने से राहत मिल जाती है, लेकिन कुछ रोगियों में ऑपरेशन की आवश्यकता पड़ती है। मौजूदा दौर में वेन्स वाल्वोप्लास्टी, एक्सीलरी वेन ट्रांसफर या वेन्स बाईपास सर्जरी जैसी आधुनिकतम तकनीकों की मदद से रोग को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

सजगता बरतें

अगर आपकी टांगों पर काले निशान हैं, तो ये सावधानियां बरतें.

1. टांग व कमर के चारों ओर कसे हुए कपड़े न पहनें। पुरुष टाइट अंडरवियर व महिलाएं टाइट पैन्टी न पहनें। कमर बेल्ट टाइट न बांधें। टाइट बेल्ट खून की वापसी में रुकावट डालती है।
2. ऊंची एड़ी के जूते व सैंडल का इस्तेमाल न करें। नीची एड़ी वाले जूते टांगों की मांसपेशियों को हमेशा क्रियाशील रखते हैं। यह स्थिति वेन्स व टांगों के ड्रेनेज सिस्टम के लिए लाभदायक है।
3. जॉगिंग, एरोबिक्स या ऐसा कोई उछल-कूद वाला व्यायाम न करें, जिसमें पैर के घुटनों पर बार-बार झटके लगें। इस तरह के व्यायाम वेन्स को फायदा पहुंचाने के बजाय नुकसान ज्यादा पहुंचाते हैं। बगैर झटके वाले, पैर उठाने वाले और टांगें मोड़ने वाले व्यायाम वेन्स के लिये लाभप्रद हैं।
4. ऐसी शारीरिक मुद्रा(पोस्चर्स) से बचें, जिसमें लंबे समय तक बैठना या खड़े रहना पड़ता हो। ऑफिस में या घर पर एक घंटे से ज्यादा वक्त तक न तो पैर लटकाकर बैठे रहें और न ही लगातार खड़े रहें। इस तरह की स्थितियों में एक घंटा पूरा हो जाने पर पांच मिनट का अंतराल लें। इस अंतराल के दौरान दोनों पैरों को अपने सामने किसी स्टूल के सहारे ऊंचा रखें।
5. खाने में तेल व घी का प्रयोग बहुत कम मात्रा में करें। कम कैलोरी वाले और रेशेदार खाद्य पदार्थ वेन्स के लिए लाभप्रद हैं।
6. अपने वजन पर नियत्रंण रखें। वजन कम करने से वेन्स पर पड़ने वाला अनावश्यक दबाव कम हो जाता है।
7. रात में सोते समय पैरों के नीचे एक या दो तकिये लगाएं जिससे पैर छाती से दस या बारह इंच ऊपर रहें। ऐसा करने से पैरों में ऑक्सीजनरहित खून के इकझ होने की प्रक्रिया शिथिल पड़ जाती है जो सी.वी.आई. रोग से ग्रस्त पैरों के लिये अत्यन्त लाभकारी है।
8. दिन के समय विशेष तकनीक से निर्मित दबाव वाली जुराबें टांगों में पहनें। इस संदर्भ में विशेषज्ञ डॉक्टर से परामर्श लें। सुबह बिस्तर से उठते ही इन विशेष जुराबों को अपनी टांगों पर चढ़ा लें और दिन भर पहने रखें। ये जुराबें पैरों में खून का प्रवाह बढ़ाती हैं और गुरुत्वाकर्षण से नीचे की तरफ होने वाले खून के दबाव को कम करती हैं। इस वजह से सी.वी.आई. रोग को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

बैलून काइफोप्लॉस्टी स्पाइन फैक्चर का सटीक इलाज

बैलून काइफोप्लॉस्टी रीढ़ की हड्डी की विकृति में भी कारगर है, तो किसी हादसे के चलते रीढ़ की हड्डी में होने वाले फैक्चर में भी। इसके अलावा यह स्पाइन के ट्यूमर में और ऑस्टियोपोरोसिस के कारण होने वाले फैक्चर में भी प्रभावी है।

रीढ़ की हड्डी (स्पाइन) के फैक्चर के इलाज में बैलून काइफोप्लॉस्टी बेहतरीन तकनीक के रूप में सामने आ चुकी है। बैलून काइफोप्लॉस्टी रीढ़ की हड्डी की विकृति में भी कारगर है, तो किसी हादसे के चलते रीढ़ की हड्डी में होने वाले फैक्चर में भी। इसके अलावा यह स्पाइन के ट्यूमर में और ऑस्टियोपोरोसिस के कारण होने वाले फैक्चर में भी प्रभावी है।

क्या है यह तकनीक?

बैलून काइफोप्लॉस्टी तकरीबन एक घंटे की प्रक्रिया है, जिसके अंतर्गत रीढ़ की टूटी हड्डी में सुधार किया जाता है। इसमें बैलून की मदद से टूटी हड्डी को उठाकर सही स्थिति में रखते हैं। फैक्चर ग्रस्त हड्डी को ठीक रखने के लिए बोन सीमेंट लगाया जाता है। इसके बाद रोगी को एक दिन तक देखभ्भाल के लिए रखा जाता है, लेकिन रोगी की मेडिकल जरूरत के हिसाब से इसे बदला भी जा सकता है। इस प्रक्रिया के बाद रोगी को एक घंटे के लिये निगरानी कक्ष में रखने के बाद रिकवरी रूम में ट्रांसफर कर दिया जाता है। इसके अच्छे परिणामों का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 90 प्रतिशत रोगियों को 24 घंटे में ही दर्द से आराम मिल जाता है। बैलून काइफोप्लास्टी की प्रक्रिया शुरू करने से पहले रोगी की कई मेडिकल जांचें जैसे एक्स रे, एमआरआई, सीटी स्कैन और डेक्सा स्कैन आदि करायी जाती हैं।

पारंपरिक सर्जरी और बैलून काइफोप्लास्टी

पारंपरिक सर्जरी में ज्यादा चीर-फाड़ की जाती है। इस स्थिति में रोगी की रीढ़ की हड्डी के मुलायम टिश्यूज और मांसपेशियों को नुकसान पहुंच सकता है। वहींबैलून काइफोप्लास्टी में बहुत कम चीर-फाड़ की जाती है, जिससे रोगी के रक्त का ज्यादा नुकसान नहीं होता। इसमें रोगी के रीढ़ की हड्डी के मुलायम टिश्यू और मांसपेशियों को भी ज्यादा क्षति नहींपहुंचती।

क्या हैं फायदे

बैलून काइफोप्लास्टी के कुछ फायदे इस प्रकार हैं..

- रोगी की जल्दी रिकवरी होती है। 24 घंटे के अंदर चलने-फिरने में समर्थ हो जाता है।
- रक्त का कम नुकसान होता है।
- संक्रमण होने का खतरा कम रहता है।
- शरीर पर निशान नाममात्र के पड़ते हैं।
- रीढ़ की हड्डी के टिश्यूज और मांसपेशियों का नुकसान कम होता है।
- ऑपरेशन के बाद रोगी को दर्द कम होता है।
- जल्द ही व्यक्ति रोजमर्रा की जिंदगी के काम करने में सक्षम हो जाता है।

स्वास्थ्य रक्षा के अनमोल सूत्र

जो व्यक्ति शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक दृष्टि से स्वस्थ होता है, वही पूर्ण स्वस्थ कहलाता है। स्वास्थ्य को सबसे पहला सुख माना गया है।

- उदय होता हुआ सूर्य हृदय रोगियों के लिए अमृत तुल्य होता है। उदय होते सूर्य की हल्की लाल किरणों में जीवनी-शक्ति हुआ करती है जिसमें अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है। पीलिया (जॉन्डिस), रक्ताल्पता, सिर के सभी रोग तथा अंगों के दर्द को दूर करने की इसमें अद्भुत क्षमता होती है।
- प्रातः कालीन शुद्ध वायु प्राणशक्ति को प्रदान कर दीर्घायु प्रदान करती है। शुद्ध वायु में टहलना, प्राणायाम करना, मंदाग्नि एवं कब्ज से छुटकारा दिलाता है। शुद्ध वायु हृदय रोगियों के लिए अनमोल औषधि है क्योंकि वह हृदय को शक्ति प्रदान कर शरीर के दोषों को निकालती है, अतः प्रातः काल टहलना आवश्यक है।
- प्रातः काल शौच से पूर्व कम से कम दो गिलास स्वच्छ जल पीना स्वास्थ्य के लिए अमृत तुल्य होता है क्योंकि इससे कब्ज की शिकायत दूर होती है। कब्ज को हर बीमारी की जड़ माना जाता है।
- नत्य हल्का-फुल्का व्यायाम करके सम्पूर्ण दिन फुर्ती का अनुभव किया जा सकता है। स्वास्थ्य एवं बल के अनुसार योगासन अवश्य ही करते रहना चाहिए। हृदय रोगी, उच्च रक्तचाप, दमा आदि के रोगियों को व्यायाम नहीं करना चाहिए।
- कम खाने वालों की अपेक्षा अधिक खाने वालों की संसार में अधिक मृत्यु होती है। खाने के लिए जीने से बेहतर होता है जीने के लिए खाना। आदत डालकर प्रतिदिन भोजन समय पर ही करना चाहिए। प्रोटीन, विटामिन, वसा, खनिज लवण युक्त संतुलित पदार्थों को ही खाएं। तनाव रहित होकर स्थिर मन से भोजन करने से स्वास्थ्य में वृद्धि होती है। तन्मय होकर प्रसन्न मुद्रा में स्वाद के साथ भोजन करने से आंतरिक संतुष्टि तो होती ही है साथ ही पाचन संबंधी बीमारियां भी दूर होती हैं।
- स्वस्थ जीवन के लिए विधिवत नींद का आना भी बहुत जरूरी है। विधिवत निद्रा के सेवन से संतोष, सुख, ज्ञान तथा जीवनी-शक्ति प्राप्त होती है। इसके विपरीत अनिद्रा अनेक विकारों तथा रोगों को जन्म देती है। नियत समय के विपरीत सोने से भी आयु क्षीण होती है, साथ ही स्मरण शक्ति, निर्णय शक्ति जैसी उपयोगिताओं का भी ह्रास होता है।

लक्ष्य श्योराण और नीरू ढांडा दूसरे शॉटगन नेशनल ट्रायल में शीर्ष पर

एजेंसी

नई दिल्ली। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित दूसरी शॉटगन नेशनल ट्रायल्स की ट्रैप फ़ाइनल स्पर्धा में लक्ष्य श्योराण और नीरू ढांडा ने क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में पहला स्थान प्राप्त किया। लक्ष्य ने क्वालिफिकेशन में 120 अंक हासिल करते हुए फ़ाइनल के लिए क्वालिफाई किया और फ़ाइनल में 43 अंक के साथ जीत दर्ज की। उन्होंने जसविंदर सिंह को दो अंकों से हराया, जिन्होंने 41 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। महिला वर्ग के फ़ाइनल में, राष्ट्रीय खेलों की स्वर्ण पदक विजेता नीरू ढांडा ने आशिमा अहलावत को 40-39 के करीबी अंतर से हराते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। ओलंपियन राजेश्वरी कुमारी ने 31 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि भौनीश मेंदीरत्ता ने पुरुष वर्ग में 33 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में, जंगशेर एस. वीरक ने 119 अंक हासिल करते हुए लक्ष्य के बाद फ़ाइनल के लिए क्वालिफाई किया। राष्ट्रीय चैंपियन शार्दुल विहान, जसविंदर सिंह, भौनीश मेंदीरत्ता और रैयान रिज़वी ने क्रमशः 118, 117, 116 और 116 अंकों के साथ टॉप छह में जगह बनाई। ओलंपियन्स काइनन चेनाई (114), पृथ्वीराज टोंडईमान (112) और वर्ल्ड कप फ़ाइनल्स के सिल्वर मेडलिस्ट विवान कपूर (113) फ़ाइनल में जगह बनाने से चूक गए।

सांबा में जिला स्तरीय टूर्नामेंट का दूसरा दिन, 246 बालिका खिलाड़ियों ने ली भागीदारी

सांबा। जिला युवा सेवा एवं खेल विभाग सांबा द्वारा रानी सुचेत सिंह स्टेडियम में आयोजित अंतर-क्षेत्रीय जिला स्तरीय टूर्नामेंट का दूसरा दिन है। चल रहे इस टूर्नामेंट में क्रिकेट (अंडर-17 लड़के) और वॉलीबॉल, कबड्डी और खो-खो (अंडर-14 और अंडर-17 लड़कियां) शामिल हैं। जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी धर्मवीर सिंह सहित अन्य पदाधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे और उन्होंने खिलाड़ियों का स्वागत किया। खेलों को बढ़ावा देने और नशे से दूर रहने की शपथ ली गई। सांबा जिले के सभी पांच जोनों से कुल 246 बालिका खिलाड़ी बड़े उत्साह के साथ भाग ले रही हैं। डीवाईएसएसओ ने सभी प्रतिभागियों को उनके समर्पण और उत्साही प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

डोडा में जिला स्तरीय बालिका कबड्डी टूर्नामेंट में 220 छात्राओं ने लिया हिस्सा

डोडा। आज इंडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम डोडा में अंडर-14 और अंडर-17 बालिकाओं के लिए अंतर-क्षेत्रीय जिला स्तरीय कबड्डी टूर्नामेंट का चौथा दिन था। यह आयोजन वाईएसएस के महानिदेशक राजिंदर सिंह तारा के निर्देशन और जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी डोडा प्रीतम सिंह के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। टूर्नामेंट की शुरुआत बहुत उत्साह के साथ हुई और इसमें युवा एथलीटों के बीच अनुशासन, टीम वर्क और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना देखने को मिली। आज के कार्यक्रम विशेष रूप से बालिका अंडर-14 और अंडर-17 कबड्डी मैचों के लिए समर्पित थे जिसमें सक्रिय भागीदारी और मजबूत प्रदर्शन देखने को मिला।लगभग 220 छात्राओं ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और खेल भावना, एकता और उत्कृष्टता के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया।

आउटडोर गेम्स के लिए बच्चों को किया जाएगा प्रेरित : इकबाल

धर्मशाला। धर्मशाला पुलिस ग्राउंड में आयोजित की जा रही अंडर-15 फुटबाल टूर्नामेंट के दूसरे दिन आयुक्त नगर निगम जफर इकबाल ने प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए कहा कि धर्मशाला शहरी क्षेत्र में बच्चों को आउटडोर खेलों के लिए प्रेरित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं इसके साथ ही पार्क भी निर्मित किए जा रहे हैं ताकि बच्चे स्वस्थ जीवन शैली की ओर प्रेरित हो सकें। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से ही युवाओं को नशे से दूर रखा जा सकता है। उन्होंने फुटबाल एसोसिएशन द्वारा टूर्नामेंट आयोजित करने के प्रयासों की भी सराहना करते हुए कहा कि नगर निगम खेल आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव मदद करेगी। इस अवसर पर एसडीएम मोहित रत्न, तहसीलदार गिरीराज भी विशेष तौर पर उपस्थित रहे। फुटबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष वरूण गुप्ता ने बताया कि तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता के ब्वायज वर्ग में हाई लैंड पब्लिक स्कूल, रोज पब्लिक स्कूल, एमटीपी पब्लिक स्कूल, आधुनिक पब्लिक स्कूल ने मैच जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है वहीं गर्ल्स के मुकाबलों में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला घरोह, डीपीएस तथा स्टैंनफोर्ड तथा अचीवर हब की टीमों ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

बैंगलोर को मिला क्वालिफायर-1 का टिकट, रोमांचक मुकाबले में लखनऊ को छह विकेट से हराया

एजेंसी

लखनऊ। आईपीएल 2025 के एक रोमांचक मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (RCB) ने लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) को छह विकेट से हराकर क्वालिफायर-1 में अपनी जगह पक्की कर ली। इस जीत के साथ आरसीबी ने 14 मैचों में 19 अंक के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर कब्जा किया है।

मैच का हाल

लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान ऋषभ पंत की शानदार शतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में तीन विकेट पर 227 रन बनाए। पंत ने 61 गेंदों में 118 रन की नाबाद पारी खेली, जिसमें 11 चौके और 8 छक्के शामिल थे। उनका साथ देते हुए मिचेल मार्श ने 37 गेंदों में 67 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 5 छक्के शामिल थे।

लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी ने 18.4 ओवर में चार विकेट पर 230 रन बनाकर आईपीएल इतिहास में सबसे बड़े रन

चेज का रिकॉर्ड कायम किया। कार्यवाहक कप्तान जितेश शर्मा ने 33 गेंदों में नाबाद 85 रन की आक्रामक पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 6 छक्के शामिल थे। उनका साथ देते हुए मयंक अग्रवाल ने 23 गेंदों में नाबाद 41 रन बनाए, जिसमें 5 चौके शामिल थे। विराट कोहली ने 30 गेंदों में 54 रन की पारी खेली, जिसमें 10 चौके शामिल थे। आरसीबी ने इसके साथ ही दूसरे टीम की घरेलू मैदान में लगातार सात मैच जीतने का रिकॉर्ड भी कायम किया।

दोनों टीमों की ताकत

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : आरसीबी की ताकत उनके बल्लेबाजी क्रम में है, जिसमें विराट कोहली (548 रन, 145.36 स्ट्राइक रेट) और फिल सॉल्ट जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। जोश हेजलवुड की वापसी से उनकी गेंदबाजी और मजबूत हुई है, जो पावरप्ले और डेथ ओवरों में प्रभावी हैं। हालांकि, राजत पाटीदार का हालिया फॉर्म (पिछले 7 मैचों में 96 रन) चिंता का विषय है। आरसीबी का इस सीजन का रिकॉर्ड उनकी लय को दर्शाता है।

लखनऊ सुपर जायंट्सः लखनऊ की बल्लेबाजी मिशेल मार्श (560 रन, 161.85 स्ट्राइक रेट) और निकोलस पूरन (511 रन, 198.83 स्ट्राइक रेट) पर निर्भर है। पूरन ने इस सीजन में स्पिन के खिलाफ सबसे ज्यादा 40 छक्के लगाए हैं। गेंदबाजी में शार्दूल ठाकुर और दिग्वेश राठी (12-12 विकेट) प्रभावी रहे हैं। हालांकि, कप्तान ऋषभ पंत का खराब फॉर्म (सबसे कम स्ट्राइक रेट और औसत) चिंता का विषय है, लेकिन हाल के मैच में उनकी आक्रामकता उम्मीद जगाती है।

हेड-टू-हेड रिकॉर्ड

दोनों टीमें अब तक 5 बार भिड़ चुकी हैं, जिसमें आरसीबी ने 3 और एलएसजी ने 2 मैच जीते हैं। जोश हेजलवुड ने एलएसजी के खिलाफ 3 मैचों में 9 विकेट लिए हैं, जबकि निकोलस पूरन ने आरसीबी के खिलाफ 3 मैचों में 236.17 के स्ट्राइक रेट से 111 रन बनाए हैं।

मध्य प्रदेश लीग ने आगामी सीज़न के लिए किया टीम जर्सियों का अनावरण

एजेंसी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) ने एक समारोह के दौरान अपने आगामी सीज़न के लिए सभी 10 फ्रेंचाइज़ी टीमों की जर्सियों का अनावरण किया। यह सीज़न 12 जून से ग्वालियर के शंकरपुर स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होने वाला है। पिछले साल भी एमपीएल का उद्घाटन सीज़न यहीं खेला गया था। भव्य जर्सी अनावरण समारोह में पुरुषों और महिलाओं दोनों ही टीमों के लुक्स को पेश किया गया। समारोह के दौरान सभी खिलाड़ियों, टीम अधिकारियों और राज्य भर के गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी सहभागिता निभाई। ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन (जीडीसीए) द्वारा मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में इस बार पुरुष टीमों की संख्या पांच से बढ़ाकर सात कर दी गई है। इस बार बुंदेलखंड और चंबल क्षेत्रों की टीमें भी प्रतियोगिता में शामिल होंगी। इस सीज़न में पहली बार महिला क्रिकेट लीग की भी शुरुआत की जा रही है, जो पुरुषों के मैचों के साथ ही आयोजित की जाएगी। महिला प्रतियोगिता में तीन टीमें भाग लेंगी, जिनमें भोपाल की टीम भी शामिल है। जर्सी अनावरण पर चेयरमैन महानार्यमन सिंधिया ने कहा, जर्सी अनावरण की सफलता एक रोमांचक सीज़न की शुरुआत का संकेत है। पहले सीजन की अपार सफलता और इस सीजन के उत्साह को देखकर यह कहना गलत नहीं होगा कि मध्य प्रदेश लीग क्रिकेट प्रतिभा और क्षेत्रीय गौरव का उत्सव बन चुकी है। इस बार हम न केवल लीग का विस्तार कर रहे हैं, बल्कि महिला प्रतियोगिता की शुरुआत भी कर रहे हैं, जो खेल के प्रति हमारी विचारधारा और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए जीडीसीए अध्यक्ष प्रशांत मेहता ने कहा, मध्य प्रदेश लीग सीज़न 2 को लेकर हम बहुत उत्साहित हैं। टीम की जर्सियाँ उनके क्षेत्र और भावना को दर्शाती हैं और हमें विश्वास है।

मार्श-पंत की जोड़ी ने तोड़ा राहुल-डी कॉक का बड़ा रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में आरसीबी के खिलाफ मुकाबले में मिशेल मार्श और ऋषभ पंत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 152 रन की साझेदारी की। यह लखनऊ के लिए किसी भी विकेट के लिए दूसरे सबसे बड़ी साझेदारी रही। सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड केएल राहुल और क्विंटन डी कॉक की जोड़ी के नाम है। 2022 में नवी मुंबई में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ दोनों ने पहले विकेट के लिए 210 रनों की नाबाद साझेदारी की थी। इस ऐतिहासिक साझेदारी में केएल राहुल ने 51 गेंदों पर 68 और डी कॉक ने 70 गेंदों पर 140 रन बनाए, जिससे एलएसजी ने 20 ओवर में 2 विकेट पर 210 रन बनाए और 20 रन से जीत हासिल की। यह आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारियों में से एक है। 2025 में मिशेल मार्श और ऋषभ पंत ने लखनऊ में आरसीबी के खिलाफ दूसरे विकेट के लिए 152 रनों की साझेदारी की। मार्श 156.83 की स्ट्राइक रेट से 67 रन बनाकर आऊट हुए जबकि पंत ने

शतक लगाया। इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर राहुल और डी कॉक ही हैं जिन्होंने साल 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ लखनऊ में 134 रनों की साझेदारी है। इस जोड़ी ने पावरप्ले में तेज शुरुआत दी, जिससे एलएसजी को जीत मिली। 2025 में मार्श और निकोलस पूरन ने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ अहमदाबाद में तीसरे विकेट के लिए 121 रनों की साझेदारी की। पूरन ने 200.98 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे। यही नहीं, यह आरसीबी के खिलाफ भी दूसरे विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी रही। इससे पहले साल 2011 में धर्मशाला के मैदान पर एडम गिलक्रिस्ट और शॉन मार्श ने 206 रन की साझेदारी की थी। पंत और मार्श 152 रन की पार्टनरशिप के साथ दूसरे नंबर पर हैं। तीसरे नंबर पर जोस बटलर और संजू सैमसन हैं जिन्होंने साल 2024 में जयपुर के मैदान पर 148 रन बनाए थे।

आरसीबी के खिलाफ मिली हार के बाद पंत ने कहा-हम 40 ओवर अच्छी क्रिकेट नहीं खेल पाए

एजेंसी

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के आखिरी लीग मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 61 गेंदों पर नाबाद 118 रन की विस्फोटक पारी खेलने वाले ऋषभ पंत ने कहा कि इस बार वह शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने पर फोकस कर रहे थे, जो वह पिछले मैचों में नहीं कर पाए थे। हालांकि, उनकी इस शानदार पारी के बावजूद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को 227 रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। पंत ने इस हार पर कहा, हम 40 ओवर अच्छी क्रिकेट नहीं खेल पाए। मैच के बाद प्रेजेंटेशन में पंत ने कहा, हर मैच के साथ मैं अच्छा महसूस कर रहा था, लेकिन कई बार चीजें आपके मुताबिक नहीं होतीं। आज मैंने ठान लिया था कि अगर शुरुआत मिलती है तो उसे बड़े स्कोर में बदलना है, जैसे अनुभवी खिलाड़ी करते हैं। सबसे अच्छे खिलाड़ियों से यही सीखा है कि जब मौका मिले तो उसे भुनाओ। पंत का यह सीजन बल्ले से बेहद फीका रहा था। इस मुकाबले से पहले वह 12 पारियों में सिर्फ 151 रन ही बना पाए थे। उन्होंने बताया कि इस मैच में उन्होंने सीधा खेलने और

गैप्स तलाशने की रणनीति अपनाई, जो पहले काम नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने कहा, मैंने सोचा कि गेंदबाज किस एंगल से गेंदबाजी करेंगे और उसी के मुताबिक खुद को ढालने की कोशिश की। सीधा खेलना, गैप्स देखना, सब कुछ सिंपल रखा और हर गेंद को एक जैसी गंभीरता से खेला।

गेंदबाजी में अनुभव की कमी ने लखनऊ को किया परेशान

एलएसजी की गेंदबाजी इस मैच में खास असर नहीं छोड़ पाई। विल ओ'रूर्क और शाहबाज अहमद ने मिलकर सिर्फ 7 ओवरों में 113 रन लुटा दिए। वहीं फील्डिंग में चूक और दिग्वेश राठी की बैकफुट नो-बॉल, जिस पर प्लेयर ऑफ द मैच जितेश शर्मा को जीवनदान मिला, टीम की हार का कारण बनी। पंत ने कहा,टी20 में सिर्फ 20 ओवर अच्छा खेलना काफी नहीं है। 40 ओवर पूरे मैच में अच्छा खेलना होता है और यही हमारी कहानी रही है। टूर्नामेंट से पहले कई खिलाड़ियों की चोटें थीं, जिसका असर पूरे सीजन में दिखा।

कुछ गेंदबाजों का प्रदर्शन रहा सराहनीय

एलएसजी ने इस सीजन 14 में से 6 मुकाबले जीतकर अंक तालिका में सातवां स्थान प्राप्त किया। हालांकि, पंत ने कुछ सकारात्मक पहलुओं की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा, कुछ खास गेंदबाजी प्रदर्शन भी हुए हैं। दिग्वेश राठी का प्रदर्शन सराहनीय रहा, आवेश खान ने भी अहम ओवर फेंके। आकाश सिंह और आकाश दीप ने भी अच्छा किया। हमें मौके मिलते रहे, लेकिन हम उन्हें लंबे समय तक बरकरार नहीं रख पाए और यही हार की वजह बनी।

शीर्ष दो में जगह बनाना अद्भुत, लेकिन हमारा लक्ष्य ट्रॉफी जीतना है : शशांक सिंह

एजेंसी

जयपुर। पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह ने कहा कि टीम सामूहिक प्रयास से इंडियन प्रीमियर लीग की अंक तालिका में शीर्ष दो में जगह बनाने में सफल रही लेकिन काम अभी पूरा नहीं हुआ है और उनका लक्ष्य ट्रॉफी जीतना है। पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर प्लेऑफ में शीर्ष दो में अपना स्थान पक्का कर लिया है जिससे उसे फाइनल में पहुंचने के लिए दो मौके मिलेंगे। यह पिछले 11 वर्षों में पहला अवसर है जबकि पंजाब किंग्स ने प्लेऑफ में जगह बनाई। शशांक ने कहा, 'यह वास्तव में अद्भुत अहसास है। सबसे अच्छी बात यह है कि हमने सामूहिक प्रयास से इसे हासिल किया। नीलामी

के ठीक बाद हमने एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया और इस साल खिताब जीतने के बारे में बात की। हमारा पहला लक्ष्य शीर्ष दो में जगह बनाना था और हमने इसे हासिल कर लिया है। इस 33 वर्षीय इस खिलाड़ी ने कहा कि विश्वास और कड़ी मेहनत ही उनके सपने को वास्तविकता में बदलने की कुंजी थी। उन्होंने कहा, 'अपनी बात को जाहिर करना अलग चीज है और उस पर विश्वास करना अलग। हमने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और इसका श्रेय पंजाब किंग्स से जुड़े हर एक व्यक्ति को जाता है। आईपीएल जैसी लीग में शीर्ष दो में रहना आसान नहीं है। शशांक ने कहा, 'शीर्ष दो में जगह बनाने से अभी काम पूरा नहीं हुआ है। हम ट्रॉफी जीतना चाहते हैं। चार जून को तड़के 12 बजे जब हम खिताब जीतने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बैठे होंगे, तो मैं कह सकता हूं कि हां, हम दुनिया में शीर्ष पर हैं। शशांक उन कुछ खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्हें मेगा नीलामी से पहले टीम में बरकरार रखा गया था, लेकिन टीम में आमूलचूल परिवर्तन किया गया।

एपीजीसी जूनियर चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने हांगकांग पहुंची चार सदस्यीय भारतीय गोल्फ टीम

एजेंसी

हांगकांग। भारतीय गोल्फ यूनियन (आईजीयू) ने चार सदस्यीय भारतीय टीम को हांगकांग, चीन में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित एशिया-पैसिफिक गोल्फ कॉन्फेडरेशन (एपीजीसी) जूनियर चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए भेजा है। यह टूर्नामेंट हांगकांग गोल्फ क्लब में आज से शुरू हो रहा है। भारतीय टीम में लड़कों की ओर से कृष चावला और रणवीर मिट्टू जबकि लड़कियों की ओर से सान्वी सोमू और काशिका मिश्रा शामिल हैं। टीम के साथ गैर-खिलाड़ी कप्तान के रूप में डॉ. कोमल नरवर भी मौजूद हैं। यह तीन राउंड वाला टूर्नामेंट 27 से 29 मई तक चलेगा, जिसमें लड़कों और लड़कियों के व्यक्तिगत, टीम और मिक्स्ड टीम इवेंट शामिल होंगे। प्रतियोगिता स्ट्रोकप्ले फॉर्मेट में खेली जाएगी। लड़कों और लड़कियों की टीम के लिए उनके संयुक्त स्कोर को जोड़ा जाएगा, जबकि मिक्स्ड टीम की रैंकिंग के लिए टीम के सर्वश्रेष्ठ लड़के और लड़की के स्कोर को जोड़ा जाएगा। हांगकांग में मौसम आमतौर पर बादलों से घिरा हुआ है लेकिन बीच-बीच में धूप भी निकल रही है, जो गोल्फ के लिए एक आदर्श माहौल बनाता है।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिपः इंडियन वॉरियर्स ने किया धमाकेदार आगाज़, अफ्रीकन लायंस को 7 विकेट से हराया

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) के पहले दिन का आगाज़ बेहद रोमांचक अंदाज़ में हुआ। मंगलवार रात उद्घाटन मुकाबले में शिखर धवन की इंडियन वॉरियर्स ने अफ्रीकन लायंस को 7 विकेट से शिकस्त देकर टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की।

अफ्रीकन लायंस ने रखा था 195 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफ्रीकन लायंस ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 195 रन बनाए। टीम के लिए शेखर सिरोही ने सिर्फ 26 गेंदों पर 65 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें कई आकर्षक शॉट्स देखने को मिले। अंतिम ओवरों में शिवम शर्मा ने 14 गेंदों में 24 रन जोड़कर स्कोर को मजबूती दी।

धवन-पांचाल की ओपनिंग साझेदारी ने रखी जीत की नींव

195 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडियन वॉरियर्स की शुरुआत तूफानी रही। शिखर धवन और कप्तान प्रियांक पांचाल ने पहले छह ओवर में ही 67 रन जोड़ दिए। हालांकि सातवें ओवर में टीम ने दो विकेट खो दिए, लेकिन इसके बाद पारी को पवन नेगी और केदार देवधर ने संभाला। वॉरियर्स की जीत में केदार देवधर ने 39 गेंदों में 60 रन और पवन नेगी ने 28 गेंदों में 57 रन की शानदार पारियां खेलीं। कप्तान पांचाल ने भी 17 गेंदों में तेज़ 38 रन बनाए। इन तीनों की आक्रामक बल्लेबाजी की बदौलत टीम ने 15 गेंद शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मैच के बाद कप्तान प्रियांक पांचाल ने कहा,पहली जीत बहुत खास है। शिखर धवन जैसे अनुभवी खिलाड़ी के साथ खेलना मेरे लिए सम्मान की बात है। उन्होंने पारी के दौरान लगातार मार्गदर्शन किया, जिससे हमें लक्ष्य तक पहुंचने में आसानी हुई। लीग स्टेज 3 जून तक चलेगा, उसके बाद 4 जून को दोनों सेमीफाइनल और 5 जून को रात 7:30 बजे फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

डीबीएपी और जार्डन टाइगर्स ने जीता खिताब

प्रयागराज। डिस्ट्रिक्ट बास्केटबाल एसोसिएशन प्रयागराज (डीबीएपी) और जार्डन टाइगर्स ने द्वितीय डेकेथलान प्रयागराज बास्केटबाल लीग में क्रमशः बालक एवं बालिका वर्ग के खिताब पर कब्जा जमा लिया। मैरी ल्यूकस स्कूल कटरा में सोमवार रात खेले गये बालक वर्ग के फाइनल में डीबीएपी ने आर्मी डंकिन डैड्स को 14-8 से हराया। विजेता टीम के दिव्यांशु ने नौ, आर्य वीर ने चार, श्रीशांत ने एक अंक बनाये। पराजित टीम के साहिल ने पांच, अनुराग ने दो और सौरभ ने एक अंक बनाया। बालिका वर्ग के फाइनल में जार्डन टाइगर्स ने घोस्ट वेनम को 11-10 से हराया। विजेता टीम की नमस्वी ने सात, नित्या और खुशी ने दो-दो तथा पराजित टीम की निशि ने आठ एवं मान्या ने दो अंक बनाये। मुख्य अतिथि पूर्व अंतर राष्ट्रीय बास्केबाल खिलाड़ी आरएस बेदी, जिला बास्केबाल संघ के सचिव शील कुमार ओझा और प्रो. आरके उपाध्याय ने पुरस्कार वितरित किये।

गस एटकिंसन हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को हैमस्ट्रिंग की चोट के चलते वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर कर दिया गया है। यह सीरीज 29 मई से शुरू होगी, लेकिन इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि एटकिंसन की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को टीम में शामिल नहीं किया जाएगा।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट में लगी चोट

एटकिंसन को यह चोट हाल ही में नॉटिंघम में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच के दौरान लगी थी। इस मैच में उन्होंने कुल 19.2 ओवर की गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट हासिल किए थे। उनकी चोट इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी में एक और बड़ा झटका है, क्योंकि इससे पहले जोफ्रा आर्चर भी इसी सीरीज से बाहर हो चुके हैं।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए फिटनेस जरूरी

इंग्लैंड टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि एटकिंसन 20 जून से भारत के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे।

हैरी ब्रूक पहली बार स्थायी वनडे कप्तान के रूप में: इस सीरीज में हैरी ब्रूक पहली बार इंग्लैंड की वनडे टीम की कमान बतौर स्थायी कप्तान संभालेंगे। तीनों वनडे मुकाबले क्रमशः 29 मई (बर्मिंघम), 1 जून (कार्डिफ) और 3 जून (ओवल, लंदन) को खेले जाएंगे।

चोटों से जूझ रहा बांग्लादेश, पाकिस्तान के खिलाफ युवा तेज गेंदबाजों पर जताया भरोसा

एजेंसी

लाहौर। चोट के कारण सीनियर तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान और तस्कीन अहमद के बाहर होने के बाद बांग्लादेश के मुख्य कोच फिल सिमंस को उम्मीद है कि बाकी तेज गेंदबाज पाकिस्तान के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करेंगे, जो बुधवार को लाहौर में शुरू होगी। तस्कीन टखने की चोट के कारण दो महीने से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर हैं, जबकि मुस्तफिजुर को पिछले हफ्ते दिल्ली कैपिटल्स के लिए अपने अंतिम इंडियन प्रीमियर लीग 2025 मैच के दौरान अंगूठे में चोट लग गई थी। सिमंस ने कहा, 'आपको अपने सीनियर तेज गेंदबाजों की कमी खलेगी। जैसा कि हमने देखा, फिज (मुस्तफिजुर) उस समय आईपीएल में किस तरह की गेंदबाजी कर रहे थे। हमें उनकी कमी खलेगी। यह किसी के लिए इस सीरीज में उनकी जगह लेने का मौका भी है। उम्मीद है कि कोई गेंदबाज इस सीरीज में फिज की जगह लेना चाहेगा। इस फॉर्मेट में हमारी गेंदबाजी आमतौर पर हमारी मजबूती होती है। लेकिन दो वरिष्ठ गेंदबाजों, तस्कीन और फिज के बाहर होने से संतुलन बिगड़ा है। मुस्तफिजुर की अनुपस्थिति में चयनकर्ताओं ने खालिद अहमद को शामिल किया है। नाहिद राणा के प्रतिस्थापन खिलाड़ी को नहीं चुना गया है जिन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए दौरे से नाम वापस ले लिया है। खालिद के अलावा, तेज गेंदबाजी इकाई में तंजीम हसन साकिब, हसन महमूद और शोरीफुल इस्लाम शामिल हैं। ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज को भी चोटिल सौम्य सरकार की जगह लाया गया है ताकि उनके गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत किया जा सके। यूएई से 2-1 से सीरीज हारने के बावजूद सिमंस आशावादी बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि टीम का मनोबल अच्छा है और लाहौर में शानदार प्रदर्शन के साथ वापसी करने को उत्सुक है। उन्होंने कहा, यूएई में सीरीज हारना मुश्किल था, लेकिन फिर कभी-कभी इससे आपका मनोबल बढ़ता है। हमारा मनोबल बहुत अच्छा रहा है, इसलिए हमें उम्मीद है कि (यूएई में परिणाम) हमारा मनोबल बढ़ाएगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सीरीज जीतने का हमेशा अच्छा मौका रहता है। लोग कहते रहते हैं कि पाकिस्तान अच्छा नहीं खेल रहा है। फिर से, यह उस दिन होने वाली घटनाओं पर निर्भर करता है। हमारे पास यहां सीरीज जीतने का अच्छा मौका है।

हम सभी पहलुओं में सुधार करने की कोशिश में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उम्मीद है कि हम इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। यह सीरीज बांग्लादेश के तेज गेंदबाजी विभाग के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत भी करेगी, जिसमें शॉन टैट दो साल के अनुबंध पर तेज गेंदबाजी कोच के रूप में अपने पहले काम के लिए कोचिंग स्टाफ में शामिल होंगे। सिमंस ने कहा कि स्पिन गेंदबाजी कोच मुश्ताक अहमद के साथ टैट, जो दोनों कराची किंग्स और पेशावर जाल्मी के साथ हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग में शामिल थे, विपक्षी टीम की ताकत के बारे में मूल्यवान जानकारी देंगे। सिमंस ने कहा, मुझे लगता है कि वह (टैट) न केवल गेंदबाजों के लिए, बल्कि पूरी टीम के लिए शानदार साबित होंगे। हम यहां स्थिति का आकलन करेंगे। मुशी क्रूरु में थे, इसलिए हम उनसे जानकारी लेंगे और अपने फैसले लेंगे। अनुभवी खिलाड़ियों के न होने के कारण अब युवा तेज गेंदबाजों पर जिम्मेदारी आ गई है। उनमें से सबसे अनुभवी शोरफुल इस्लाम से आगे बढ़कर नेतृत्व करने की उम्मीद की जाएगी।

'बिग बॉस' फेम

बंदगी कालरा

के घर लाखों की चोरी, बहन की शादी के लिए घर में रखे थे कैश

रियलिटी शो 'बिग बॉस 11' से मशहूर हुई एक्ट्रेस और इन्फ्लुएंसर बंदगी कालरा के घर चोरी की खबर ने सबको चौंका दिया. बताया जा रहा है कि उनकी बहन की शादी से ठीक पहले दिल्ली स्थित उनके घर में लाखों की चोरी हुई है, जिसमें भारी नकदी और कीमती सामान गायब है. इस घटना के बाद से बंदगी काफी परेशान हैं और उन्होंने सिस्टम पर सवाल उठाते हुए पुलिस कार्रवाई में देरी को लेकर निराशा जताई है.दरअसल, हा ही में बंदगी कालरा ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए घर पर हुई चोरी का खुलासा किया. उन्होंने बताया कि जब वो अपने घर लौटीं, तो देखा कि घर का सामान बिखरा पड़ा था और दरवाजों के ताले टूटे हुए थे.

चोर घर से नकदी, गहने और यहां तक कि सीसीटीवी कैमरे का एसडी कार्ड भी चोरी कर भाग गए थे. बंदगी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि उनकी बहन की शादी के चलते उन्होंने घर में बड़ी रकम रखी हुई थी. उन्होंने टूटे हुए ताले और अस्त-व्यस्त घर की तस्वीरें भी इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की थी.

सिस्टम पर उठाए सवाल

चोरी की इस घटना के बाद बंदगी कालरा ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, लेकिन उनका कहना है कि शिकायत के 30 घंटे बीत जाने के बाद भी उन्हें कोई ठोस कार्रवाई होती नहीं दिखी. उन्होंने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, हमारा सिस्टम इतना कमजोर और सुस्त है कि कार्रवाई करने के बजाय, वे आराम कर रहे हैं और खाना खा रहे हैं. मैंने कभी इतना असहाय महसूस नहीं किया. उन्होंने ये भी आशंका जताई कि पुलिस इस मामले को दबाने की कोशिश कर रही है.

परेशान हैं बंदगी

बंदगी ने सवाल उठाया कि जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो लोग भारत से बाहर क्यों नहीं जाना चाहेंगे ? उन्होंने अपने फैंस से समर्थन की अपील की है और उम्मीद जताई है कि उन्हें जल्द न्याय मिलेगा. बंदगी के फैंस का कहना है कि इस तरह की घटना ने एक बार फिर आम लोगों की सुरक्षा और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं.

मौत के बाद श्रीदेवी के मुंह में क्यों रखा गया था सोने का टुकड़ा?

हिंदी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस रही श्रीदेवी की पॉपुलैरिटी किसी मेल सुपरस्टर की तरह थी. इंडस्ट्री में उन्हें 'लेडी अमिताभ बच्चन' भी कहा जाता था. हालांकि ये दिग्गज एक्ट्रेस अब हमारे बीच नहीं हैं. उनका करीब सात साल पहले निधन हो गया था. श्रीदेवी के अचानक निधन से देशभर में शोक की लहर दौड़ पड़ी थी और फैंस को बहुत बड़ा झटका लगा था. श्रीदेवी को आखिरी बार सुहागन की तरह सजाया गया था और उनके अंतिम संस्कार में लाखों की भीड़ उमड़ी थी.श्रीदेवी का अंतिम संस्कार विधिवत तरीके से किया गया था. उनके अंतिम संस्कार की हर रस्म को अच्छे तरीके से निभाया गया. लेकिन क्या आप जानते हैं कि मौत के बाद श्रीदेवी के मुंह में सोने का टुकड़ा भी रखा गया था. इसके पीछे एक बेहद खास वजह है. आइए इसके बारे में जानते हैं.

मौत के बाद श्रीदेवी के मुंह में क्यों रखा गया सोने का टुकड़ा ?

श्रीदेवी का जन्म 13 अगस्त 1963 को तमिलनाडु के मीनाम्पत्ति में हुआ था. वहीं एक्ट्रेस का निधन 24 फरवरी 2018 को दुबई में हो गया था. श्रीदेवी को अंतिम विदाई देने के दौरान उनके मुंह में परिवार के लोगों ने सोने का टुकड़ा रखा था. तमिल परंपरा के अनुसार सुहागन की मौत पर उसके मुंह में सोने का पान या सोने का टुकड़ा रखा जाता है. इसी वजह से श्रीदेवी के मुंह में भी सोने का टुकड़ा रखा गया था.

बेटी जान्हवी की डेब्यू फिल्म नहीं देख पाई श्रीदेवी

जिस साल श्रीदेवी का निधन हुआ उसी साल उनकी बड़ी बेटी जान्हवी कपूर ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत की थी. जान्हवी अपनी मां के बेहद करीब थीं. जान्हवी ने फिल्म 'धड़क' से डेब्यू किया था. इसकी शूटिंग के दौरान श्रीदेवी हर समय अपनी बेटी के साथ मौजूद रहती थीं. लेकिन वो बेटी का डेब्यू नहीं देख पाईं.श्रीदेवी ने फरवरी 2018 में दुनिया को अलविदा कह दिया था. जबकि जान्हवी की डेब्यू फिल्म जुलाई 2018 में रिलीज हुई थी. इसमें उनके साथ ईशान खट्टर अहम रोल में नजर आए थे. अब श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर भी इंडस्ट्री में अपने कदम रख चुकी हैं. खुशी ने साल 2023 की बॉलीवुड फिल्म 'द आर्चीज' से डेब्यू किया था. इसका डायरेक्शन जोया अख्तर ने किया था.

'इतना दर्द था कि नजर नहीं...' जिया खान केस के बाद कैसा था सूरज पंचोली की फैमिली का हाल, एक्टर ने बताया

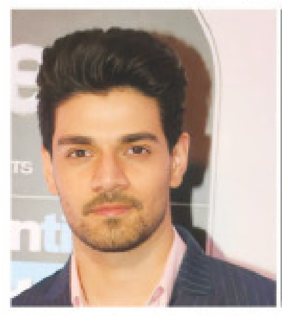

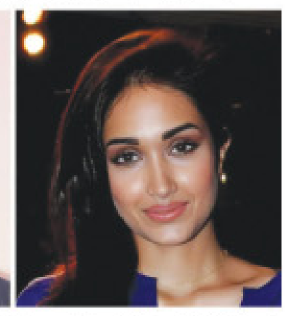

बॉलीवुड एक्टर सूरज पंचोली जितना अपनी फिल्मों को लेकर फेमस नहीं होते, उससे कहीं ज्यादा उनका नाम कंट्रोवर्सी में हाइलाइट होता है. सूरज इन दिनों अपनी फिल्में केसरी वीर को लेकर चर्चा में हैं. उन्होंने इस फिल्म से लंबे वक्त बाद अपना कमबैक किया है. फिल्म को लेकर लोगों की मिक्सड राय है.

एक्टर सूरज पंचोली की जिंदगी की सबसे बड़ी कंट्रोवर्सी एक्ट्रेस जिया खान के केस में सामने आया उनका नाम थी. इस केस ने बॉलीवुड में आने से पहले ही सूरज का करियर लगभग खत्म कर दिया. जिया की मौत ने किस तरह उनकी जिंदगी बदली, इस बारे में सूरज अब खुलकर अपनी बात रखते हैं. हाल ही में उन्होंने बताया कि मुश्किल दौर में कैसे उनके परिवार ने उनका साथ दिया.

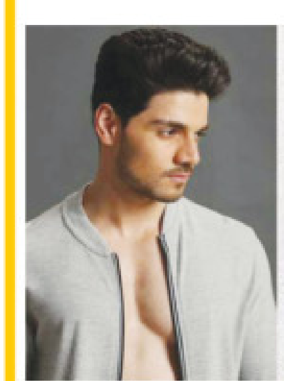

इतना दर्द था, नजर नहीं मिला पाते थे

सूरज केसरी वीर के प्रमोशंस में बिजी हैं. इसी बीच अपने पास्ट पर बात करते हुए सूरज ने कहा कि फैमिली उनका कितना बड़ा सपोर्ट सिस्टम रही है. उन्होंने कहा कि जिया खान केस के वक्त उनके पिता आदित्य पंचोली, ने कैसे उन्हें सपोर्ट किया. उन्होंने बताया कि उस दौर में वो अपनी फैमिली से आंखें नहीं मिला पाते थे. उनका परिवार इतने दर्द में था, कि एक दूसरे को देखना मुश्किल हो जाता था. स्क्रीन के साथ हालिया बातीचत में सूरज ने कहा- मेरी फैमिली के साथ मेरी इक्युएशन अब पहले से काफी बेहतर है. एक वक्त था कि हम एक दूसरे की तरफ नहीं देख पा रहे थे, क्योंकि हमारी आंखों में इतना दर्द था, पर अब सब ठीक है.

पिता से कैसे हैं सूरज के रिश्ते

पिता आदित्य के साथ अपने बॉन्ड पर सूरज ने कहा कि वो दोनों इस हादसे से पहले इतना क्लोज नहीं थे, लेकिन इस हादसे के बाद से दोनों के बीच एक अजीब सा बॉन्ड बन गया और वो आज भी कायम है. उन्होंने कहा कि आदित्य उनके और उनकी बहन के सबसे बड़े सपोर्ट सिस्टम हैं. करियर की बात पर सूरज ने कहा कि वो अजय देवगन से काफी इन्सपायर्ड हैं और उन्हीं की राह पर चलना चाहते हैं.

इधर युजवेंद्र चहल और

आरजे महवश

की डेटिंग की खबरें आईं, उधर धनश्री वर्मा ने कह दी ये बात

क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा ने दिसंबर 2020 में खूबसूरत तरीके से और ग्रैंड लेवल पर शादी की थी. हालांकि, उनकी शादी में आई खटास के चलते 20 मार्च, 2025 को उनका तलाक हो गया. युजवेंद्र लंबे वक्त से आरजे महवश के साथ अपनी डेटिंग की खबरों को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं. इस बीच, धनश्री ने पहली बार नई शुरुआत के बारे में बात की है.

हाल ही में ईटाइम्स को दिए इंटरव्यू में धनश्री वर्मा ने युजवेंद्र चहल से तलाक के बाद नई शुरुआत के बारे में बात की. उन्होंने कहा, मैं हमेशा कहूंगी और मानूंगी कि प्यार जीवन का एक खूबसूरत पहलू है, और इसके बारे में आपकी समझ समय के साथ विकसित होती है. उन्होंने कहा, फिलहाल मैं अपने काम और करियर पर ध्यान दे रही हूं और साथ ही अपने व्यक्तिगत विकास पर भी काम कर रही हूं.

मेरा करियर और परिवार जरूरी

धनश्री वर्मा ने अपनी बात को पूरा करते हुए आगे कहा, भविष्य जो कुछ भी मेरे लिए लेकर आएगा, उसके लिए तैयार हूं, लेकिन अभी मेरे लिए मेरा करियर और मेरा परिवार ही सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है. कोरियोग्राफर से यह भी पूछा गया कि वह पब्लिक जजमेंट को कैसे मैनेज करती हैं. उन्होंने बताया कि वह इन सबसे परेशान नहीं हैं. धनश्री ने आगे कहा कि उन्होंने खुद को आंतरिक शक्ति से घेर लिया है और पूरी तरह से अपने काम और जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं.

धनश्री वर्मा के जीवन का गोल

उन्होंने कहा, पहले दिन से ही नकारात्मकता और सार्वजनिक आलोचना ने मुझे कभी परेशान नहीं किया है और यह मुझे कभी परेशान नहीं करेगी. धनश्री वर्मा के अनुसार, 'शोर' को अनदेखा करना और रचनात्मक प्रतिक्रिया पर ध्यान केंद्रित करना उनका जीवन मंत्र है. उन्होंने बताया कि गोल सेट करना और उन्हें हासिल करने तक अपना सर्वश्रेष्ठ देना ही इन दिनों उनका लक्ष्य है.